

# **भारत का राजपत्र** **The Gazette of India** प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 25, 1997 (माघ 5, 1918)  
 No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 25, 1997 (MAGHA 5, 1918)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
 (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## विषय-सूची

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधित्त नियमों, विनियमों, प्रादेशों तथा संकल्पों में सम्बंधित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 87	भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सार्वजनिक नियमों और सार्वजनिक प्रादेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपसूचियों भी शामिल हैं) के द्वितीय अधिकृत पाठ (दोनों पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	पृष्ठ *
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकाधिकारों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	53	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक नियम और प्रादेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और सार्वजनिक प्रादेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	*	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसद और परीक्षक कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	39
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकाधिकारों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	137	भाग III—खण्ड 2—नेटवर्क कार्यालय द्वारा जारी की गई वेबसाइटों और डिजिटल क. पंक्ति अधिसूचनाएं और नोटिस	147
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अधिकाधिकार जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खण्ड 1—क. अधिनियम, अध्यादेशों और विनियमों का द्वितीय भाग में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विधित्त अधिसूचनाएं जिनमें सार्वजनिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, प्रादेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं।	247
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रस्ताव समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	11
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सार्वजनिक नियमों और सार्वजनिक स्वरूप के प्रादेश और उपसूचियां आदि शामिल हैं।	*	भाग V—संघीय और द्वितीय श्रेणी के राज्य और गुप्त के प्रादेशों को सम्बंधित आदेश प्रकाशित	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक प्रादेश और अधिसूचनाएं	*		



## CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	87	PART II—SECTION 3—SUB SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) . . . . .	
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	53	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence . . . . .	
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence . . . . .	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India . . . . .	39
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence . . . . .	137	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs . . . . .	147
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners . . . . .	
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies . . . . .	247
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills . . . . .	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies . . . . .	11
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . .	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc., both in English and Hindi . . . . .	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories), . . . . .	*		



## भाग I—खण्ड 1

## [PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

पर्यावरण और वन मंत्रालय

नई दिल्ली-110003, दिनांक 24 दिसम्बर 1996

संकल्प

सं. 6-1/91-वन्यजीव-1—भारत सरकार ने भारतीय वन्य-जीव बोर्ड का निम्नानुसार पुनर्गठन करने का निर्णय लिया है :—

अध्यक्ष

— भारत के प्रधान मंत्री ।

उपाध्यक्ष

— केन्द्रीय पर्यावरण और वन राज्य मंत्री ।

सदस्य

— भारतीय संसद के तीन सदस्य-दो लोक सभा से और एक राज्य सभा से ।

— पांच गैर-सरकारी संगठन जिन्हें भारत सरकार द्वारा नामजद किया जायेगा ।

— प्रसिद्ध संरक्षणविदों, पारिस्थितिकीय विदों और पर्यावरणविदों में से बस गैर-सरकारी सदस्य, जिन्हें भारत सरकार द्वारा नामजद किया जाएगा ।

— सेनाध्यक्ष ।

— सचिव, भारत सरकार, पर्यावरण और वन मंत्रालय

— सचिव, भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय ।

— सचिव, भारत सरकार, ध्यय विभाग, वित्त मंत्रालय ।

— सचिव, भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय ।

— सचिव, भारत सरकार, शिक्षा विभाग ।

— सचिव, भारत सरकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय ।

— वन महानिरीक्षक, पर्यावरण और वन मंत्रालय ।

— पर्यटन महानिदेशक, भारत सरकार ।

— महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून ।

— निदेशक, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून ।

— निदेशक, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ।

— निदेशक, भारतीय वनरणीत सर्वेक्षण ।

— निदेशक, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान ।

— अध्यक्ष, जीवजन्तु कल्याण बोर्ड ।

— अध्यक्ष बोर्ड आफ ट्रस्टी, वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर इंडिया केन्द्रीय जिम्मेदार प्राधिकरण से एक सदस्य ।

— 10 राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों से बारी-बारी से एक-एक प्रतिनिधि, जैसा कि भारत सरकार समय-समय पर निर्णय करे । ऐसे प्रतिनिधियों का नामांकन संबंधित राज्य सरकार/केन्द्र शासित प्रदेश में वन्यजीव संगठन का प्रतिनिधित्व करेगा ।

सदस्य-सचिव

— अपर वन महानिरीक्षक (वन्यजीव) पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार ।

2. बोर्ड के कार्य निम्नलिखित होंगे :—

(1) समन्वित कानून और प्रशासनिक उपायों के माध्यम से वन्यजीवों के संरक्षण को बढ़ावा देने और उनके चोरी-छिपे शिकार को प्रभावी रूप से रोकने के तौर-तरीकों के बारे में केन्द्र तथा राज्य सरकार को सलाह देना;

(2) राष्ट्रीय उद्यानों, अभयारण्यों तथा प्राणि उद्यानों की स्थापना करने के बारे में सलाह देना;

(3) जीव-जन्तुओं तथा अन्य वन्यजीवों की द्राफियों, झालों, लोम, पंखों तथा अन्य उत्पादों के निर्यात के बारे में सरकार को राय देना;

(4) देश में वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में प्रगति की समय-समय पर पुनरीक्षा करना और सुधार के लिए आवश्यक उपाय सुझाना;

(5) वन्यजीवों तथा प्रकृति एवं मानव पर्यावरण के साथ सामंजस्य रखते हुए इनके संरक्षण की आवश्यकता के प्रति सामान्य जनों में रुचि जागृत करना;



- (6) वन्यजीव संस्थानों के गठन के लिए सहायता तथा प्रोत्साहन देना और इस तरह के सभी कार्यों के लिए केन्द्रीय समन्वय एजेंसी के रूप में कार्य करना;
- (7) जिन उद्देश्यों के लिए बोर्ड का गठन किया गया है उसके अनुकूल इस तरह के अन्य कार्यों को करना;
- (8) बोर्ड को भेजे जाने वाले किसी भी मामले पर केन्द्र सरकार को सलाह देना बशर्ते कि इसका विषय बोर्ड के निर्धारित कार्यों में आता हो;
- (9) ऐसे सभी कार्यों, जिन्हें बोर्ड वन्यजीवों के परिरक्षण तथा संरक्षण के लिए जरूरी उचित या सहायक समझे या इस तरह के अन्य प्रयोजनों, जिनके लिए इसका गठन किया गया है, को या तो अकेले अथवा अन्यो के सहयोग से या भारत सरकार के निर्देश लेकर करना, इनमें वे कार्य भी शामिल हैं, जो इसमें बताए गए हैं।

#### सदस्यों की अवधि

1. बोर्ड का कार्यकाल चार वर्ष की अवधि के लिए होगा जिसके पश्चात् जब तक अन्यथा आदेश नहीं निकाला जाता इसका पुनर्गठन किया जायेगा।
2. पदेन सदस्यों को छोड़कर सदस्यों का कार्यकाल बोर्ड के कार्यकाल तक होगा। बोर्ड में नामजद संसद सदस्य, संसद सदस्यता समाप्त होने पर उनकी सदस्यता समाप्त हो जायेगी।

#### 4. बोर्ड की बैठकें

बोर्ड की सामान्यतः साल में एक बैठक होगी और ये बैठकें वेश के चारों क्षेत्रों तथा केन्द्र में बारी-बारी से आयोजित की जाएंगी।

#### 5. बोर्ड निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए एक स्थाई समिति नियुक्त करेगा :—

- (1) बोर्ड की सिफारिशों के कार्यान्वयन पर निगरानी रखना और इससे उठने वाले किसी भी मामले पर केन्द्र तथा राज्य सरकारों की सहमति और सलाह देना;
- (2) बोर्ड के इस प्रकार के कार्यों को करना, जिन्हें बोर्ड समय-समय पर इस सौंपे तथा बोर्ड की बैठक न होने पर बोर्ड की ओर से कार्यवाही करना; तथा
- (3) बोर्ड के कार्यों को सुचारु रूप से चलाने के लिए आवश्यकता पड़ने पर समय-समय पर विशेषज्ञ समिति, उप-समितियाँ तथा अध्ययन बलों का गठन करना।

6. बोर्ड के गैर-सरकारी सदस्यों को बोर्ड की बैठकों में शामिल होने के लिए भारत सरकार के रूप 'क'

अधिकारियों को बड़े दरों पर यात्रा भत्ते तथा दैनिक भत्ते का भुगतान किया जाएगा।

7. भारतीय वन्यजीव बोर्ड के बारे में भारत सरकार, पर्यावरण और वन मंत्रालय (वन और वन्यजीव विभाग) के 28 जनवरी, 1991 के संकल्प संख्या 6-1/91-डब्ल्यू. एल-1 के संकल्प संख्या को एतद्वारा रद्द किया जाता है।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी संबंधितों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की जानकारी के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

टी. के. ए. नायर  
सचिव

#### आदेश

संख्या 6-1/91-डब्ल्यू. एल. 1—दिनांक 24 दिसम्बर, 1996 के इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 6-1/91-डब्ल्यू. एल. 1 के संदर्भ और अनुसरण में जिसके तहत भारतीय वन्यजीव बोर्ड का पुनर्गठन किया गया था, यह निर्णय किया गया है कि निम्नलिखित 10 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को अगले दो वर्षों के लिए बोर्ड में प्रतिनिधित्व दिया जायेगा :—

1. गोवा
2. गुजरात
3. मध्य प्रदेश
4. मणिपुर
5. मेघालय
6. पंजाब
7. तमिलनाडु
8. पश्चिम बंगाल
9. दिल्ली
10. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में वन्यजीव संगठन को प्रतिनिधित्व देने के लिए संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा उपरोक्त प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से एक-एक प्रतिनिधि नामित किया जायेगा।

टी. के. ए. नायर  
सचिव



## आदेश

संख्या 6-1/91-डब्ल्यू. एल. 1—दिनांक 24 दिसम्बर, 1996 को इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 6-1/91-डब्ल्यू. एल. 1 के अनुसारण में जिसके तहत भारतीय वन्यजीव बोर्ड का पुनर्गठन किया था, निम्नलिखित 5 गैर-सरकारी संगठनों को अगले आदेशों तक बोर्ड में नामित किया गया है :—

1. अध्यक्ष, बम्बई नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी ।
2. आई यू सी एन के एस-एस सी के सी ए टी विशेषज्ञ बल का प्रतिनिधि—श्री बिजेंद्र सिंह ।
3. अध्यक्ष, इन्स्टीक, नई दिल्ली ।
4. अध्यक्ष, वन्यजीव अध्ययन केंद्र, बंगलौर—श्री उल्हास करंथ ।
5. अध्यक्ष, रणधीर फज्जुडकेष, नई दिल्ली—श्री बालमीक थापर ।

टी. के. ए. नायर  
सचिव

## आदेश

संख्या 6-1/91-डब्ल्यू. एल. 1—दिनांक 24 दिसम्बर, 1996 को इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 6-1/91-डब्ल्यू. एल. 1 के संदर्भ और अनुसरण में जिसके तहत भारतीय वन्यजीव बोर्ड का पुनर्गठन किया गया था, निम्नलिखित तीन संसद सदस्यों, जो भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व करते हैं, को बोर्ड में नामित करने हैं :—

1. श्री बी. किशोर चन्द्र एस बवे, संसद सदस्य, राज्य सभा ।
2. श्रीमती मेनका गांधी, संसद सदस्य, लोक सभा ।
3. राजकुमारी रत्नासिंह, संसद सदस्य, लोक सभा ।

उपर वर्णित सदस्य समय-समय पर यथासंशोधित संसद सदस्यों का बेटन, भत्ता और पेंशन अधिनियम, 1954 के उपबंधों के अनुसार बोर्ड की बैठक में भाग लेने के लिए यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता पाने के हकदार हैं ।

टी. के. ए. नायर  
सचिव

## आदेश

संख्या 6-1/91-डब्ल्यू. एल. 1—दिनांक 24 दिसम्बर, 1996 को इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 6-1/91-डब्ल्यू. एल. 1 के संदर्भ और अनुसरण में जिसके तहत भारतीय वन्यजीव बोर्ड

का गठन किया गया था, बोर्ड में निम्नलिखित 10 गैर-सरकारी सदस्यों का अगले आदेशों तक नामित किया जाता है :—

1. श्री एस बवे राय,  
संस्थानिक अपर वन महानिरीक्षक (वन्यजीव), नई दिल्ली ।
2. श्री बिट्टू सहगल,  
पत्रकार तथा पर्यावरणविद्, बम्बई ।
3. डा. एल एम नाथ,  
सेवानिवृत्त निदेशक,  
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
4. डा. एम. के. रणजीत सिंह,  
पूर्व महानिदेशक, कपाट ।
5. सुश्री ऊषा राय,  
पत्रकार, दिल्ली ।
6. श्री जे. सी. डीनियल,  
प्रकृति विज्ञानी, बी. एन. एस. एस ।
7. श्री हसीम तैयबाजी,  
हैदराबाद ।
8. श्री क्लोड एल्बेरस,  
गुआहाटी ।
9. डा. आर. सुकुमार,  
अध्यक्ष, आई यू सी एन, एशियाई हाथी विशेषज्ञ बल ।

टी. के. ए. नायर  
सचिव

## अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय

नई दिल्ली-110003, दिनांक 30 दिसम्बर 1996

## संकल्प

सं. 11015 (5)/93-हिन्दी—अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के दिनांक 24 मार्च, 1995 के संकल्प सं. 11015(5)/93-हिन्दी में आंशिक संशोधन करते हुए, उसमें उल्लिखित हिन्दी सलाहकार समिति के गठन में निम्नलिखित प्रतिस्थापन/प्रविष्टि एतद्वारा की जाती है :—

- (1) क्रम सं. 1 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापन किया जाता है :—  
“1. श्री सी. नारायण स्वामी, सदस्य (लोक सभा) ... सदस्य” ।
- (2) क्रम सं. 5 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापन किया जाता है :—  
“5. डा. डी. इस्तान, संसद सदस्य (राज्य सभा) ... सदस्य” ।
- (3) क्रम सं. 6 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापन किया जाता है :—  
“6. श्री सत महाजन, संसद सदस्य (लोक सभा) ... सदस्य” ।



## आवेष

आवेष दिया जाता है कि इस प्रस्ताव की प्रति समिति के सभी सदस्यों, सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, वाणिज्य निर्माण और विविध, योजना आयोग और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए।

यह भी आवेष दिया जाता है कि संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

उमेश नारायण पंजियार  
संयुक्त सचिव

## रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

## नियम

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1997

## नियमावली

सं० 96/ई०(जी०आर०)/1/18/82—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों भरने के लिए 1997 से संघ लोक सेवा आयोग द्वारा लो जाने वाले प्रम्पित प्रतिभागिता इंजीनियरी सेवा परीक्षा का नियमावली मंत्रालयों/विभागों की सहमति से सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :—

## वर्ग 1—सिविल इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा।
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)।
- (3) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा।
- (4) सैनिक इंजीनियरी सेवा (आई० डी० एस० ई०—भवन तथा सड़क संवर्ग)।
- (5) सैनिक इंजीनियरी सेवा (निर्माण सर्वेक्षण संवर्ग)।
- (6) भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रेड 'क' (सिविल इंजीनियरी पद)।
- (7) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)।

- (8) डाक व तार भवन निर्माण (ग्रुप-क) सेवा के सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)।
- (9) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप 'क'।
- (10) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'।
- (11) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (सिविल इंजीनियरी पद)।

## वर्ग 2—यांत्रिक इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा।
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (3) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (4) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (5) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (6) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (7) सैनिक इंजीनियरी सेवा आई० डी० एस० ई० (वैद्युत और यांत्रिक संवर्ग) (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (8) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (9) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत तथा यांत्रिक) (यांत्रिक इंजीनियरी पद) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'।
- (10) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बर्मा इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'।
- (11) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'।
- (12) सहायक प्रबन्धक (कारखाना) दूर-संचार विभाग दूर-संचार कारखाना संगठन)।
- (13) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप 'क' (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (14) सहायक कार्यपालक इंजीनियर ग्रुप 'क' (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।
- (15) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (16) भारतीय आयुर्विज्ञान सेवा ग्रुप 'क' (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।



## ग्रुप 'ख' सेवाएं/पद

- (17) सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ख' (यांत्रिकी इंजीनियरी पद) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय ।

## वर्ग 3—वैद्युत इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) वैद्युत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (2) भारतीय भंडार सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (3) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (5) भारतीय नौसेना आयुध सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (6) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (7) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत) डाक तार भवन निर्माण (ग्रुप 'क') सेवा ।
- (8) सैनिक इंजीनियरी सेवा (आई० डी० एस० ई०) वैद्युत और यांत्रिक संवर्ग) (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (9) सहायक प्रबन्धक (कारखाना) दूर-संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन) ।
- (10) सहायक कार्यपालक इंजीनियर ग्रुप 'क' (वैद्युत इंजीनियरी पद) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय ।
- (11) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (12) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

## ग्रुप 'ख' सेवाएं/पद

- (13) सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ख' (वैद्युत इंजीनियरी पद), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय ।

## वर्ग 4—इलेक्ट्रानिकी और दूर-संचार

## इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) सिगनल इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा ।

- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (दूर-संचार इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।

- (3) भारतीय दूर-संचार सेवा ।

- (4) इंजीनियर वायरलेस आयोजन और समन्वय स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन ।

- (5) भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा ।

- (6) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।

- (7) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।

- (8) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा (दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।

- (9) भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रानिकी एवं दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।

- (10) सहायक प्रबन्धक (कारखाना) दूर-संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन) ।

- (11) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।

- (12) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।

- (13) सहायक कार्यपालक इंजीनियर ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय ।

## ग्रुप 'ख' सेवाएं/पद

- (14) सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ख' (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय ।

1. परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित नीति से ली जाएगी । परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग निश्चित करेगा ।

2. उम्मीदवार ऊपर दर्शाई गई सेवाओं/पदों की श्रेणियों के सम्बन्ध में किसी एक अथवा अधिक श्रेणियों के लिए प्रतियोगी हो सकता है । परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को विस्तृत आवेदन-पत्र में वरीयता के क्रम में यह स्पष्ट करना होगा कि वह किन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं । उम्मीदवार को उनकी इच्छानुसार एकाधिक जितनी भी वह चाहे वरीयता क्रम दर्शाने का परामर्श दिया जाता है जिससे कि योग्यता क्रम में उनके रैंक के अनुसार नियुक्ति करते समय उनकी वरीयता पर उचित ध्यान दिया जा सके ।



**विशेष ध्यान 1 :—**उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह अपने विस्तृत आवेदन-पत्र में उन सभी सेवाओं/पदों का वरीयता क्रम में उल्लेख करें जिन सेवाओं/पदों के लिए वह नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र है। यदि वह किसी सेवा/पद का वरीयता क्रम नहीं लिखता है अथवा आवेदन-पत्र में किन्हीं सेवाओं/पदों को सम्मिलित नहीं करता है तो यह मान लिया जायेगा कि उन सेवाओं/पदों के लिए उसकी कोई निश्चित वरीयता नहीं है और ऐसी स्थिति में सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवारों की वरीयताओं के अनुसार आबंटन करने के पश्चात् जिनमें रिक्तियाँ होंगी उसका किसी भी शेष सेवाओं/पदों पर अधिसूचना में दिए गए क्रम के आधार पर, आबंटन कर दिया जाएगा। इस प्रकार का आबंटन करते समय उन उम्मीदवारों का पहले ग्रुप "क" सेवाओं/पदों और बाद में ग्रुप "ख" सेवाओं/पदों के लिए विचार किया जाएगा।

**विशेष ध्यान 2 :—**किसी भी उम्मीदवार का अपने विस्तृत आवेदन-पत्र में पहले से निर्दिष्ट वरीयताओं को बढ़ाने/परिवर्तन करने के बारे में कोई अनुरोध आयोज द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

**विशेष ध्यान 3 :—**उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं/पदों के लिए अपनी वरीयता बताएं, जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए उन्होंने परीक्षा के लिखित भाग में अर्हता प्राप्त कर ली हो। जिन सेवाओं और पदों के लिए वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पदों से सम्बन्धित परीक्षा के लिखित भाग में उन्होंने अर्हता प्राप्त नहीं की है, उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

**विशेष ध्यान 4 :—**वे विभागीय उम्मीदवार जिन्हें आयु सीमा में छूट के अधीन [देखिए नियम 5 (ख)] परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी गई है अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त किए जाने के लिए भी अपनी वरीयता दे सकते हैं। तथापि पहले उन्हें उनके योग्यताक्रम के अनुसार उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न होने अथवा ऐ-उम्मीदवारों के उनके अपने ही विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही उनके द्वारा दी गई वरीयता के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के सम्बन्ध में विचार किया जाएगा।

**विशेष ध्यान 5 :—**नियम 6 के उपबन्ध के अन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की केवल उन्हीं वरीयताओं पर विचार किया जाएगा जो उक्त उपबन्ध में निर्दिष्ट पदों के लिए हैं और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयताओं, यदि कोई हों, पर विचार नहीं किया जाएगा।

**विशेष ध्यान 6 :—**उम्मीदवारों को विभिन्न सेवाओं/पदों का आबंटन योग्यता क्रम सूची में उनके स्थान, उनके द्वारा दी

गई वरीयता और पदों की संख्या के आधार पर ही किया जाएगा जो उम्मीदवारों के चिकित्सा की दृष्टि से स्वस्थ पाए जाने के अध्येक्षीय है।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोज द्वारा जारी किए गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों तथा अन्य पिछड़े श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

4. कोई उम्मीदवार या तो :—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थाई निवास के द्वावे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थाई निवास के द्वावे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीका देशों केन्या, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जाम्बिया, मलावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवृजन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता। प्रमाण-पत्र प्रदान कर दिया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 1997 को 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 28 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1969 से पहले और 1 अगस्त, 1976 के बाद न हुआ हो।

(ख) नियम-2 के नीचे दिए गए विशेष ध्यान (4) में निर्दिष्ट शर्तों के अध्याधीन रहते हुए निम्नलिखित वर्ग के सरकारी कर्मचारियों के लिए, यदि वे नीचे दिए गए कालम में निर्दिष्ट प्राधिकरणों के नियंत्रणाधीन किसी विभाग/कार्यालय में नियुक्त हैं और कालम-2 में निर्दिष्ट सभी अथवा किसी सेवा (सेवाओं)/पद (पदों) के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु



जिसके लिए वे अन्यथा पात्र हैं, आवेदन करते हैं—ऊपर आयु-सीमा 28 वर्ष के ग्यारह पर 33 वर्ष होगी।

- (1) वह उम्मीदवार जो मध्य विभाग/कार्यालय विशेष में मूल रूप में स्थायी पद पर है उक्त विभाग कार्यालय में स्थायी पद पर नियुक्ति परीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परीक्षा की अवधि के दौरान यह छूट नहीं मिलेगी।
- (2) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 1997 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थाई सेवा नियमित आधार पर कर चुका हो।

कालम-1	कालम-2
1	2
रेल विभाग	आई० आर० एस० ई० आई० आर० एस० एम० ई० आई० आर० एस० ई० आई० आर० एस० एस० आई० आई० आर० एस० एस०
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग	सी० ई० एस० ग्रुप 'क' सी० ई० एण्ड एम० ई० एस० ग्रुप 'क'।
मुख्य अभियंता सेना मुख्यालय	सैनिक इंजीनियरी सेवा, ग्रुप 'क' (आई० डी० एस० ई० डी० एवं आर० संवर्ग तथा निर्माण सर्वेक्षण संवर्ग) सैनिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' आई० डी० एस० ई०-ई० एवं एम० संवर्ग।)
आयुध कारखाना महानिदेशालय	आई० ओ० एफ० एस० ग्रुप 'क'
केन्द्रीय जल आयोग	सी० डब्ल्यू० ई० ग्रुप 'क' सेवा
केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण क्षेत्रीय आयोजन तथा समन्वय स्कन्द/अनुशासन संगठन	सी० पी० ई० ग्रुप 'क' सेवा इंजीनियर ग्रुप 'क'
सीमा सड़क संगठन आकाशवाणी/दूरदर्शन	सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' भारतीय प्रसारण (इंजीनियर्स) सेवा का कनिष्ठ वेतनमान

भारतीय नौ सेना  
संचार संचालय  
दूर संचार विभाग  
तथा डाक विभाग

भारतीय नौसेना आयुध सेवा।  
भारतीय दूर संचार सेवा, ग्रुप 'क' सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल/विद्युत) डाक व तार

भवन निर्माण ग्रुप 'क' सेवा सहायक प्रबन्धक (कारखाना) ग्रुप 'क', डाक एवं तार (दूर-संचार कारखाना संगठन)

विज्ञान तथा तकनीकी विभाग आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय

आई० एस० एस० (आई० आई० एस० ग्रुप 'क') ग्रुप 'क'

भारतीय भूसर्वेक्षण विभाग

यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क', बर्मा इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'

टिप्पणी :—प्रशिक्षुता की अवधि के बाद यदि रेलों में किसी कार्यभार पद पर नियुक्ति हो जाती है तो आयु में छूट को प्रयोजन के लिए प्रशिक्षुता की अवधि रेल सेवा मानी जाएगी।

(ग) इसके अलावा निम्नलिखित स्थितियों में भी ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
- (2) शत्रु देश के साथ संघर्ष में अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कामियों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष तक;
- (3) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के कामियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (4) त्रिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 अगस्त, 1997 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त ह



हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1997 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होता है, या (2) अल्पकालीन सेवा में हुई शारीरिक अपंगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं के मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

- (5) भूतपूर्व सैनिक (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) जो अ० जा० या अ० ज० जा० के हैं तथा जिन्होंने 1 अगस्त, 1997 को कम से कम 5 वर्ष तक सैनिक सेवा की हो और जो (1) कदाचार या अशक्तता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1997 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होता है, या (2) सैनिक सेवा में हुए शारीरिक अपंगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 10 वर्ष तक;

- (6) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1997 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जायेगा अधिकतम 5 वर्ष तक;

- (7) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा प्राप्त कमीशन अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1997 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जायेगा, अधिकतम 10 वर्ष तक।

- (8) अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों के मामले में, जो ऐसे उम्मीदवारों पर लागू होने वाले आरक्षण प्राप्त करने के पात्र हैं, अधिकतम 3 वर्ष तक।

टिप्पणी 1—भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथा संशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा तथा मदों में पूर्वरोजगार) नियम 1970, परिभाषित किया गया है।

टिप्पणी 2—ऐसे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नहीं हैं तथा जिन्होंने आयु सीमा में छूट लेने के पश्चात् सिविल माहड में कोई सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, वे नियम 5(ग) (2) से (8) के अधीन आयु सीमा में छूट के पात्र नहीं हैं।

यथापि, ऐसे भूतपूर्व सैनिकों को, जो केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत किसी सिविल पद पर पहले ही नियमित रोजगार प्राप्त कर चुके हैं, केन्द्र सरकार के अन्तर्गत किसी उच्च पद या सेवा में किसी अन्य रोजगार के लिए भूतपूर्व सैनिकों को यथास्वीकार्य आयु छूट के लाभ की अनुमति दी जाती है।

टिप्पणी 3—अन्य पिछड़े वर्गों से सम्बन्धित वे उम्मीदवार, जो उपर्युक्त नियम 5 (ग) के किन्हीं अन्य खंडों अर्थात् जो भूतपूर्व सैनिकों आदि के अन्तर्गत आते हैं, दोनों श्रेणियों के अन्तर्गत दी जाने वाली संचायी आयु सीमा-छूट प्राप्त करने के पात्र होंगे।

विशेष ध्यान—जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम (5) (ख) में उल्लिखित आयु सम्बन्धी रियायतें देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है, उसकी उम्मीदवारी उस स्थिति में रद्द कर दी जायेगी यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद वह परीक्षा देने में पहले या बाद में सेवा से त्याग-पत्र देता है या उसके विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छंटनी हो जाती है तो वह परीक्षा देने का पात्र बना रहेगा।

जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय में स्थानान्तरित हो जाता है वह उस सेवा/पद हेतु विभाग की आयु सम्बन्धी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता बशर्ते कि उसका आवेदन-पत्र उसके मूल विभाग द्वारा अश्रेयित कर दिया गया है।

उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जायेगी।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष



माने गये प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के सम्बन्धित प्राध्यापारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, शपथ-पत्र, नगर निगम तथा सेवा अभिलेख में प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण तथा अन्य ऐसे प्रमाण स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

अनुरोधों के इस भाग में आए हुए "मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र" वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

टिप्पणी 1—उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्रांस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर परीक्षा प्रमाण-पत्र में या समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न ही विचार किया जाएगा और न ही उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 2—उम्मीदवार यह भी साँट कर ले कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उक्त अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उपर्युक्त बाद में या किसी बाद की परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6 उम्मीदवार—

(क) के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य की गई किसी अन्य शिक्षा संस्थान से इंजीनियरी में डिग्री होनी चाहिए; अथवा

(ख) इंजीनियरों की संस्था (भारत) की परीक्षा का भाग क और ख उत्तीर्ण हो; अथवा

(ग) के पास किसी विदेशी विश्वविद्यालय/कालिज संस्था से इंजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए, जिस समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो; अथवा

(घ) इलैक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरी की संस्था (भारत) की प्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो; अथवा

(ङ) भारतीय वैमानिकी सोसायटी की एसोसिएट मेम्बरशिप परीक्षा भाग 2 और 3/खण्ड क और ख उत्तीर्ण हो; अथवा

(च) नाविक इंजीनियरों की संस्था (भारत) की एसोसिएट मेम्बरशिप परीक्षा (भाग क और ख) उत्तीर्ण हो; अथवा

(छ) नवम्बर, 1959 के बाद ली गई इलैक्ट्रॉनिक्स और रेडियो संचार इंजीनियरी की संस्था (लन्दन) की प्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

किन्तु बायरलैस आयोजन तथा समन्वय स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय में इंजीनियरी ग्रुप क, भारतीय प्रसारण (इंजीनियर्स) सेवा तथा भारतीय नौजना आयुद्ध सेवा (इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी पद) के पदों के लिए उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नलिखित योग्यता हो जैसे :—

बायरलैस संचार, इलैक्ट्रॉनिक्स, रेडियो भौतिकी या रेडियो इंजीनियरी के विशेष विषय के माथ एम० एससी० डिग्री या समकक्ष।

टिप्पणी 1—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिन उत्तरों पर लेने पर वह शिक्षक वृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐत उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र होंगे तो, परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति शर्तित मानी जाएगी और अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में उनका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। उक्त प्रमाण प्रस्तुत आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के निश्चित भाग के परिणाम के आधर पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेंगे, माथ प्रस्तुत करना होगा।

टिप्पणी 2—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐत किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिनके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई ग्रहणा न हो यद्यपि कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई



कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी: 3—जिस उम्मीदवार ने अस्थायी अर्हता प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उस आयोग के विवेक पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थाई या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशेषज्ञ रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनको या जो सार्वजनिक उद्यमों में सेवाएँ हों, उनके इस आशय का परिवर्तन (अपडेटिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोजता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से संबंधित अनुमति रोकने हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृति कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. उम्मीदवार के आवेदन पत्र और उसका पात्रता की स्वीकार करने या परीक्षा में प्रवेश आदि के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

परीक्षा में आवेदन करने वाले उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये पात्रता का सभी भाग पूरी करते हैं। परीक्षा के उस सभी स्तरों, जिनके लिए आयोग ने उन्हें प्रवेश दिया है अर्थात् लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण में उनको प्रवेश पूर्णतः अंतिम होगा तथा उनके निर्धारित पात्रता की शर्तों को पूरा करने पर अधीन रहेंगे। यदि लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण के पहले या बाद में संशोधन करने पर यह पता चलता है कि वे पात्रता की किन्हीं शर्तों का पूरा नहीं करते हैं तो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उनके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (मार्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

11. आयोग ने जिस उम्मीदवार को दोषी पाया अब बंधोपित किया है :—

- (1) किसी भी प्रकार में अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्यमाधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे दस्तावेज दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अमर आशय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुरुपयोग किया हो, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो, या
- (11) परीक्षा की अनुमति देन हुए उम्मीदवारों का भेजे गए प्रमाण-पत्र के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो, अथवा
- (12) उपयुक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यवस्थित करने का प्रयत्न किया हो।

हा उस पर प्रायोगिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, तथा/अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :—
  - (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा प्रथवा चयन के लिए,
  - (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी में
 वारित किया जा सकता है और



- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु जहाँ यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, अथवा
- (2) उम्मीदवारों द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग की विवक्षा पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

यदि आयोग का विचार है कि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति अथवा अन्य पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरणे के लिए सामान्य मानकों के आधार पर इन समुदायों में पर्याप्त संख्या में उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तब आयोग द्वारा मानकों में छूट देकर इन समुदायों के उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप में लिए गए कुल प्राप्तियों के आधार पर उनके योग्यताक्रम के अनुसार नामों की सूची बनाएगा और उस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उनमें ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यताक्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुशंसा की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

(2) किसी भी अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों अथवा अन्य पिछड़ी जातियों के उम्मीदवारों की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक आयोग द्वारा मानक में छूट देकर भर्तीकरण की जा सकती है बशर्ते कि ये उम्मीदवार सेवा में चयन हेतु उपयुक्त हों।

वशर्ते कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी जातियों के उम्मीदवारों जिनकी इस उप-नियम में संदर्भित रियायती मानकों का सहारा लिए बिना आयोग द्वारा मस्तुत की गई है, को अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए समायोजित नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किम रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनके परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्त व्यवस्थाओं का ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करने समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए परीक्षा क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

विभागीय उम्मीदवारों की योग्यता क्रम के अनुसार पहले उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा।

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन उम्मीदवारों के, उनके अपने विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में योग्य रहने की स्थिति में ही, उन्हें उनका द्वारा दी गई योग्यताओं के आधार पर अन्य सेवाओं/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के सम्बन्ध में विचार किया जाएगा।

16. परीक्षा में पाए गए जाने वाले सभी नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके उन बातों में मनुष्य हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पद्धति की दृष्टि में हम सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार न उपयुक्त ह।

17. उम्मीदवारों के सामाजिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उनमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य का कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरों परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति अधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, क्यास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह जान ल्या कि वह इन बातों का पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं उनकी डाक्टरों जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद आने वाले कार्यदिवस को की जाएगी (शनिवार और रविवार तथा छुट्टियों वाले दिन डाक्टरों जांच नहीं होगी)। इन प्रयोजनों के लिए सभी सफल उम्मीदवारों को प्रायः 9.00 बजे प्रतिदिन मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय, उत्तरी रेलवे बसस्टेशन नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार चरमा लगाते हों तो उन्हें हॉल के बाहर के सम्बर के साथ मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरों जांच को तारीख या स्थान में परिवर्तन का अनुरोध सामान्यतः स्वीकार नहीं किया जाएगा।



उम्मीदवार को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टरों की जांच से छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित शारीरिक परीक्षा से संबंधित विनियमों की ओर आकर्षित किया जाता है। इसमें विभिन्न सेवाओं के लिए शारीरिक स्वस्थता मापदण्ड अलग-अलग हैं। अतः उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि जिन सेवाओं के लिए वे प्रतियोगी हैं, जिन सेवाओं/पदों के लिए सं० लो० सं० आ० की वरीयता बतायी है उन सेवाओं के विशेष संवर्ग में इन मापदण्डों को ध्यान में रखें।

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि :—

- (1) उनकी 30 रुपये (तीस रुपये) की नकद राशि मेडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी;
- (2) डाक्टरों की जांच के सम्बन्ध में की गई यात्राओं के लिए उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और
- (3) उम्मीदवार की डाक्टरों की जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उन्हें रेल मन्त्रालय (रेल विभाग) द्वारा डाक्टरों की जांच सम्बन्धित अलग में कोई सूचना नहीं भेजी जाएगी।

निराशा न बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरों की परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को निम्नलिखित में पहले जिन डाक्टरों की परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट-2 में दिए गए हैं। संवर्ग के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों को प्रत्येक सेवा की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में से छूट दी जा सकती है।

18. जिस व्यक्ति ने—

- (क) ऐसा व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका जीवन पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जीवन पति/पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है,

तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसा व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में प्रवेश से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सहायक होगा जोकि उम्मीदवार को सेवा में प्रवेश के बाद उत्तीर्ण करनी है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

डी० पी० सिपाठी  
महिव, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट—1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग-1—लिखित परीक्षा के दो भाग होंगे। भाग 1 में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग 2 में परम्परागत प्रश्न-पत्र होंगे। दोनों भागों में संगत इंजीनियरी शिक्षा शाखाओं जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, विद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी की पूरी पाठ्यचर्या होगी। इन प्रश्न-पत्रों के लिए निर्धारित स्तर तथा पाठ्यचर्या परिशिष्ट की अनुसूची में दिये गए हैं। लिखित परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गए हैं।

भाग-2—लिखित परीक्षा के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी :—

श्रेणी-1—सिविल इंजीनियरी

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
<b>खण्ड 1—वस्तु परक प्रश्न-पत्र</b>			
सामान्य योग्यता परीक्षा (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	11	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	12	2 घंटे	200
<b>खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र</b>			
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	13	1 घंटा	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	14	1 घंटा	200
<b>योग</b>			<b>1000</b>



## श्रेणी-2—यांत्रिक इंजीनियरी

## श्रेणी 4—इलेक्ट्रॉनिकी और दूर संचार इंजीनियरी

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन) यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	01	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	21	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	22	2 घंटे	200
खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	23	3 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	24	2 घंटे	200
योग			1000

## श्रेणी-3—वैद्युत इंजीनियरी

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन) वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	01	2 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	41	2 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	42	2 घंटे	200
खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	43	3 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	44	3 घंटे	200
योग			1000

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र	01	2 घंटे	200
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन) इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	61	2 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	62	2 घंटे	200
खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-I	63	3 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-II	64	3 घंटे	200
योग			1000

3. व्यक्तिगत परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहल तथा मेधा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक उर्जास्वता प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाएं। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर में अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपनी विवक्षा से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. लिखाई खराब होने पर लिखित प्रश्न-पत्रों के पूर्णांक में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जाएंगे।

9. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात को श्रेय दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम शब्दों में क्रमबद्ध, प्रभाव पूर्ण ढंग की और सही हो।

10. प्रश्न-पत्रों में जहां आवश्यक होगा ताल और माप की मीटरी प्रणाली में सम्बन्धित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।



नोट :— जहाँ भी जल्दी मसला जाएगा उम्मीदवारों को परीक्षा भवन में संदर्भ देते भारतीय मानक संस्थान द्वारा संगठित तथा प्रकाशित मोटरी इकाईयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी।

11. उम्मीदवारों को परम्परागत (निबंध) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैटरी से चलने वाले पॉकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी में कैलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लायें।

12. उम्मीदवार को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों में अंतर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6, आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

#### परिशिष्ट 1 की अनुसूची

##### स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न-पत्र का स्तर बंसा ही होगा जैसा कि इंजीनियरी विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्रों के स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी छात्र स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा। किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

सामान्य योग्यता परीक्षण (कोड संख्या 01)

—भाग (क) सामान्य अंग्रेजी :—अंग्रेजी का प्रश्न-पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार को अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग की जांच हो सके।

भाग (ख) सामान्य अध्ययन :—सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में सामयिक घटनाओं और ऐसी बातों की, उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देने हुए, जानकारी सम्मिलित होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती है तथा जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है। प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किए बिना ही दे सके।

#### सिविल इंजीनियरी

(वस्तु परक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र।

वस्तु परक प्रकार के लिए प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 11 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 13।

#### 1. भवन-निर्माण सामग्री :

भारती लकड़ी : विभिन्न प्रकार की मरचानत्मक भारतीय लकड़ी, सघनता-नमी संबंध, विभिन्न दिशाओं में सामर्थ्य, दोष, अनुमेय प्रतिबल पर दोषों का प्रभाव, परिरक्षण, शुष्क एवं आर्द्र अपक्षय, डिजाइनों के लिए कोडीय प्रावधान प्लाइवुड।

इंटें : किस्में, भारतीय मानक वर्गीकरण, अवशोषण, संतृप्ति गुणक, चिनाई की सामर्थ्य, चिनाई सामर्थ्य पर मसाले की सामर्थ्य का प्रभाव।

सीमेंट : विभिन्न प्रकार के मिश्रण, अवस्थापन काल, सामर्थ्य।

सीमेंट मसाला : मसाले के अवयव, अनुपात, जल-मांग, पलस्तर तथा चिनाई का मसाला।

कंक्रीट : जल सीमेंट अनुपात का महत्व, सामर्थ्य, अधिमिश्रण सहित विभिन्न अवयव सुकार्यता, सामर्थ्य परीक्षण, प्रत्यास्थता, परीक्षण, मिश्र-अभिकल्पन विधि।

#### 2. ठोस यांत्रिकी :

प्रत्यास्थता नियतांक, प्रतिबल, द्विविम प्रतिबल, प्रतिबल का मोर वृत्त, विकृति, द्विविम विकृति, विकृति का मोर वृत्त, संयुक्त प्रतिबल, भंगता संबंधी प्रत्यास्थता सिद्धान्त, साधारण बंधन, अपरमण, तृतीय और आयताकार खंडों की ऐंठन तथा साधारण अवयव।

अनिवार्य ढांचों का विश्लेषण—ग्राफ़िय विधियों सहित विभिन्न विधियाँ। अनिवार्य ढांचागत फ्रेमों का विश्लेषण—आघूर्ण वितरण, ढाल विक्षेप, दुर्गम्यता तथा बल विधि, उर्जा विधियाँ, मर्सर-शेसलों सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग।

अनिवार्य धरनों (बीम्स) तथा साधारण फ्रेमों का पराप्रत्यास्थ विश्लेषण—आकृति गुणक।

#### 4. हस्तात के ढांचों का अभिकल्पन

कार्यशील प्रतिबल विधि के सिद्धान्त। संयोजनों का अभिकल्पन, साधारण अवयव, निर्मित खंड तथा ढांचे। औद्योगिक छतों का अभिकल्पन। चरम भार, अभिकल्पन के सिद्धान्त। साधारण अवयवों तथा ढांचों का अभिकल्पन।



## 5. कंक्रीट तथा बिनाई ढाँचों का अभिकल्पन :

रचना, व्यवस्थापन, अस्थायी संवीडन और संयुक्त बज के सीमांत प्रबंध, अभिकल्पन। स्तंभों, धरनों, दीवारों और नींवों के लिए कोडी; प्रावधान। प्रचलित मोमेंट अवयवों के अभिकल्पन की कार्यशील प्रतिबन्ध विधि।

पूर्व प्रतिबन्धित कंक्रीट अभिकल्पन के सिद्धान्त, सामग्री, पूर्व प्रतिबन्धित विधि, हानियाँ। साधारण अवयवों और निर्माण ढाँचों की अभिकल्पना। अनिवार्य ढाँचों के पूर्व प्रतिबन्धन का परिचय।

आई० एस० कोडों के अनुसार ईंट बिनाई का अभिकल्पन।

## 3. निर्माण पद्धति, आयोजना एवं प्रबंध

कंक्रीट उपस्कर :

भार वाले घान मापक, मिक्सर, वाइब्रेटर, घान संयंत्र, कंक्रीट पम्प, क्रेन, उच्चावक (ह्यूस्ट), उत्पादन (लिफ्टिंग) उपस्कर।

मृदा-कार्य उपस्कर :

विजली से चलने वाले बैलचे, पावड़े, डोज, डम्पर, ट्रैक्टर तथा ट्रैक्टर, रोम, गमि फुट रोमर्स, पम्प।

निर्माण, आयोजना तथा प्रबंध :

बार चार्ट, संयोजित बार चार्ट, कार्यभंग संरचनाएं शरादेख क्रियाशीलता। आंशिक पथ, प्राथिकता सक्रियता अवधि, घटना आधारित नेटवर्क, पी० ई० बार० टी० नेटवर्क, समकालागत अध्ययन, ड्रॉस (क्रैसिम) संसाधन नियतन।

## प्रश्न-पत्र 2

(वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं० 12 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० (14))

(क) तरल यांत्रिकी, मुक्तपृष्ठ बाह्यिका प्रवाह, नलिका प्रवाह :

तरल की विशेषताएं, दाब, प्रणोद, उत्पावकता नरल गतिकी : प्रवाह समीकरणों का समाकलन; प्रवाह मापन; सापेक्ष गति; संवेग का आघूर्ण; विस्कासिता; सीमांत परत तथा नियंत्रण, विकर्ष, उत्पावक; त्रिविम। विश्लेषण, निदर्शन, कोटरन; प्रवाह दोहन; मुक्तपृष्ठ बाह्यिका प्रवाह में संवेग तथा ऊर्जा सिद्धांत, प्रवाह नियंत्रण, जलीच्छाल, प्रवाह परिच्छेद और विशेषताएं; सासान्य प्रवाह, क्रमशः परिवर्ती प्रवाह; प्रोत्कर्ष; नलिका प्रवाह में प्रवाह विकास तथा हानियाँ मापन; साइफन, प्रोत्कर्ष तथा जलध्यान; शक्ति प्रवाह; नलिका नेटवर्क।

(ख) द्रवचलित मशीमें और जलशक्ति :

अपकेन्डी पंप, किस्में, निष्पादन प्रचल; अनुभापन, समांतर पंप, प्रत्यागामी पंप, वायु बांड, निष्पादन प्राचल, द्रवचलित रैम; द्रवचलित टरबाइन, किस्में, निष्पादन प्राचल, नियंत्रण, वयन विद्युत गृह, वर्गीकरण और अभिन्यास भण्डारण, जलसंचयन, आपूर्ति नियंत्रण।

2. (क) जल-विज्ञान :

जल विज्ञानी चक्र, अवशेष तथा सम्बन्धित आंकड़ों का विश्लेषण, पी० एम० पी०, एकक तथा सगिलपट जलालेख; वाष्पन और वाष्पोत्सर्जन; वाह्य एवं उनका प्रबंध, पी० एम० एफ०; धाराएं एवं उनका प्रभापन; नदी आकारिकी; वाह्य मार्गभ्रमण; जलशयों की क्षमता

(ख) जल संसाधन इंजीनियरी :

सार्वजनिक जल संसाधन : जल के बहुवैशेषीय उपयोग; मृदा-संयंत्र-जल सम्बन्ध, सिंचाई प्रणालियाँ, जल-भांग मूल्यांकन; भंडारण और उसके लाभ, भीमजल लाभ और कूप जल इंजीनियरी; जल कसन, जल निकास अभिकल्पन, सिंचाई राजस्व; दृढ़ किनारों वाली नहरों का अभिकल्पन, नहर अभिकल्पन के बारे में लेसी तथा कर्पण बल की अवधारणाएं, नहरों की लाहिंग; नहरों में तलछट परि-बन्ध; भाराश्रित बाधों के अनुत्पलावी तथा उत्पलावी परिच्छेद और उनका अभिकल्पन, ऊर्जा अवकौरक और पुच्छजल निर्धारण; मुख्य कमन्ति (हैडवर्क), वितरण कार्यों, प्रतापों, पागामी जल निकास निर्माण कार्यों, निर्गम मार्गों का अभिकल्पन, नदी नियंत्रण।

पर्यावरण इंजीनियरी

3(क) जल आपूर्ति इंजीनियरी :

आपूर्ति के स्रोत, प्राप्ति, अन्तर्ग्रहियों तथा चालकों का अभिकल्पन, मांग का आंकलन; जल गुणता मानक; जल से उत्पन्न होने वाले रोगों का नियंत्रण, प्रारंभिक तथा परवर्ती उपचार, उपचार एककों का विस्तरण और रखरखाव; उपचारित जल के परिवहन तथा वितरण की प्रणालियाँ, क्षरण तथा नियंत्रण; प्रायोगिक जल आपूर्ति; संस्थागत तथा औद्योगिक जल आपूर्ति।

(ख) अपशिष्ट जल इंजीनियरी :

नहरों में बरसात के पानी की निकासी; मल जल (सेषिज) के एकत्रीकरण और उसके निपटान की प्रणालियाँ; नीवों और मलक जल व्यवस्था प्रणाली का अभिकल्पन; पंपिंग; मलक जल की विशेषताएं और इसका उपचार; मलक जल उपचार से प्राप्त उत्पादों का निपटान; शांत प्रवाह पुनर्नवीकरण; मलक का संस्थागत और औद्योगिक प्रबंध; नलकारी-प्रणालियाँ; ग्रामीण एवं उपनगरीय सफाई व्यवस्था।



## (ग) ठोस अपशिष्ट पदार्थ प्रबन्ध :

स्रोत, वर्गीकरण, एकत्रीकरण और निपटान, कचरा स्थलों का अभिकल्पन और उनका प्रबन्ध ।

## (ख) परिवहन इंजीनियरी :

महामार्गों की आयोजना, संरक्षण तथा ज्यामितीय अभिकल्प, आड़े तथा तिरछे ब्रक, ग्रेड पृथकरण, विभिन्न पृष्ठों के लिए निर्माण सामग्री तथा निर्माण पद्धति और उनका रखरखाव, पेवमेंट डिजाइन के सिद्धान्त, जलनिकासी ।

यातायात सर्वेक्षण : चौराहे, सिगनल व्यवस्था, व्यापक पारगमन प्रणाली, अभिगम्यता, नेटवर्क तैयार करना, सुरंग बनाना, संरक्षण, निर्माण विधियाँ, गंदगी का निपटान, जलनिकास, प्रकाश व्यवस्था और संवातन, यातायात नियंत्रण, आपातकालीन प्रबन्ध ।

रेल प्रणाली का आयोजन, गेज, पटरी, नियंत्रणों, पारगमन, रोलिंग स्टॉक, कर्षण शक्ति तथा रेल मार्गों के आधुनिकीकरण में सम्बद्ध शब्दावली एवं अभिकल्प, रख-रखाव, अनुबद्ध कार्य, डिब्बों की व्यवस्था (कन्टेनराइजेशन) ।

बंदरगाह—अभिव्यास, नौपरिवहन मार्ग, लंगर डालना, स्थान निर्धारण, अपरदन और निक्षेपण सहित बेलांचली परिवहन, गहराईमापन विधि, षण्क एवं जल गोदी, विभिन्न अंग और प्रचालन; ज्वारीय आंकड़े एवं उनका विश्लेषण ।

विमान पतन—विस्थास एवं अभिविस्थास, हवाई पट्टी तथा टेक्सी पथ अभिकल्प एवं जलनिकासी व्यवस्था, मण्डलन नियम, दृष्टि सहायक उपकरण और हवाई याता-यात नियंत्रण, हैलीपैड, हेंगर, सेवा (सर्विस) उपस्कर ।

## (घ) वायु तथा ध्वनि प्रदूषण और परिस्थिति विज्ञान :

वायु प्रदूषण के स्रोत एवं प्रभाव, वायु प्रदूषण पर निगरानी रखना, ध्वनि प्रदूषण एवं मानक, पारिस्थितिक अखंडता और संरक्षण, पर्यावरण का मूल्यांकन ।

## 4. (क) मृदा यांत्रिकी :

मृदाओं की विशेषताएं, वर्गीकरण एवं अंतः सम्बन्ध, संहतन व्यवहार, संहतन की विधियाँ और उनका चयन, विशिष्ट चुंबकणीयता और रिमन, प्रवाह जाल, प्रतिलोमित निरसक (फिल्टर), संपीड्यता और संपीडन, अपरूपण प्रतिरोध, प्रतिबल और अंगन, प्रयोगशालाओं और स्वस्थानों पर मृदा परीक्षण, प्रतिबल पथ और अनुप्रयोग, मृदा दाब सिद्धान्त, मृदा में प्रतिबल वितरण, मृदा अन्वेषण, प्रतिवर्ध यंत्र, भार परीक्षण, अन्वेषण परीक्षण ।

## (ख) नींव इंजीनियरी :

नींव के प्रकार, चयन मानदंड, बहन क्षमता, निषेधन, प्रयोगशाला तथा क्षेत्र परीक्षण, स्थूणों के प्रकार, उनके

अभिकल्प मृदा और अभिविस्थास, प्रसरणशील मृदा पर नींव प्रसरण और इसकी भेकधाम, प्रसरणशील मृदा पर नींव बनाना ।

## 5 (क) सर्वेक्षण :

सर्वेक्षणों का वर्गीकरण, पैमाने, परिशुद्धता, दूरियों का मापन—प्रत्यक्ष एवं परोक्ष पद्धतियाँ, प्रकाशिक तथा इलेक्ट्रॉनिक युक्तियाँ, विनाशों का मापन, समपादवीय दिकसूचक, स्थानीय आकर्षण, थियोडोलाइट—किस्में, ऊँचाई का मापन,—माथनी (स्प्रिट) तथा त्रिकोणमितियाँ तन्वेषण, उभार निरूपण, समोच्च—रेखाएं, अंकीय उन्नतिरेषे निर्धारण संकल्पना, त्रिकोणन तथा चक्रमण द्वारा नियंत्रकों की स्थापना—त्रेक्षणों का मापन और समायोजन, निर्देशांकों का अभिकल्पन, क्षेत्र सम्बन्धी खगोल विज्ञान, सार्वभौमिक अवस्थानिक प्रणाली की संकल्पना, प्लेन टेबल और फोटोग्रामीट्री द्वारा तक्ष्म बनाना मानचित्र बनाना, दूरस्थ संवेदन संकल्पनाएं, तक्ष्मों के विकल्प ।

## यांत्रिक इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

## प्रश्न-पत्र

(वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं० 21 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 23)

1. ऊष्मागतिकी, चक्र और आई० सी० इंजन, मूल संकल्पना, संवृत और विकृत तंत्र (ऊष्मा और कार्य) शून्य कोटि, प्रथम तथा द्वितीय नियम, अपवाही तथा प्रवाही प्रक्रमों में अनुप्रयोग । एन्ट्रॉपी, उपलब्धता, अनुत्क्रमणीयता और ऊष्मागतिक सम्बन्ध । क्सेपिरान और वास्तविक गैस समीकरण । आदर्श गैसों और वाष्पों के गुणधर्म । मानक वाष्प, गैस शक्ति तथा प्रशीतन चक्र । त्रिपद संपीडन ।

सी० आई० और एस० आई० इंजन । पूर्व उबलन, अधिस्फोटन तथा डीजल अपस्फोटन, ईंधन अंतःक्षेपण और कार्बुरेशन, अधिभरण । टर्बो-प्रोप और राकेट इंजन, इंजन शीतन, उत्सर्जन तथा नियंत्रण, पलू गैस विश्लेषण कैलौरी मानों का मापन । पारम्परिक तथा नाभिकीय ईंधन, नाभिकीय विद्युत शक्ति उत्पादन के अवयव ।

2. ऊष्मा अन्तरण तथा प्रशीतन और वातानुकूलन । ऊष्मा अन्तरण की पद्धतियाँ । एकविमी अपरिवर्ती तथा परिवर्ती चालन, संयोजित पट्टिया (स्लैब) तथा तुल्य प्रतिरोध । विस्तारित पृष्ठों से ताप विगरण, ऊष्मा, विनिमयित्र, सर्वांग ऊष्मा अन्तरण गुणांक, स्तरीय तथा विक्षुब्ध प्रवाहों में तथा मुक्त और प्रणोदित संवहन हेतु ऊष्मा अन्तरण के लिए आनुभविक सहसम्बन्ध, अपट्टी प्लेट के ऊपर तापीय सीमांत



परत । विमर्णी तथा संवहनी दृश्यमान अन्तरण के मूल तत्व । कृष्णिका (ब्लैक बाडी) तथा विकिरण की मूल संकल्पनाएं । संवेद्यत मिश्रान्त, आकृति, गुणक, नेटवर्क विश्लेषण । ऊष्मा पम्प और प्रशीतन चक्र तंत्र, प्रशीतक । संचालित, वाष्पित तथा प्रसार युक्तियां, आर्द्रतामिति । चार्ट तथा वातानुकूल में अनुप्रयोग, संवेध ऊष्मन तथा शीतन, प्रभावी तापमान, सुखद सूचकांक, भार परिकलन, सौर प्रशीतन नियंत्रण, वाहिनी अभिकल्पन ।

### 3. तरल यांत्रिकी

तरलों के गुणधर्म और उनका वर्गीकरण दाबांतरमापन-मिति, निमज्जित पिण्डों पर बल, दाब का केन्द्र, उत्प्लावकता, प्लावित पिण्डों के स्थायित्व के घटक । शुद्धगतिकी और गतिकी । आधूर्णी तथा अर्धवीर्य अग्रमान प्रवाह, वेग विभव, निमज्जित पिण्डों पर दाब क्षेत्र तथा बल । बरतली समीकरण, पाइपों में से पूर्ण विकसित प्रवाह, दाब पात गणनाएं । प्रवाह दर तथा दाब पात मापन । सीमांत सिद्धांत के अवयव, समाकल उपागम, स्तरीय तथा विक्षुब्ध प्रवाह, पृथक्करण । वियर तथा खाचों से प्रवाह, विधूत वाहिका प्रवाह, जलोच्छाल । विमारहित संख्याएं, विमीय विश्लेषण, समरूपता तथा निदर्शी, एक विमीय समष्ट्यांसी प्रवाह, अभिलंब प्रवात तरंग, अभिसारी-अपसारी वाहिनियों में प्रवाह, तिर्यक प्रवात तरंग, रेले (Rayleigh) तथा फैनी (Fanno) रेखाएं ।

### 4. तरल मशीनरी तथा भाप जनित्र

निष्पादन, दबचालित पम्प का प्रचालन तथा नियंत्रण और आवेग एवं प्रतिक्रिया टरबाइन, विशिष्ट चाल, वर्गीकरण । ऊर्जा अंतरण, युग्मन, शक्ति संचरण । भाप जनित्र, अग्नि-नलिका तथा जल-नलिका बायलर । तुंडों तथा विसारकों में से भाप का प्रवाह, आर्द्रता एवं संघनन । भाप तथा गैस टरबाइनों के विभिन्न प्रकार, वेग आरेख । आंशिक प्रवेण । प्रत्यागामी, अर्धकेन्द्री तथा अक्षीय प्रवाह, संपीडक, बहुपद संपीडन, मैक संख्या की भूमिका, पुनःताप, पुनर्जनन, अधि-नियंत्रण ।

### यांत्रिक इंजीनियरी

#### प्रश्न-पत्र 2

(वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं० 22 और परम्परागत प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं० 24) ।

### 5. मशीनों का सिद्धांत

समतलीय यांत्रिकत्व का शुद्धगतिकी और गतिकी विश्लेषण केंम, गियर तथा गियर मालाएं । गतिपालक चक्र, अधिविनियंत्रक (नवर्नेग) । दृढ़ धूर्णकों का संतुलन तथा क्षेत्र संतुलन ।

एकल तथा बहुसिलिंडर इंजनों का संतुलन । यांत्रिक तंत्रों का रेखीय कंपन विश्लेषण, गैपों की क्रान्तिक गति और क्रान्तिक धूर्णी गति, स्वतः नियंत्रण ।

### 6. मशीन अभिकल्पन

जोड़ों का अभिकल्पन : काटर, कुवियां, स्नाइने, बेलिडत जोड़, चूड़ीदार बन्धक, व्यतिकरण अन्वायोजन द्वारा निर्मित संधि घर्षण चालन का अभिकल्पन : युग्मक तथा ग्राम (क्लच), पट्टा-चालन तथा ध्रुवला चालन, पावर स्क्रू । शक्ति संचरण तंत्र का अभिकल्पन : गियर तथा गियर-चालन, शीपट तथा धुरी, तार-रज्जु ।

वेयरिंग का अभिकल्पन : द्रवगतिक वेयरिंग तथा रोलिंग एलिमेंट वेयरिंग ।

### 7. द्रव्यों की सामर्थ्य

शे विमाओं में प्रतिबल और विकृति, मुख्य प्रतिबल और विकृति, मोहर निर्माण, रेखीय प्रत्यास्थ पदार्थ, समर्थायकता और विषम-दैशिकता, प्रतिबल-विकृति सम्बंध, एक अक्षीय सारण, तापीय प्रतिबल । धरन : वंका आधूर्ण और अपरूपण बल आरेख, वंका प्रतिबल और धरन विज्ञेय अपरूपण प्रतिबल वितरण । गैसों की ऐंठन, कुंडलिनी स्प्रिंग, संयुक्त प्रतिबल, मोटी व पतली दोवारों वाले दाब पात, संवोढांग और स्तंभ, विकृति ऊर्जा संकलना, विफलता सिद्धांत ।

### 8. इंजीनियरी पदार्थ :

लोह पदार्थों की संरचना की मूल संकल्पनाएं, क्रिस्टनाय पदार्थ, क्रिस्टलाय पदार्थ में दोष, मिश्रधातु और द्विचकी कला आरेख, सामान्य इंजीनियरी पदार्थों की संरचना और गुणधर्म, इस्पात का ऊष्मा उपचार, प्लास्टिक, मृत्तिका और संयोजित पदार्थ, विभिन्न पदार्थों के सामान्य अनुप्रयोग ।

### 9. उत्पादन इंजीनियरी :

धातु प्ररूपण : फोर्जन, कर्पण और बहिर्वेधन के मूल सिद्धांत; उच्च ऊर्जा दर प्ररूपण; चूर्ण धातुविज्ञान ।

धातु ढलाई : ठप्पा ढलाई, निवेश ढलाई, कोश गढ़ाई, उपकेंद्री ढलाई, गोटिंग एवं आरोही अभिकल्प; गलन भद्रिद्धता ।

सविरचन प्रक्रम : गैस, आर्क, परिरक्षित आर्क वेल्डन के सिद्धांत; अग्रिम वेल्डन प्रक्रम, वेल्डनीयता; वेल्डन का धातुकर्म ।

धातु कलन : खरादन, पेंच उत्पादन की विधियां, बरमाई, वेधन, मिलिंग, गियर विनिर्माण, सपाट सतहों का उत्पादन, पेवण और परिष्कृति प्रक्रम । कम्प्यूटर नियंत्रित विनिर्माण पद्धति-सी एन सी, डी एन सी, एफ एम एस, स्वचालन और



रोबोटिक्स । कर्तन औजार पदार्थ, औजार ज्यामिति, औजार निर्वर्णन क्रियाविधि, औजार आयु और मशीनन सुकरता; कर्तन बलों का मापन । मशीनन का आर्थिक विश्लेषण । अपरंपरागत मशीनन प्रक्रम, जिस और अन्व्यायुक्तियां अन्वयायोजन और सहिष्णुता, पृष्ठ गठन का मापन, तुलनित, मशीनी औजारों का संरक्षण परीक्षण और पुनर्नवीयन ।

#### 10. औद्योगिक इंजीनियरी :

उत्पादन योजना और नियंत्रण : पूर्वानुमान-गतिमान माध्य, श्रमघातांकी मसूणीकरण, संक्रिया अनुसूचन; समन्वायोजन रोखा संतुलन, उत्पाद विकास, संतुलन स्तर विश्लेषण, धारिता योजना, पर्ट और सी पी एम ।

नियंत्रण संक्रिया : माल सूची नियंत्रण-ए बी सी विश्लेषण, ई ओ क्यू निर्देश, पदार्थ आवश्यकता योजना, कृत्यक अभिकल्पना, कृत्यक मानक, कार्य मापन, गुणवत्ता प्रबंध-गुणवत्ता विश्लेषण और नियंत्रण ।

संक्रिया अनुसंधान : रेखीय प्रोग्रामन-ग्राफीय और सिम्प-लैक्स विधियां, परिवहन और समतुल्य-जननिर्देश, एकल सर्वर पंक्ति निर्देश ।

मूल्य इंजीनियरी : लागत/मूल्य के लिए मूल्य विश्लेषण ।

#### 11. अभिकल्पन के घटक :

अभिकल्पित (कंप्यूटर) संगठन, प्रवाह संचित्रण, सामान्य कंप्यूटर भाषाओं—फोर्ट्रान, डी-बेस III, लोटस 1-2-3, सी के अभिलक्षण और प्रारंभिक क्रमादेशन (प्रोग्रामन) ।

#### विद्युत इंजीनियरी

(वस्तुपरक और परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

##### प्रश्न-पत्र 1

(वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 41 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 43) ।

#### 1. विद्युत चुम्बकीय मिश्रित

विद्युत तथा चुम्बकीय क्षेत्र । गाउस नियम और एम्पियर नियम । परावैद्युत, चालक तथा चुम्बकीय पदार्थों में विद्युत क्षेत्र । मैक्सवेल समीकरण । समय परिवर्ती क्षेत्र, परावैद्युत तथा चालक माध्यम में समतल तरंग संचरण । संचरण लाइनें ।

#### 2. विद्युत पदार्थ :

ईड मिश्रता । चालक, सामि-चालक और विद्युतरोधक । प्रतिचालकता । विद्युत तथा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए

विद्युतरोधक । चुम्बकीय पदार्थ । लोह और लघु-लोह चुम्बकत्व । मृत्तिका, गुणधर्म और अनुप्रयोग । हॉल प्रभाव और इसके अनुप्रयोग । विशेष सामिचालक ।

#### 3. विद्युत परिपथ

परिपथ अवयव । किश्चोफ-नियम । बाधा और निरूपण विश्लेषण । जाल (नेटवर्क) मिश्रित और अनुप्रयोग । प्राकृतिक अनुक्रिया और वलकृत अनुक्रिया । यादृच्छिक निवेशों के लिए क्षणिक अनुक्रिया और स्थायी-दशा अनुक्रिया । ध्रुवों और शून्यों से संबंधित जाल के गुणधर्म । अंतरित फलन । अनुवाद-परिपथ । त्रिकला परिपथ । द्वि-द्वार जाल । द्वि-अवयव जाल संश्लेषण के अवयव ।

#### 4. मापन और मापयंत्रण

मात्रक और मानक । त्रुटि विश्लेषण । धारा, वोल्टता, विद्युत-शक्ति, विद्युत-गति गुणक और ऊर्जा मापन । मूलक माप यंत्र । प्रतिरीध, प्रेरकत्व, धारिता और आवृत्ति मापन । सेतु मापन । इलेक्ट्रॉनिक माप यंत्र । अंकीय वसेस्टमीटर और आवृत्ति गणित । पारांतरिख और ताप, दाब, प्रवाह-दर विस्थापन, त्वरण, रव-स्तर आदि असी गैर-विद्युत राशियों के माप में उनका अनुप्रयोग । आंकड़े प्राप्त करने की पद्धति । अनुसंध-अंकीय और अंकीय-अनुसंध स्थांतरित ।

#### 5. नियंत्रण तंत्र

भौतिक तंत्रों का गणितीय निदर्शन । खंड आरेख और संकेत प्रवाह आलेख और उनका समानयन । रेखीय गतिक तंत्र का समय प्रक्षेत्र और आवृत्ति प्रक्षेत्र विश्लेषण । पुनः निवेश तंत्रों के लिए विभिन्न किस्म के निवेश और स्थायित्व निकष के लिए त्रुटियां । राउध-हरविट्ज आब्यूह, नाइक्विस्ट आलेख और बॉडे आलेख का प्रयोग करने हुए स्थायित्व विश्लेषण । मूल विन्कुपय और निम्नो चार्ट तथा लघि और कला उपांत का आकलन । प्रतिकारक अभिकल्प की मूल संकल्पना । अवस्था परिवर्ती आब्यूह तथा तंत्र निदर्शन और अभिकल्प में उसका प्रयोग । प्रतिवधित दत्त तंत्र और त्रुटि सरणी में प्रतिदर्श के साथ ऐमे तंत्र का निष्पादन । प्रतिवधित दत्त तंत्र का स्थायित्व । अरेखीय नियंत्रण विश्लेषण के अवयव । नियंत्रण तंत्र घटक, विद्युत यांत्रिक, द्रवचालित, वायुचालित घटक ।

#### विद्युत इंजीनियरी

##### प्रश्न-पत्र 2

(वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 42 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 44) ।

#### 1. विद्युत यंत्र तथा विद्युत परिणामित (पावर ट्रांसफार्मर्स)

चुम्बकीय परिपथ—विद्युत परिणामितों का विश्लेषण तथा अभिकल्पन । निर्माण तथा परीक्षण । तृप परिपथ । हानियां



तथा दक्षता । नियंत्रण । स्वपरिणामित । द्विकला परिणामित समांतर धूर्णी यंत्रों की मूल संकल्पनाएं । विद्युत बाह्य बल (ई एम एफ) बल-आपूर्ति, यंत्रों की कुल किस्में । निर्माण तथा प्रचालन, क्षरण, हानियां तथा दक्षता ।

वि० धा० यंत्र । निर्माण । उत्तेजन की विधियां । परिपथ प्रतिरूप । आर्मेचर प्रतिक्रिया तथा दिक्परिवर्तन । अभिलक्षण तथा निष्पादन विश्लेषण । ऊर्जन तथा मोटरे । प्रवर्तन तथा चाल नियंत्रण । परीक्षण, हानियां तथा दक्षता । तुल्यकालिक यंत्र । निर्माण । परिपथ निदर्श । प्रचालन अभिलक्षण तथा निष्पादन विश्लेषण । तुल्यकालिक प्रतिघात । दक्षता । वोल्टता नियंत्रण । सम्मूत ध्रुव यंत्र । समांतर प्रचालन । चाल दोलन । लघु परिपथ श्रणिकाएं । प्रेरण यंत्र । निर्माण । प्रचालन के सिद्धांत धूर्णी क्षेत्र । अभिलक्षण तथा निष्पादन विश्लेषण । परिपथ निदर्श का निर्धारण । वृत्त आरेख । प्रवर्तन तथा चाल नियंत्रण । भिन्नात्मक कि० वा० मोटरे । एकल प्रावस्था तुल्यकालिक तथा प्रेरण मोटरे ।

### विद्युत तंत्र

विद्युत केन्द्रों की किस्में । ऊर्ज, तापीय तथा नाभिकीय विद्युत केन्द्र । पंपित संचयन यंत्र । आधिक और प्रचालन उत्पादन ।

विद्युत संचरण लाइने । निदर्शन तथा निष्पादन अभिलक्षण । वोल्टता नियंत्रण । भार प्रवाह अध्ययन । इष्टतम विद्युत तंत्र प्रचालन । भार आवृत्ति नियंत्रण । सममित लघु परिपथ विश्लेषण । जेड-वम सूत्रीकरण । सममित घटक । प्रति इकाई निरूपण । दोष विश्लेषण । विद्युत तंत्रों का क्षणिक तथा स्थायी दशा स्थायित्व ।

विद्युत तंत्र श्रणिकाएं । विद्युत तंत्र सुरक्षा परिपथ बियोजक । रिले । उच्च वोल्टता दिष्ट धारा (एच वी डी सी) संचरण ।

### 3. अन्तर्ग्रहण और अंकीय इलेक्ट्रॉनिक्स तथा परिपथ

सामि चालक युक्ति भौतिकी । पी एन संधि तथा ट्रांजिस्टर । परिपथ निदर्श तथा प्राचल । एफ ई टी, जेनर, टनल, शॉटकी, फोटो डायोड तथा उनके अनुप्रयोग । दिष्टकारी परिपथ, वोल्टता नियंत्रक तथा वोल्टता परिवर्धक । डायोड तथा ट्रांजिस्टरों का स्विचन आचरण । लघु सकेत प्रवर्धक । अभिनति परिपथ । आवृत्ति अनुक्रिया तथा उसमें सुधार । बहुपद प्रवर्धक तथा पुनः निवेशन प्रवर्धक । सक्रियात्मक प्रवर्धक वि० धा० प्रवर्धक । बोलिब्र श्रृंखला संकेत प्रवर्धक । युग्मन विधियां । दाव-कूपण प्रवर्धक । संधियात्मक प्रवर्धक, तरंग रूपण परिपथ । बहुकंपिस्त तथा मिलप-प्लेग और उनके अनुप्रयोग । अंकीय तर्कद्वार कुल । सार्वत्रिक द्वार-अंकगणनीय तथा तर्क संक्रिया के लिए संयुक्त परिपथ । अनुक्रमिक तर्क परिपथ । गणिता, पंजियां (रजिस्टर्स) यादृच्छिक

अभिनम स्मृति (आर० ए० एम०) तथा केवल पठन स्मृति (आर० ओ० एम०) ।

### 4. सूक्ष्म संसाधित (माइक्रोप्रोसेसर) :

सूक्ष्म संसाधित वास्तुकला—अनुदेश समुच्चय तथा एकल बोडोतरण भाषा क्रमादेशन । स्मृति के लिए अन्तरापृष्ठीकरण तथा आदेशसूचक संक्रिया । विद्युत तंत्र में सूक्ष्म संसाधित के अनुप्रयोग ।

### 5. संचार तंत्र :

मॉडुलन के प्रकार, ए० एम०, एफ० एम० तथा पी० एम० । विमॉडुलक । रज तथा वैड चौड़ाई का विवेचन । अंकीय संचार तंत्र । स्पंद कोड मॉडुलन तथा विमॉडुलन । ध्वनि तथा दृश्य प्रसारण के घटक । आवृत्ति विभाजन और काल विभाजन बहुसंकेतन । विद्युत इंजीनियरी में दूरमिति प्रणाली ।

### 6. विद्युत-शक्ति (पावर) इलेक्ट्रॉनिक्स :

विद्युत-शक्ति सामिचालक युक्तियां । थायिस्टोर । विद्युत-शक्ति ट्रांजिस्टर, जी० टी० ओ० तथा एम० ओ० एस० एफ० ई० टी० । अभिलक्षण तथा प्रचालन । प्रत्यावर्ती धारा (ए० सी०) से दिष्ट धारा (डी० सी०) परिवर्तक, एक कला और त्रिकला दिष्ट धारा (डी० सी०) से दिष्ट धारा (डी० सी०) परिवर्तक ।

प्रत्यावर्ती धारा प(ए० सी०) नियंत्रक । थायिस्टोर नियंत्रित प्रतिघातक । स्विच संपारित चाल ।

प्रतीक, एकत कला तथा त्रिकला । स्पंद चौड़ाई माडुलन । समान प्रतिचयन सहित ज्वावकीय माडुलन । स्विच विद्या विद्युत प्रदाय ।

### इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए)  
प्रश्न-पत्र ।

(वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 61  
और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 63)

### 1. पदार्थ एवं घटक

विद्युत इंजीनियरी पदार्थों की संरचना पर गुणधर्म, चालक सामिचालक और विद्युतरोधक, चुम्बकीय, लोड, विद्युत, दाव विद्युत, मुक्तिका, प्रकाशिक और अनिचालक पदार्थ । निष्क्रिय घटक और अभिलक्षण । प्रतिरोधक, संचारित्र और प्रेरक, फीराइड कपारिडज क्रिस्टल, मृत्तिका अनुनादक, विद्युतचुम्बकीय और विद्युत यांत्रिक घटक ।



2. भौतिक इलेक्ट्रॉनिकी, एलएफ़्टान युक्तियाँ और एकीकृत परिपथ (आई० सी०)

सामिचालकों में इलेक्ट्रान और होल, बाह्य सांख्यिकी, सामिचालक में धारा प्रवाह की क्रियाविधि, हाल प्रभाव, संधि (जंक्शन) सिद्धान्त, विभिन्न प्रकार के डायोड एवं उनके अभिलक्षण ट्रिग्युवी (वायोलर) संधि ट्रांजिस्टर, क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर, एम० सी० आर०, जी० टी० ओ० और पावर मांफेट जैसा पावर स्विचन युक्तियाँ, ट्रिग्युवी, मोस और सी-मोस किस्म के एकीकृत परिपथों का आधारभूत ज्ञान; प्रकाश-इलेक्ट्रॉनिकी का आधारभूत ज्ञान।

### 3. संकेत एवं तंत्र

संकेतों एवं तंत्रों का वर्गीकरण, अवकल एवं अन्तर् समीकरणों के आधार पर तंत्र निदर्शन, अवस्था पर निरूपण, फोर्गिंग श्रेणी, फोर्गिंग समांतर और तंत्र विश्लेषण में उनका अनुप्रयोग; लाप्लास रूपांतर और तंत्र विश्लेषण में उनका अनुप्रयोग, संचलन एवं अध्यारोपण समाकल और उनका अनुप्रयोग, Z-रूपांतर और विविक्त काल प्रणाली के विश्लेषण और अभिलक्षण में उनका अनुप्रयोग, यादृच्छिक संकेत तथा प्राथिकता, सहसंबंध फलन, स्वेकट्रमी घनत्व, यादृच्छिक नियंत्रणों के प्रति रैखिक तंत्र की अनुक्रिया।

### 4. जाल (नेटवर्क) सिद्धान्त

ज्ञान विश्लेषण तकनीक, विभिन्न जाल सिद्धान्त, क्षणिक, अनुक्रिया, स्थायी अवस्था उदात्तक्रीय अनुक्रिया, विभिन्न जाल आलेख और जाल विश्लेषण में उनका अनुप्रयोग। टेलीजेंट-सिद्धान्त। द्विद्वार जाल (Two Ports Network) : Z, y, h और संचरण प्राचल। द्विद्वारों का संयोजन सामान्य द्विद्वारों का विश्लेषण। विभिन्न जाल फलन : व जाल फलनों के भाग, दिए गए भाग में जाल फलन प्राप्त करना। संचरण त्रिकोण, प्रवर्ध और उत्तवन काल, एलमोस की और अन्य परिभाषाएँ, मोरानी प्रभाव। जाल संश्लेषण के अवयव।

### 5. विद्युत चुम्बकीय सिद्धान्त :

स्थिर वैद्युत तथा चुम्बकीय स्थिर क्षेत्रों का विश्लेषण : लाप्लास प्वायों की समीकरणों, सीमांत मूल्य समस्याएँ और उनका समाधान। मैक्सवेल-समीकरण : परिवर्द्ध तथा अपरिवर्द्ध माध्यम में तरंग संचरण के लिए अनुप्रयोग, संचरण लाइनें। मूल सिद्धान्त, अप्रगामी तरंगें, प्रतिरूपी अनुप्रयोग, सूक्ष्मपट्टी लाइनें। तरंग पथकों और अनुनादकों का मूलभूत ज्ञान, ऐन्टेना सिद्धान्त के अवयव।

### 6. इलेक्ट्रॉनिक मापन और मापयंत्रण

मूल मकलना, मानक और त्रुटि विश्लेषण, मूल वैद्युत राशियों और प्राचलों का मापन; इलेक्ट्रॉनिक माप यंत्र तथा उनकी कार्य प्रणाली के सिद्धान्त : अनुरूप और अंकीय; प्रयोग। ट्रांसड्यूसर्स : ताप, दाब, आद्रता आदि जैसी गैर-विद्युत राशियों का इलेक्ट्रॉनिक मापन; औद्योगिक उपयोग के लिए दूरमिति का मूलभूत ज्ञान।

#### प्रश्न-पत्र 2

(वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 62 और परस्परगत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 64)

### 1. अनुरूप इलेक्ट्रॉनिकी परिपथ

ट्रांजिस्टर अभिनतिकरण और स्थायीकरण। लघु संकेत विश्लेषण। शक्ति प्रवर्धक। आवृत्ति अनुक्रिया। विस्तृत बैंडकरण तकनीक। पुनर्भरण (फीडबैक) प्रवर्धक। सम-स्वर्तित प्रवर्धक। दोलित विप्टकारी और विद्युत प्रवाय। ओ० पी० एम्प, पी० एल० एल० (op Amp, PLL), अन्य रैखिक एकीकृत परिपथ और उनके अनुप्रयोग। स्पंद आकृति संशोधक परिपथ और तरंगरूप जनित।

### 2. अंकीय इलेक्ट्रॉनिक परिपथ

स्विचन अवयव के रूप में ट्रांजिस्टर, बूलीय बीजगणित, बूलीय फलनों का सरलीकरण। कारताफ प्रतिचित्र और अनुप्रयोग; विभिन्न एकीकृत परिपथ (आई० सी) तर्क द्वार और उनके अभिलक्षण; एकीकृत परिपथ तर्क परिवार : डी टी एल, टी टी एल, ई सी एल, एन मोस (N MOS) पी मोस (P MOS) और सी मोस (CMOS) द्वार और उनकी तुलना; संयुक्त तर्क परिपथ; अध्यायक, पूर्ण योजक; अंकीय तुलनित, बहुमंकनक (मल्टी प्लेक्सर), विबहुमंकनक (डिमल्टी प्लेक्सर), केवल पठन समृति (आर ओएम) और उनका अनुप्रयोग। विभिन्न फ्लिप फ्लॉप RS, J-K, D और T-फ्लिप फ्लॉप। विभिन्न प्रकार के गणित्र और पंजियाँ। तरंगरूप जनित। अनुरूप-अंकीय और अंक-अनुरूप परिवर्तक। सामिचालक स्मृतियाँ।

### 3. नियंत्रण तंत्र :

नियंत्रक तंत्रों की क्षणिक और स्थायी अवस्था अनुक्रिया; स्थायित्व और संवेदनशीलता पर पुनर्भरण का प्रभाव, मूल विनूपथ तकनीक, आवृत्ति अनुक्रिया विश्लेषण लघ्वि और प्रावस्था उपान की मकलनाएँ, अचर-एम और अचर-एन निकोल-चाट, अचर-एन निकोल चाट के क्षणिक अनुक्रिया का सन्निकटन; संवृत पाश आवृत्ति अनुक्रिया से क्षणिक अनुक्रिया का सन्निकटन। नियंत्रण तंत्रों का अभिकल्पन, प्रति-कारित औद्योगिक नियंत्रक।



## 4. संचार तंत्र :

आधारभूत सूचना मिश्रान्त; अनुसूच्य और अर्धसूच्य तंत्रों में माड्यूलन और समूचन प्रतिचयन और पुनर्निर्माण। क्वाक-टमीकरण और कूटलेखन, काल विभाजन और आवृत्ति विभाजन बहुसंकेतक, समकरण, मुक्तआकाश और तंतु प्रकाशनीय में प्रकाशिक संचार, उच्च आवृत्ति, अति उच्च आवृत्ति, परा उच्च आवृत्ति और सूक्ष्मतरंग आवृत्ति पर मकेतो का संचरण; उप यह संचार।

## 5. सूक्ष्मतरंग इंजीनियरी :

सूक्ष्मतरंग नलिकाएँ और ठोस अवस्था युक्तियाँ, सूक्ष्मतरंग जनन और प्रवर्धक, तरंग पथक और अन्य सूक्ष्मतरंग घटक और परिपथ, सूक्ष्मपट्टी परिपथ, सूक्ष्मतरंग ऐन्टेना, सूक्ष्मतरंग मापन, मेजर (Masers), लेजर, सूक्ष्मतरंग संचरण। पाथिव और डाग्रह आधारित सूक्ष्मतरंग संचार तंत्र।

## 6. कम्प्यूटर इंजीनियरी :

गणना पद्धति, आंकड़ा—निरूपण, क्रमादेशन, उच्च स्तर क्रमादेश भाषा पास्कल/सी (PASCAL/C) के अवयव आधारभूत आंकड़ा संरचनाओं का प्रयोग। कम्प्यूटर वास्तुकला के मूल अवयव। संसाधित अभिकल्पन; नियंत्रण एकक अभिकल्पन, स्मृति संगठन, निवेश/निर्गम तंत्र संगठन, सूक्ष्मसंसाधित (माइक्रोप्रोसेसर), सूक्ष्मसंसाधित (माइक्रोप्रोसेसर) 8085 और 8086 की वास्तुकला और अनुदेश समुच्चय, कोडांतरण भाषा क्रमादेशन; सूक्ष्मसंसाधित (माइक्रोप्रोसेसर) आधारित तंत्र अभिकल्पन; प्रतिस्पी उदाहरण। वैयक्तिक कम्प्यूटर और उनके प्रतिस्पी प्रयोग।

परिशिष्ट-2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम।

य विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाने ह ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) को मार्ग-निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पुरा नहीं करता है तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों के द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किंतु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए भारत सरकार को

यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इसमें सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2 किंतु यह बात भी सली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. प्रत्येक उम्मीदवार को उनके व्यक्तिगत परीक्षण के दूसरे दिन या इस तथ्य को ध्यान में न रखते हुए कि उन्होंने पहले ऐसी डाक्टरी जांच करवाई थी और पहली जांच के आधार पर उन्हें स्वस्थ अथवा अस्वस्थ पाया गया, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा यथा निर्णित तारीख और स्थान की सेंट्रल हॉस्पिटल, बसंत लेन, नई दिल्ली पर डाक्टरी जांच करवाई जाएगी। यदि कोई उम्मीदवार नियत तारीख को डाक्टरी जांच के लिए रिपोर्ट करने में असफल रहता है तो उसकी नियुक्ति के लिए विचार नहीं किया जाएगा और उसकी उम्मीदवारी रद्द समझी जाएगी। यदि कोई उम्मीदवार स्वास्थ्य परीक्षा के लिए दर्शायी गई तारीख पर उपस्थित नहीं होता है तो उसे तत्काल 15 दिनों के अन्दर रेलवे मंत्रालय को इसका कारण बताना चाहिए जिसमें कि अगली उपयुक्त तारीख को उसकी स्वास्थ्य परीक्षा की व्यवस्था की जा सके। उम्मीदवार के ऐसा न करने पर यह समझा जाएगा कि वह नियुक्ति के लिए इच्छुक नहीं है तथा उसे कोई सेवा पद नहीं दिया जाएगा।

3. (क) भारतीय (एंग्लो इण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवार की आयु, कद और छाती के घेर के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों के परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाए। यदि बजत, कद और छाती के घेरों में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एकसरे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।



(ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिए कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

सेवा का नाम	कद	छाती का घेरा (पूरा फुला कर)	फैलाव
रेल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजिन) यांत्रिक और सिगनल और के० लो० नि० वि० में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' तथा केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'	152 से० मी०	84 से० मी०	5 से० मी०
(क) पुरुष उम्मीद- वारों के लिए	150 से० मी०	79 से० मी०	5 से० मी०
(ख) महिला उम्मीदवारों के लिए	150 से० मी०	79 से० मी०	5 से० मी०

अनुसूचित जनजातियों और उन जातियों जैसे गोरखा, गढ़वाली, अमभिया, नागालैण्ड के आदिवासियों आदि जिनका आसत कद स्पष्टतः ही कम होता है, के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

(ग) सेना इंजीनियरी सेवाओं ग्रुप 'क' भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप 'क' के लिए छाती की नाप में कम से कम 5 से० मी० के फैलाव की गुंजाइश रखनी होगी।

4. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और मापदण्ड (स्टेण्डर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाए एड़ियों के पांशों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडलियां, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वरटेक्स आफ् द हेडलेवल) होरिजेन्टल बार (आखी छड़

के नीचे आए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

5. उम्मीदवार के छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों, फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा अमकनक (गैलडर ब्वंक) के निम्न-कोणों (इन्फ़ीरियर एंगल्स) के पीछे लगा रहें और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े गमनल (होरिजेन्टल प्लैन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें गरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएँ ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर मापघानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84—89, 86—93.5 आदि माप के रिकार्ड करने समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान दें :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापी जानी चाहिए।

6. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा। आधा किलोग्राम से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

7. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(1) सामान्य—किसी रोग या असामान्यता का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साय लगी संरचनाओं (कांटीगुअस स्ट्रक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकती हो तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि-तीक्ष्णता (भिजुअल एक्ज्यूटीव)—दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चक्षु के बिना आंख की नजर (नैकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी किन्तु



प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इसमें आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की मजदूरी की मानक निम्नलिखित होगा :—

सेवाएं	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छा आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
1	2	3	4	5
<b>क. तकनीकी</b>				
1. रेल इंजीनियरी सेवाएं (सिविल) विद्युत यांत्रिकी और (सिगनल)	6/6	6/12	जे/1	जे/II
		अथवा		
	6/9	6/9		
2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' केन्द्रीय विद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' केन्द्रीय जल इंजीनियरी	6/6	6/12	जे/1	जे/II
		अथवा		
सेवा ग्रुप 'क' केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी	6/9	6/9		
सेवा ग्रुप 'क' केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप 'क' तथा तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत) डाक एवं तार भवन निर्माण (ग्रुप 'क') सेवा, आई० डब्ल्यू० पी० एण्ड सी० स्कन्ध अनुश्रवण संगठन संचार मंत्रालय में इंजीनियरी का पद (भारतीय प्रसार इंजीनियर) सेवा भारतीय तीसरा आयुध				

1	2	3	4	5
मेवा में भारतीय आयुधशाला सेवा ग्रुप 'क' सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'				
3. सेना इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' सहायक कार्यपालक इंजीनियर ग्रुप 'क' तथा सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ख' सहायक प्रबंधक (कारखाना) ग्रुप 'क' डाक तार दूरसंचार कारखाना संगठन (गैर तकनीकी)	6/6	6/18	जे/1	जे/II
		अथवा		
	6/5	6/9		
4. भारतीय रेल भंडार सेवा तथा भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिकी इंजीनियरी (कनिष्ठ) ग्रुप 'क' वर्मा इंजीनियरी (कनिष्ठ) ग्रुप 'क' भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क'।	6/9	1/2	जे/1	जे/II

#### टिप्पणी (1)

(क) उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के सम्बन्ध में मायोपिया (सिलेंडर सहित) का कुल परिणाम 4.0 डी० से अधिक नहीं होगा। हाइपरमेट्रोपिया (सिलेंडर सहित) का कुल परिणाम 4.00 डी० से अधिक नहीं होगा। किन्तु शर्त यह है कि "तकनीकी" रेल मंत्रालय (रेल विभाग के अधीन सेवाओं के अलावा) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार यदि हाई मायोपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन नैत्र विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि यह मायोपिया रोगात्मक है या कि नहीं। यदि यह रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह अन्यथा दृष्टि सम्बन्धी अपेक्षाएं पूरी कर दे।

मायोपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में जांच करनी चाहिए और उसके नतीजे का रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार को रोगात्मक अवस्था ही जिसके बहने और उससे



उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर असर पड़ने की संभावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

#### टिप्पणी (2)

भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप 'क' के अलावा उपयुक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के सम्बन्ध में वर्णदर्शन की जांच अनिवार्य होगी।

जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है वर्ण—प्रवर्गम उच्चतर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिए जो सैटर्न में ध्वारा (एचर्नर) के आकार पर निर्भर हो :-

ग्रेड	वर्ग प्रवर्गम का उच्चतर ग्रेड	वर्ग प्रवर्गम का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार 'के' बीच की दूरी	16'	16'
2. डाक (एचर्नर) का आकार	1.3 मि० मीटर	13 मि० मीटर
3. दिखाने का समय	5 सेकेंड	5 सेकेंड

रेल इंजीनियरिंग सेवा (सिविल, वैद्युत, सिग्नल और यांत्रिक) और रेल सुरक्षा संबंधित अन्य सेवाओं के लिए ऊंचे ग्रेड के वर्ग दर्शन की जरूरत है किन्तु अन्यथा नीचे ग्रेड के वर्णदर्शन को पर्याप्त माना जाना चाहिए :-

सेवाओं/पदों के वर्ग जिनके लिए उच्च या निम्न ग्रेड का वर्णदर्शन अपेक्षित है, नीचे दिए जा रहे हैं :-

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए उच्चतर ग्रेड का वर्णदर्शन अपेक्षित है :-

- (1) रेल इंजीनियरी सेवा।
- (2) सैन्य इंजीनियरी सेवा (आई० बी० एस० ई० तथा सर्वेक्षण संवर्ग)।
- (3) भारतीय सर्वेक्षण ग्रुप 'क' सेवा।
- (4) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)।
- (5) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा।
- (6) सहायक कारखाना प्रबन्धक (कारखाना) डाक तार दूर संचार कारखाना संगठन।
- (7) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' तथा 'ख'।
- (8) सहायक कार्यपालक इंजीनियर ग्रुप 'क' तथा सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ख'।
- (9) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क'।

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए निम्नतर ग्रुप का वर्ण दर्शन अपेक्षित है :-

- (1) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा।

- (2) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा।

- (3) भारतीय नौसेना आयुध सेवा का ग्रेड।

- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा।

- (5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा।

- (6) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत) ग्रुप 'क' डाक 'व' तार भवन निर्माण (ग्रुप 'क') सेवा।

- (7) भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा का कमिन्ट वेतनमान।

- (8) इंजीनियर ग्रुप 'क' वेतन आयोजन और सम्बन्ध स्तम्भ अनुश्रवण संगठन।

लाल, हरे और सफेद रंग के संकेत को आसानी से और हिच-किचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक वर्ण दर्शन है।

वर्ण दर्शन की परीक्षा के लिए इश्वारा की प्लेटों तथा एडरिज की सैटर्न—दोनों का प्रयोग किया जाएगा।

टिप्पणी (3)—दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)—सभी सेवाओं के लिए सम्मुख विधि द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का सतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिभाषी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)—रतींधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतींधी की जांच नेमा के रूप में जरूरी नहीं है। रतींधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैन्डर्ड निश्चित नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अन्दर कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विश्वास किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)—केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा हेतु उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझे जाने पर वर्ण दर्शन और रतींधी संबंधी परीक्षण पास करना होगा। भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क' के लिए उम्मीदवारों को 'त्रिविम संगणन' परीक्षण पास करना होगा।

टिप्पणी (6)—दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख को दर्शाए (आयुलर कण्डीशन)।

(क) आंख की अंग सम्बंधी बीमारी की बढ़ती हुई अपवर्तन दृष्टि (रिफ्रेक्टिव एरर) का, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की सम्भावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) भ्रंशपन—ऊपर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं हेतु जहां दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है, भ्रंशपन



अयोग्यता माना जाएगा चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो। यदि दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के अनुसार हो तो अन्य क्षेत्रों हेतु अंगापन अयोग्यता माना जाएगा।

(ग) यदि कोई एक आँख वाला व्यक्ति है या उसकी एक आँख की दृष्टि सामान्य है तथा दूसरी आँख की दृष्टि कमजोर है तथा उसकी दृष्टि असामान्य है तो इसका सङ्घ प्रभाव वह होता है कि गहनता अवगम के लिए उनके पास त्रिभिन्न दृष्टि की कमी है। कई सिविल पेशों के लिए ऐसी दृष्टि जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की स्वस्थ होने की अनुशंसा कर सकता है, बशर्ते कि उसकी सामान्य आँख :—

- (1) को चश्मा लगाकर या चश्मे के बिना दूर दृष्टि 6×6 और निकट दृष्टि जे/1 जो बशर्ते कि किसी मेरिडियन में दूर दृष्टि सम्बन्धी दोष 4 डायोप्टर से अधिक हो।
- (2) का दृष्टि-क्षेत्र पूर्ण हो।
- (3) आवश्यकतानुसार सामान्य वर्ण दर्शन।

किन्तु बोर्ड संतुष्ट हो कि उम्मीदवार संदर्भगत कार्य विभाग सम्बन्धित सभी कार्रवाई कर सकता है।

“तमनीकी” के रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिए दृष्टि की तीक्ष्णता का शिथिल किया हुआ उचित मानक लागू नहीं होगा।

टिप्पणी (7)—कान्टैक्ट लेंस—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टैक्ट लेंस प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

टिप्पणी (8)—यह आवश्यक है कि आँखों का परीक्षण करते समय दूर दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्ति 25 फुट फेण्डल की प्रदीप्ति जैसी हो।

टिप्पणी (9)—परकार किसी भी उम्मीदवार के पक्ष में विशेष कारण किसी भी जर्न में छूट दे सकती है।

## 8. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपनी विज्ञता से काम लेगा। नार्मल मेडजीमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है :—

- (1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+मायु होता है।
- (2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+मायु आयु का सामान्य विमिश्रित मिलकूल संतोषजनक पड़ता है।

विशेष ध्यान : सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम० एम० से ऊपर।

डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को आयोग या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि घबराहट (क्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे भी मामलों में हृदय का एक्सरे और श्लेकटाकाडियाग्राफी जांच और रक्त यूरिया विकास ((क्लियरेंस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने पर या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

## ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारे वाले दाबमापी ((मरकरी मैनोमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म का व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी-बहुत हारिजेन्टल स्थिति में रोगी के पाशर्ब पर हो तथा उसके कन्धे तक कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ की भुजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को ना निकले।

कोहनी के मोड़ पर बांह धमनी (ब्रकिप्रल आर्टरी) को दबाववा कर बूझा जाता है तब उसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथेस्कॉप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी जाती है। और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा में निकाली जाती है हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम ठिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की बनी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाएं तो वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए लाभ कारक होता है और इससे रीडिंग गलत होती है यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस “साइलेन्ट गैस” रीडिंग में गवती हो सकती है।



9. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के शीतक चिह्न और लक्षणों को भी विशेष रूप में नोट करेगा। यदि उम्मीदवार के ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मधुमेही (नानडायबेटिक) नहीं है और बोर्ड इस केस की मेडिकल के किसी ऐसे विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज देगा। जिस पर मेडिकल बोर्ड की 'फिट' 'अनफिट' की प्रतिम राय आधारित होगी। दूसरे अक्सर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के मामले स्वयं उपस्थित होना जरूरी होगा, अपेक्षा के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

10. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसकी अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा ना हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

11. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण किया जाना चाहिए :-

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि गुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। यह उपबंध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, भारतीय दूरसंचार सेवा ग्रुप 'क', केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी की सेवा ग्रुप 'क' और सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्गदर्शन जानकारी दी जाती है :-

(1) एक कान में प्रकट यदि हायर फ्रीक्वेंसी में बहरापन अथवा पूर्ण बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो गैर दूसरा कान सामान्य तकनीकी का योंके लिए योग्य होगा।

(2) दोनों कानों में बहरापन यदि 1000 से 4000 तक की का प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रोत्र क्रीकेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी एड द्वारा कुछ सुधार तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।

(3) सेंट्रल अथवा माजिनल टाइप के टिमपेनिक मैम्बरेन का छिद्र (1) एक कान सामान्य, दूसरे कान में टिमपेनिक मैम्बरेन का छिद्र हो तो अस्थायी प्रकार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा स्थिति सुधारने पर दोनों कानों में माजिनल या श्रव्य छिद्रवाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप में अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम (ii) के अर्थात् विचार किया जा सकता है।

(2) दोनों कानों से माजिनल या एटिक वेधन होने पर अयोग्य।

(3) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप अयोग्य।

(4) कान के एक ओर (दोनों ओर) से मस्टायड केविटी से सब नार्मल श्रवण (1) किसी एक कान से सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सबनार्मल श्रवण वाले कान से मस्टायड केविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिए योग्य।

(2) दोनों ओर से मस्टायड केविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य। किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।

(5) बहते रहने वाला कान आपरेशन किया गया, बिना आपरेशन वाला।

तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी ग्रुप से अयोग्य।



- (6) नासा पट्ट की हड्डी संबंधी बिपमताओं (बोनी डिफॉर्मिटी) सहित अथवा इससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एलजिक दशा।
- (1) प्रत्येक मामले के परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।
- (2) मक्षणों सहित नासा पट्ट विचल विद्यमान होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (7) टोंसिल और या कण्ठ की जीर्ण प्रदाहक दशाएं।
- (1) टोंसिल और या कण्ठ की जीर्ण प्रदाहक दशा—योग्य।
- (2) यदि आवाज में अत्याधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (8) कान, नाक, गले (ई०एन०टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर मैलिगनेंट ट्यूमर।
- (1) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (2) मैलिगनेंट ट्यूमर—अयोग्य।
- (9) आटोमैकिलेगैमिस
- (1) आटोमैकिलेगैमिस आप-रेगन के बाद या श्रवण शक्ति महायन्त्र में अथवा 30 डेसीबल के अन्दर होने पर अयोग्य।
- (10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष।
- (1) यदि काम-काज में बाधक न हों—योग्य।
- (2) यदि भारी मात्रा में हकलाहट हो—अयोग्य।
- (11) नेसलपोली
- अस्थायी रूप में अयोग्य।

(ख) वह बिना हकलाहट बोल लेता/लेती है।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।

उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती का फूलाव पर्याप्त है तथा उसका दिल व फेफड़े ठीक हैं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रपचर नहीं है।

(छ) उसे हाईड्रोसिन, स्कीत गिरा या बवासीर तो नहीं है।

(ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है और उसकी ग्रन्थियां भली-भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं।

(झ) उसको कोई चिरस्थायी रक्बा की बीमारी नहीं है।

(झ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष नहीं है।

(ट) उसके किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान नहीं हैं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) उसके शरीर पर टीके के निशान हैं।

(ड) कोई संचारी (कम्प्यूनिकेबल) रोग नहीं है।

12. दिल और फेफड़ों की किसी अपसामान्यता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा में ज्ञात न हो सभी मामले में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षण की जानी चाहिए।

उम्मीदवार के स्वास्थ्य के बारे में संदेह की स्थिति में मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष सरकारी नौकरी करने के लिए उम्मीदवार के योग्य स्वास्थ्यता या अयोग्यता का निर्णय करने के लिए अस्पताल के किसी उपयुक्त विशेषज्ञ की सलाह ले सकते हैं जैसे यदि संदेह हो कि उम्मीदवार किसी मानसिक रोग या विकार से पीड़ित है, तब बोर्ड के अध्यक्ष किसी अस्पताल के मनोविकार विज्ञानी/मनो-विज्ञानी आदि की सलाह ले सकते हैं।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय देनी चाहिए कि उम्मीदवार द्वारा इयूटी के अनेक्षण दस्तावेज़िक निष्पादन में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

13. उन उम्मीदवारों को जो मेडिकल बोर्ड के किसी निर्णय के खिलाफ अपील करना चाहते हैं तो उन्हें भारत सरकार, रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा निर्धारित रीति में 50 रुपये का अपील शुल्क जमा करना होगा। यह शुल्क उन उम्मीदवारों को वापस कर दिया जाएगा जिन्हें अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित किया जाएगा। जबकि अन्य मामलों में यह शुल्क जप्त कर लिया जाएगा। उम्मीदवार को अपनी अपील के साथ किसी रजिस्टर्ड डॉक्टर का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र जिसमें विशेष तौर पर यह उल्लेख करना चाहिए कि उम्मीदवार को चिकित्सा बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित किए जाने की उम्मीद न हो प्रस्तुत करना होगा। जब उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड के सामने उपस्थित हो तो उसके पास इस प्रमाण-पत्र की प्रति अवश्य होनी चाहिए। उम्मीदवार को पहले मेडिकल बोर्ड के निर्णय की सूचना प्राप्त होने के 21 दिन के भीतर अपनी अपील प्रस्तुत कर देनी चाहिए अन्यथा अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए किए गए अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। चिकित्सा परीक्षा के लिए अपीलीय मेडिकल बोर्ड की व्यवस्था उम्मीदवार के खर्च पर ही की जाएगी। अपीलीय मेडिकल बोर्ड के द्वारा की जाने वाली चिकित्सा परीक्षा के संबंध में किसी प्रकार का याता भत्ता नहीं दिया जाएगा। रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए आवश्यक कार्यवाही तभी की जाएगी जब निर्धारित शुल्क के साथ निश्चित समय के भीतर सभी अपीलें प्राप्त होंगी।



14. अपीलीय चिकित्सा बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा और इसके विरुद्ध कोई अपील नहीं की जाएगी।

#### मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस के लिए आनाए जाने वाले स्टैण्डर्ड से संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा यदि कोई हो के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्यता प्राप्त नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथार्थतः सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइन्टिंग अधिकारी) को यह तसल्ली नहीं हो जाती कि उसे ऐसी कोई बीमारी, रचना संबंधी दोष या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इन्फर्मिटी) नहीं है जिसमें वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो गया हो उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि स्वस्थता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान में है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर भी समय पूर्व पेनशन या अवायगियों को रोकना है। साथ ही यह नोट कर लिया जाए कि यह प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थिति में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक माना गया है।

महिला उम्मीदवार को परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर के मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखा जाएगा।

ऐसे मेडिकल में जब कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे-तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बनाए जा सकते हैं किन्तु मेडिकल बोर्ड में जो खराबी बनाई हो उसका विस्तृत व्याख्या नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामले में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने में छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। निर्युक्त प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जबकि यह खराबी दूर हो जाए तो सम्बद्ध प्राधिकारी एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कह सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दूसरा परीक्षा की अवधि साधारणतया छः महीने में कम

नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर, नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

पुनः चिकित्सा परीक्षा को प्रथम चिकित्सा परीक्षा का भाग माना जाएगा और उम्मीदवार यदि चाहें तो ऐसे निर्णय के विरुद्ध अपील कर सकते हैं।

#### (क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा में पूर्व उम्मीदवार का निम्नलिखित अपेक्षित विवरण देना चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन पर) हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया जाना है :—

#### 1. अपना पूरा नाम लिखें।

(साफ अक्षरों में)

#### 2. अपनी आयु और जन्म स्थान लिखें।

#### 2. (क) क्या आप ऐसी जाति से गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड आदिवासी आदि में से किसी से संबंधित हैं :—

जिनका आपका कद स्पष्टतः दूसरों से कम होता है? 'हां' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए।

उत्तर 'हां' में तो उस जाति का नाम बताइए।

#### 3. (क) क्या आपको कभी चेचक, मक-मक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखारग्रथिया (स्केण्डस) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना दमा बिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दोरे रिह्यूमेटिज्म, एंजिनाइटिस हुआ है?

#### (ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्बलता जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो।

#### 4. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधोरता (नर्वसनेस) हुई?





1. सामान्य विकास : अच्छा साधारण कम पोषण : पतला श्रीसत मोटा



कद (जूते उतार कर) वजन

अत्युत्तम वजन

वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन

नापमान

छाती का घेरा

(1) पूरा सांस खींचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

2. त्वचा कोई प्रत्यक्ष बीमारी

3. नेत्र

(1) कोई बीमारी

(2) रन्धी

(3) वर्ण दर्शन संबंधी दोष

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्विटी)

(6) फण्डस की जांच

चشمों की प्रबलता

दृष्टि तीक्ष्णता

चश्मे के बिना, चश्मे के साथ सहजी० चश्मे के बिना चश्मे के साथ सिधि  
एस० पी० एस० सी० सीस

दूर की नजर

दा० ने०  
बा० ने०

पास की नजर

दा० ने०  
बा० ने०

हाईपरमेट्रोपिया

दा० ने०  
बा० ने०

4. कान निरीक्षण सुनना  
दायाँ कान बायाँ कान

5. ग्रन्थियाँ थायरॉइड

6. दाँतों की हालत

7. श्वसन तंत्र (रेमपिरेटरी सिस्टम) :—क्या शारीरिक परीक्षण करने पर मांस के अंगों में किसी असामान्यता का पता चलता है।

यदि हाँ तो उसका पूरा व्योरा दें।

8. परिमंखण तंत्र (सर्कुलरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक विकृत (आर्गेनिक लीजन) (व्रेग) (रेट)

खड़े होने पर

25 बार फुड़कने के बाद

फुड़कने के 2 मिनट बाद

(ख) ज्वड़ प्रेशर सिस्टोलिक  
डायस्टोलिक

9. उदर (पेट) : घेरा स्पर्शस ह्यता  
(टेण्डरनेस)

हिनिया

(क) स्पर्शयुक्त  
तिस्ली

गुर्दा

ट्यूमर्स

(ख) रक्तार्ण  
भगन्दर

10. तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) : तंत्रिका या मानसिक अशक्तता का संकेत।

11. चलन तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) : कोई असामान्यता

12. जनन मूल तंत्र (जेनिटो यूरीनरी सिस्टम) : हाइड्रो-सील, बर्रिकासील आदि का कोई संकेत। मूत्र विश्लेषण।

(क) कैसा दिखार्ह पडता है ?

(ख) बिभिष्ट घनत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)

(ग) ऐल्ब्यूमेन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट

(च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एकसरे परीक्षा की रिपोर्ट।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह उस सेवा में सम्मिलित जिम्का वह उम्मीदवार है, ड्यूटी को वक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट : यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो उसे विनियम 9 के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।



15. निम्नलिखित 7 श्रेणियों में से उम्मीदवार का किस सेवा के लिए परीक्षण किया गया है तथा अपने कर्तव्यों को बिना बाधा के भली-भांती निभाने के लिए उन्हें किस सेवा के लिए पूरी तरह से सशम पाया गया है तथा उनमें से किन सेवाओं के लिए सक्षम नहीं पाया गया है :—

(1) रेल इंजीनियरी सेवा ग्रेड “क” (मिथिल, वैद्युत, यांत्रिक तथा सिगनल) सी० ई० एस० ग्रेड “क”, सी० ई० एच० एम० ई० एस० ग्रेड “क” ।

(2) आई० आई० एम० ग्रेड “क”, सी० डब्ल्यू० ई० एस० ग्रेड “क”, सी० पी० ई० एस० ग्रेड “क” सी० ई० एन० ग्रेड “क” ।

सहायक कार्यकारी इंजीनियर तथा सहायक इंजीनियर, (पी० एंड टी० बोर्ड) मिथिल इंजीनियरी स्कन्ध इंजीनियर के पद पर ग्रेड “क” (डब्ल्यू० पी० तथा सी० स्कन्ध मानीटर संगठन), आई० बी० एस० आई० एन० ए० एस० ग्रेड “क” बी० आर० ई० एस० ग्रेड “क” ।

(3) सैन्य इंजीनियरी सेवा ग्रुप “क” रक्षा मंत्रालय के ई० एम० ई० कोर में सहायक कार्यपालक इंजीनियर ग्रुप “क” तथा सहायक इंजीनियर ग्रुप “ख” एवं भारतीय सर्वेक्षण ग्रेड “क” तथा कार्यशाला अधिकारी ग्रेड “क” तथा ग्रेड “ख” ।

(4) आई० ओ० एफ० एम० (ग्रेड क) ।

(5) डाक एवं तार विभाग में सहायक प्रबंधक (कारखाना), ग्रेड क ।

(6) आई० टी० एम० ग्रेड “क” ।

(7) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में आई० आर० एम० एम० ग्रेड “क” आई० एस० एम० ग्रेड क, आई० टी० एम० ग्रेड ख तथा सहायक ड्रीनिंग इंजीनियर ग्रेड क के पद, यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रेड क तथा सहायक यांत्रिक इंजीनियर, ग्रेड ख और भारी उद्योग विभाग में सहायक निदेशक (तकनीकी) ।

नोट :— बोर्ड को अपना निष्कर्ष निम्नलिखित वर्गों में से किसी में रिकार्ड करना चाहिए ।

(1) योग्य (फिट) (2) के कारण अयोग्य (अनफिट)

अध्यक्ष

सदस्य

स्थान :

तारीख :

5-421 G/96

परिशिष्ट—3

उन सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जा रही है

1. भारतीय रेल इंजीनियर सेवा भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी सेवा भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा और भारतीय रेल मंडार सेवा ।

(क) परीक्षा :—इन पदों के लिए किए गए भर्ती उम्मीदवार तीन वर्ष के लिए परीक्षा पर रहेंगे जिसमें उन्हें दो वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा तथा किसी कार्यकारी पद पर न्यूनतम एक वर्ष के लिए परीक्षा पर रहना होगा । यदि उक्त प्रशिक्षण को संतोषजनक रूप में पूरा न करने के कारण किसी स्थिति में प्रशिक्षण अवधि को बढ़ाना पड़ा तो पदनुसार परीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ा दी जाएगी परीक्षा की अवधि के दौरान भी यदि कार्यकारी पद पर काम संतोषजनक नहीं पाया गया तो सरकार द्वारा परीक्षा की कुल अवधि को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है ।

(ख) प्रशिक्षण :—समस्त परीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा/पद विशेष के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम अनुसार दो वर्ष की अवधि के लिए प्रशिक्षण लेना होगा । उन्हें इस अवधि के लिए उक्त प्रशिक्षण ऐसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से लेना होगा और ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जिन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए :—

(ग) नियुक्ति की समाप्ति :—

(1) परीक्षा की अवधि के दौरान दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष की ओर पक्षीय महीने का सिविल नोटिस देकर परीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति समाप्त की जा सकती है । किन्तु संविधान के अनुच्छेद 311 के खंड (2) के उपबंधों के अनुसार की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के फलस्वरूप या से बर्खास्तिगी और सेवा में हटाने के तथा मानसिक एवं शारीरिक अक्षमता के फलस्वरूप अनिवार्य या निवृत्ति के मामलों में ऐसा नोटिस देना आवश्यक नहीं होगा किन्तु सरकार की तत्काल सेवाएं समाप्त करने का अधिकार है ।

(2) यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण अंतोपजनक रहे या उसके कार्य-कुशल बनाने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है ।

(3) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं । परीक्षा की अवधि के दौरान अनुमोदित स्तर की हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण न करने पर सेवाओं को समाप्त किया जा सकता है ।



(घ) स्थायीकरण :—परिवीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने तथा सभी निर्धारित विभागीय और हिन्दी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप तथा नियुक्ति के लिए सभी दृष्टियों से योग्य समझे जाने पर परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में स्थायी कर दिया जाएगा।

(ङ) वेतनमान :—

- (1) कनिष्ठ वेतनमान :—रुपए 2200-75-2800-४० ग्रे०-100-4000।
- (2) वरिष्ठ वेतनमान :—3000-100-3500-125-4500।
- (3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—रुपए 3700-125-4700-150-5000।
- (4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—रु० 5900-200-6700।

इसके अतिरिक्त रुपए 5900 तथा 8000 के वेतन के बीच के सुपरग्राइड वेतनमान वाले पद भी जिनके लिए उपयुक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं।

परिवीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम वेतन से प्रारम्भ करेगा तथा उस समय वेतनमान में अवकाश पेंशन तथा वेतन वृद्धियों के लिए परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को गिनने की अनुमति होगी।

संहवाई तथा अन्य भत्ते सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार प्राप्त होंगे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय तथा अन्य परीक्षाओं को उत्तीर्ण न करने पर वेतन वृद्धियों को रोक या स्थगित किया जा सकता है।

(च) प्रशिक्षण व्यय लौटाना :—यदि किसी कारणवश जो सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी के नियंत्रण से बाहर नहीं है, कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण अथवा परिवीक्षा से अपना नाम वापस लेना चाहता है तो उस परिवीक्षा की अवधि के दौरान दिए गए प्रशिक्षण का पूरा व्यय और अन्य धनराशियों को वापस करना होगा। इस प्रयोजन के लिए परिवीक्षकों से एक बंध-पत्र की अपेक्षा की जाएगी जिसकी एक प्रति उनके नियुक्ति प्रस्ताव के साथ संलग्न की जाएगी। किन्तु जिन परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा आदि में नियुक्त हेतु परीक्षा के लिए आवेदन करने हेतु अनुमति दी जाती है उन्हें प्रशिक्षण के व्यय को वापस नहीं करना होगा।

(छ) छुट्टी :—उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी के पात्र हैं।

(ज) चिकित्सा सुविधा :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा एवं उपचार कराने के पात्र होंगे।

(झ) पास तथा विशेषाधिकार टिकट :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास तथा विशेषाधिकार टिकटों के पात्र होंगे।

(ञ) भविष्य निधि तथा पेंशन :—उक्त सेवा के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमावली द्वारा शासित होंगे और समय-समय पर लागू उस निधि नियमों के अन्तर्गत राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-अंशदायी) में अंशदान करेंगे।

(ट) उक्त सेवाओं/पदों के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवारों को भारत या भारत से बाहर किसी भी रेलवे या परिव्योजना पर कार्य करना पड़ सकता है।

(ठ) रक्षा सेवाओं में सेवा करने का दायित्व :—यदि आवश्यकता हुई तो नियुक्त किए गए परिवीक्षाधीन अधिकारियों के भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पुनर्नियुक्ति रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (ख) सामान्य: 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पुनर्नियुक्ति रूप से कार्य नहीं करना होगा।

2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क और

केन्द्रीय विद्युत तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

(क) जुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। परिवीक्षा संतोषजनक रूप से पूरी कर लेने पर उनके स्थायी करने/कार्य करते रहने पर विचार किया जाएगा। परिवीक्षा की दो वर्ष की अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि या परिवीक्षा की कोई बड़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय है कि अधिकारी स्थायी/नियोजन/वरकरारी के उपयुक्त नहीं है, या परिवीक्षा की इस अवधि या परिवीक्षा की बड़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि अधिकारी स्थायी नियुक्ति वरकरारी के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्य मुक्त कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।



(ख) जैसी कि इस समय स्थिति है, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क में नियुक्त सभी अधिकारी, सहायक कार्यपालक इंजीनियर के उच्चतर ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के बाद अगले उंचे ग्रेड अर्थात् कार्यपालक इंजीनियर के रूप में पदोन्नति के पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों और वे ऐसी पदोन्नति के अन्यथा योग्य पाए जाएं।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्ति वरिष्ठ निम्न प्रकार है :—

पद	वेतनमान
(1) कनिष्ठ समय वेतनमान रु० 2200-75-2800-द० (सहायक कार्यपालक इंजीनियर) रु०-100-4000	
(2) वरिष्ठ समय वेतनमान रु० 3000-100-3500- (कार्यपालक इंजीनियर) 125-4500	
(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु० 3700-125-4700- (अधीक्षक इंजीनियर) 150-5000	
क. सामान्य ग्रेड रु० 4500-150-5700	
ख. चयन ग्रेड रु० 5900-200-6700	
(4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सीफ इंजीनियर)	
(5) सुपर टाइम स्केल अपर महानिदेशक रु० 7300-7600 महानिदेशक (इल्यू०) रु० 8000 नियत (ये पद सभी तीन विषयों अर्थात् सिविल, इलेक्ट्रिकल और यांत्रिक तथा वास्तु इंजीनियरों के लिए समान हैं)।	

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवाधिक पद के अथवा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन एफ० आर० 22(बी) (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ङ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप (क) और केन्द्रीय विद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप (क)

के पदों से सम्बन्धित कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप :—

#### 1. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क)

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार की सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार) के जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय, भवन संस्था तथा अनुसंधान केन्द्र, औद्योगिक भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, हवाई अड्डे, महामार्ग तथा पुल आदि सम्मिलित हैं, आयोजन अभिकल्पन निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहवों पर पहुँच जाते हैं।

#### 2. केन्द्रीय विद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क)

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में तीं हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार) के विद्युत षटकों के जिसमें विद्युत संस्थान इलेक्ट्रीकल सब-स्टेशन तथा पावर हाउस, वातानुकूलन तथा प्रशीतन, हवाई अड्डों की रनवे लाइटिंग, यांत्रिक कर्मशालाओं का परिचालन, निर्माण मशीनरी की प्राप्ति तथा रख-रखाव आदि सम्मिलित है। आयोजन, अभिकल्पन निर्माण और रख-रखाव में कार्य लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते वे पदोन्नत होकर विभाग में विभिन्न वरिष्ठ ओहवों पर पहुँच जाते हैं।

#### 3. सेना इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क)

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षाधीन अधिकारी को अपनी परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित तथा भाषा सम्बन्धी परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ सकती है। यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है या ऐसा आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की सम्भावना नहीं है अथवा यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी उक्त अवधि के दौरान निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाता है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसे नियुक्त पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि इतनी बढ़ा सकती है जितनी वह ठीक समझे।

उम्मीदवार को दो वर्षों की परिवीक्षा की अवधि के दौरान एम० ई० एस० प्रोसीजर सुपरिटेन्डेन्ट सी० आर० एण्ड ई० एम० ग्रेड-1, एग्जामिनेशन तथा हिन्दी परीक्षा उत्तीर्ण करने



होंगे। हिन्दी परीक्षा का स्तर प्राज्ञ (मैट्रिकुलेशन स्तर के समकक्ष) का होगा।

(ख) (1) जुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेवा में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई है, सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को :—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (3) उम्मीदवारों पर एम० आर० ओ० नं० 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फोल्ड लाइ-विलिटी) रूलस के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) ग्राह्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं :—

(क) सहायक कार्यकारी इंजीनियर/  
सहायक निर्माण सर्वेक्षक

र० 2200-75-2800-द० री०-100-4000

(ख) कार्यकारी इंजीनियर/  
निर्माण सर्वेक्षक

र० 3000-100-3500-125-4500

(ग) अधीक्षक इंजीनियर

(साधारण ग्रेड)

अधीक्षक निर्माण

सर्वेक्षक (साधारण ग्रेड)

र० 3700-125-4700-150-5000

(घ) अधीक्षक इंजीनियर

(चयन ग्रेड)

अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक

(चयन ग्रेड)

र० 4500-150-5700

(ङ) अपर मुख्य अभियंता—

र० 4500-150-5700 र० + 400/-

प्रतिमास का विशेष वेतन

(च) मुख्य अभियंता/  
मुख्य निर्माण सर्वेक्षक

र० 5900-200-6700

(छ) अपर महानिदेशक (निर्माण)/

र० 7300-100-7600

#### 4. भारतीय आयुध कारखाना सेवा (ग्रुप क)

(क) जुने हुए उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे। सरकार महानिदेशक,

आयुध कारखाना अध्यक्ष आयुध कारखाना बोर्ड की सिफारिस पर परीक्षा अवधि घटा या बढ़ा सकती है। परीक्षाधीन व्यक्ति को सरकार द्वारा यथाविहित विभागीय तथा भाषा परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। भाषा के परीक्षण का हिन्दी में परीक्षण होगा।

सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर दिया जायेगा। किन्तु परीक्षा की अवधि के दौरान या अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असन्तोषजनक रहा है तो सरकार उसको कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि जानी ठीक समझे और बढ़ा सकती है।

(ख) (1) जुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेवा में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी परीक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) उम्मीदवार पर एम० आर० ओ० नं० 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फोल्ड लाइविलिटी) रूलस भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान देय है :—

कनिष्ठ समय वेतनमान—र० 2200-75-2800-द० री०-100-4000

वरिष्ठ समय वेतनमान—र० 3000-100-3500-125-4500

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सामान्य ग्रेड)—र० 3700-125-4700-150-5000

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड)—र० 4500-150-5700

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—र० 5900-200-6700

वरिष्ठ जनरल मैनेजर—र० 7300-100-7600

अतिरिक्त महानिदेशक, आयुध कारखाना/सदस्य, आयुध कारखाना बोर्ड—र० 7300-200-7500-250-8000

महानिदेशक आयुध कारखाना/अध्यक्ष आयुध कारखाना, बोर्ड—र० 8000



टिप्पणी:—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्रारंभिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका है उसका वेतन रक्षा मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित का० शा० सं० 15(6)/64/डी (एपाइन्टमेंट्स)/1051/डी० (सी० 41) दिनांक 25 नवम्बर 1965 के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) परिवीक्षाधीन अधिकारियों को मंसूरी/नागपुर फाउण्डेशन कोर्स करना होगा।

(ङ) इस प्रकार भर्ती हुए परिवीक्षाधीन अधिकारी को सेवा प्रारम्भ करने से पहले एक बन्धपत्र भरना होगा।

#### 5. भारतीय दूर संचार (ग्रुप क)

(क) दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्ति परिवीक्षा पर की जायेगी। सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण आदि असंतोषजनक है या उस यह आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है तो सरकार उस तत्काल कार्यमुक्त कर सकती है। परिवीक्षा अवधि पूरी हो जाने पर सरकार उस व्यक्ति नियुक्ति पर स्थाई बना सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य अथवा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे सेवामुक्त कर सकती है या जितनी ठीक समझे उतनी अवधि के लिए उसकी परिवीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान जो भी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं निर्धारित की जाएं, अधिकारियों को उत्तीर्ण करनी होंगी। उनको स्थाई किए जाने से पहले हिन्दी के परीक्षण भी उत्तीर्ण करने होंगे।

(ख) अधिकारियों को व्यवसाय तथा भाषा संबंधी परीक्षण भी उत्तीर्ण करने होंगे।

(ग) इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(घ) निर्म्मालिखित वेतनमान ग्राह्य है :—

(1) कनिष्ठ समय वेतनमान—2000-75-2800-30 रो०-100-4000/- रु०।

(2) वरिष्ठ समय वेतनमान—3000-100-3500-125-4500/-रु०।

(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—3700-125-4700-150-5000/- रु०।

(4) चयन ग्रेड—4500-150-5700/- रु०।

(5) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—5900-200-6700/- रु०।

(6) सी० जी० एम० ग्रेड—7300-100-7600/- रु०।

(7) सलाहकार ग्रेड—7300-200-7500-250-8000 रु०।

(8) अधिकारीगण दूर संचार आयोग के सदस्यों के पदों के लिए विचार किए जाने के लिए भी पात्र होंगे तथा यह भारत सरकार के सचिव के समक्ष होगा—8000/- रु०।

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्रारंभिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन एफ० ग्रा० 22 वो (1) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप “क” के अवीन कनिष्ठ वेतनमान में यदि किसी अधिकारी का स्थानान्तरण वेतन रु० 2350/- या इससे अधिक है तो वह तब तक वेतनवृद्धि प्राप्त नहीं करेगा जब तक विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण न कर सके।

(ङ) भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप के पदों में सम्बद्ध कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व।

#### सहायक डिबीजनल इंजीनियर

सहायक डिबीजनल इंजीनियर टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी सब डिबीजन, कैरियर, बी० एफ० टी० कोएक्सीग्रल माइक्रोवेव, नाव डिस्टेंस इन्डिकेटर तथा वायरलेस स्टेशन के इन्चार्ज होंगे और सामान्यतः डिबीजनल इंजीनियर के अधीन कार्य करेंगे। वे विभिन्न दूर संचार विभाग के संस्थान परियोजना संगठन से भी जुड़े रहेंगे।

#### डिबीजनल इंजीनियर

डिबीजनल इंजीनियर को टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी डिबीजन जिसमें लांग डिस्टेंस, कोएक्सीग्रल माइक्रोवेव, मेन्टिनेंस डिबीजन तथा वायरलेस डिबीजन शामिल हैं, का प्रभारो बनाया जाता है। वे अपने प्रभार में रहने वाले टेलीग्राफों तथा टेलीफोनो के उपकरणों के रख-रखाव के पूरे जिम्मेवार होंगे।



तथा अपने डिजीजन में रह करके कार्य करेंगे। जब डिजीजन अधिकारी इंजीनियरी/परियोजना संगठन पर लगाए जाते हैं तो उन्हें यूनिट में निर्माण/संस्थापन कार्य करना होगा।

#### कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सॉकिल और टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट में दूर संचार सम्बन्धी परिसंपत्तियों के प्रशासन और दूर संचार संस्थाओं के प्रशासन तथा आयोजन के लिए दूर संचार प्रणालियों आदि में अनुसंधान और विकास के लिए जिम्मेदार हैं। वे माइनर टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट दूर संचार सॉकिल, आदि के लिए भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

#### वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड एवं सी० जी० एम० ग्रेड

दूर संचार सॉकिल/टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट सॉकिल दूर संचार अनुरक्षण क्षेत्र का प्रधान, जो कार्यभार में उसकी पूरी तरह से प्रबंध प्रशासन करने के लिए जिम्मेदार होगा उस महानिदेशक दूर संचार आयोग, दूर संचार आयोग की नीति निर्धारित करने तथा समय प्रशासन करने में उच्चस्तरीय सहायता प्रदान करता है। वरिष्ठ उस महानिदेशक दूर संचार इंजीनियरी केन्द्र तथा उस महानिदेशक, दूर संचार इंजीनियरी केन्द्र के अनुसंधान संबंधी समय कार्यकलापों के लिए जिम्मेदार है।

#### परामर्शदाता ग्रेड

भारत सरकार के अपर सचिव के श्रेण में मुख्यतः कार्मिक सम्बन्धी नीतियां तैयार करने के लिए उत्तरदायी : स्थानीय तथा दूरदर्शी दोनों प्रकार के दूर संचार नेटवर्क का संचालन और रखरखाव; फल्ट यूनिटों को आवश्यक उपकरणों की आपूर्ति/परियोजनाओं और उत्पादन का समय पर अनुमोदन सुनिश्चित करके फल्ट यूनिटों द्वारा वार्षिक योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा दूरसंचार के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन और उनका समावेश करना।

#### 6. केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप 'क') सेवा

(1) केन्द्रीय जल आयोग में सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर भर्ती हुए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

किन्तु सरकार, आवश्यक होने पर, दो वर्ष की उक्त अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है।

यदि परीक्षा की उपर्युक्त या बड़ी हुई अवधि, जैसी भी स्थिति हो, समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थाई नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है या परीक्षा की इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह स्थाई नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार स्वतः

अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या उसको उसके मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या जो ठीक समझे वह आवेदन पारित कर सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार उम्मीदवारों से प्रशिक्षण का ऐसा कोई कोर्स करने और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने को कह सकती है जिसे वह परीक्षा की सफल पूर्ति की एक शर्त रूप में ठीक समझे।

(2) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़े तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(3) सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्ति अधिकारी निर्धारित शर्तें पूरी करने के बाद उपनिदेशक/कार्यपालक इंजीनियर अधीक्षक इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड) निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड) मुख्य इंजीनियर (स्तर 2) मु० ई० (स्तर-1) में सदस्य/अध्यक्ष सी० डब्ल्यू सी० के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति को उम्मीद कर सकते हैं।

(4) केन्द्रीय जल आयोग में इंजीनियरी पदों के ग्रुप 'क' के लिए वेतनमान निम्न प्रकार हैं :—

#### 13. केन्द्रीय जल आयोग में सिविल और यांत्रिक पद

1. सहायक निदेशक सहायक/कार्यकारी इंजीनियरी—

रु० 2200-75-2800-६० रो०-100-4000।

2. उपनिदेशक/कार्यकारी इंजीनियर—रु० 3000-100-3500-125-4500।

3. अधीक्षक निदेशक इंजीनियर (साधारण ग्रेड) —रु० 3700-125-4700-150-5000।

4. निदेशक अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड) —रु० 4500-150-5700।

5. मुख्य इंजीनियर—रु० 5900-200-6700।

6. सदस्य सी० डब्ल्यू सी०/अध्यक्ष, जी० एफ० सी० सी०—रु० 7300-100-7600।

7. अध्यक्ष सी० डब्ल्यू सी०—रु० 8000 (नियत)।

(5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप 'क') सेवा में पदों से संबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।



**सहायक निदेशक (सिविल और यांत्रिक)**

सिंचाई, नौचालन, विद्युत, घरेलू जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु जल साधनों के संरक्षण तथा विनियमन के लिए आकलन, रिपोर्ट आदि तैयार करने सहित परियोजनाओं की योजना सर्वेक्षण अन्वेषण तथा अभिकल्पना।

**सहायक कार्यकारी इंजीनियरी (सिविल तथा यांत्रिक)**

उनको आवंटित उपमण्डल या अन्य एककों के निर्माण कार्य के लिए वे जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभार के अधीन रोकड़ तथा भंडारों का लेखा-जोखा रखना होगा तथा परोक्ष रूप में उपमण्डल में प्रत्येक कार्य की प्रगति के लिए कुछ आनुषंगिक कार्यों को भी देखना होगा। विहित नियमों आदि के अनुसार वे अपने प्रभार के अधीन माप बहियों मस्टर रोल तथा अन्य अभिलेखों के सही रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।

**7. केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप क) सेवा****(1) संगठन का विवरण**

विद्युत (आपूर्ति) अधिनियम, 1948 की धारा (3) (1) के अधीन केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण संगठित किया गया था और इसका वास्तविक राष्ट्रीय विद्युत साधनों के नियंत्रण तथा उपयोग के संबंध में योजना अभिकरणों के कार्यकलापों में समन्वय करने के लिए एक मुद्द पार्षित और एकरूप विद्युत नीति का विकास करना है। देश की सभी विद्युत योजनाओं (उत्पादन संरक्षण वितरण और विद्युत् आपूर्ति का उपयोग) की संभावना तकनीकी विश्लेषण, आर्थिक व्यवहार्यता आदि के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में संवीक्षा की जाती है कि ये योजनाएं राज्यों तथा क्षेत्रों के समस्त विकास के लिए उपयुक्त होंगी और सब प्रकार से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के अनुरूपी होंगी। इस संगठन का राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विकास और विद्युत को इसकी मुख्य गतिदायी शक्ति प्रदान करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(2) उस ग्रेड का विवरण जिसके लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित इंजीनियरी तथा परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की जाती है। ₹ 2200-4000 के वेतनामान के सहायक निदेशक, (ग्रेड-1) सहायक प्राधिकारी इंजीनियर के ग्रेड में पचास प्रतिशत रिक्तियां संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक आधार पर ली गई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाते हैं।

केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप क) में सहायक निदेशक (ग्रेड-1)।

सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेंगे किन्तु

जहां आवश्यक हो वहां सरकार उक्त दो वर्षों की अवधि के अतिरिक्त अवधि बढ़ा सकती है जो कि एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि उपर्युक्त परीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि जैसी भी स्थिति हो, के समाप्त होने के बाद सरकार यह समझे कि कोई उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा ऐसी परीक्षा की अवधि या बढ़ाई गई अवधि के दौरान किसी भी समय वह इस बात से संतुष्ट हो कि उक्त उम्मीदवार ऐसी परीक्षा अवधि या बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति के बाद स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवा मुक्त कर सकता है या उसके स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित कर सकता है या ऐसे आदेश पारित कर सकता है जैसा वह उचित समझे।

परीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण लेना होगा तथा अनुदेश का पालन करना होगा तथा ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करने होंगी जो सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि की संतोषजनक रूप से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित की जाए।

यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा में सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि। (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस अवधि में व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

**(3) उच्चतर ग्रेडों के लिए पदोन्नति**

सहायक निदेशक (ग्रेड-1) सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर नियुक्ति अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप 'क') सेवा नियमावली, 1965 में निर्धारित शर्त पूरी करने के बाद ऊंचे ग्रेडों अर्थात् उपनिदेशक कार्यपालक इंजीनियर, निदेशक अधीक्षक इंजीनियर (साधारण ग्रेड) निदेशक अधीक्षक इंजीनियर (अग्र ग्रेड), उप मुख्य इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर, के रूप में नियुक्ति के पात्र हैं बशर्ते कि सम्बद्ध ग्रेड में नियुक्तियां उपलब्ध हों।



## (4) वेतनमान

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप 'क') के सेवा के पदों पर वेतनमान निम्नलिखित है :—

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में विद्युत यांत्रिक और दूर-संचार में संबद्ध पद :—

क्र० सं०	पद का नाम	वेतनमान
1.	सहायक निदेशक (ग्रेड-1) सहायक कार्यकारी इंजीनियर	रु० 2200-75-2800- रु० रो० 100-4000
2.	उप निदेशक कार्यकारी इंजीनियर	रु० 3000-100- 3500-125-4000
3.	निदेशक अधीक्षक इंजीनियर (साधारण ग्रेड)	रु० 3700-125-4700 -150-5000
4.	निदेशक अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड)	रु० 4500-150- 5700
5.	मुख्य इंजीनियर सदस्य-सचिव	रु० 5900-200-6700

## (5) कर्तव्य और दायित्व

सहायक निदेशक (ग्रेड-1) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर संबद्ध कर्तव्यों के और दायित्वों के स्वरूप इस प्रकार है :—

विद्युत विकास के क्षेत्रों का विविध प्रकार की समस्याओं से संबद्ध अपेक्षित तकनीकी तथ्यों का संग्रह, संकल्प और परस्पर संबंध उन्हें इनसे संबद्ध मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो तथा थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना संचालन अनु-रक्षण तथा विद्युत योजनाओं परियोजनाओं अभिकलाओं आदि के तैयार करने में सहायता देते हुए उनकी संरचना तथा वितरण विद्युत प्रणालियों की परियोजना रिपोर्टों का अध्ययन करना सम्मिलित है। क्षेत्र एककों में कार्य करते हुए वे उप मंडल या उनको आबंटित अन्य कार्यों के लिए उत्तरदायी होंगे।

## 8. भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के पद

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर कनिष्ठ (ग्रुप क पद) पदों पर अस्थायी आधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे। दो वर्ष से अधिक अतिरिक्त अवधि के लिए सेवा उनका रखना परीक्षा अवधि के दौरान उनके द्वारा किए गए कार्य के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा। सरकार की विधीक्षा पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है। उन्हें क्रमशः रूपए 2200-75-2500- रु० रो०-100-4000 के समय वेतनमान में वेतन मिलेगा। संतोषजनक रूप से उनकी परि-

बीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर यदि वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो मूल रिक्तियों के उपलब्ध होने पर नियमानुसार उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

यदि आवश्यकता हुई तो भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (1) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण से बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) या यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पुर्वोक्त रूप से कार्य करना होगा, और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पुर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

इस विषय पर नियमों और अनुदेशों के अनुसार जो उम्मीदवार योग्य पाए जाते हैं उनके लिए पदोन्नति का क्षेत्र निम्नलिखित है :—

(क) बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) के लिए	रु० 2200-75-2500 रु० रो०-100-4000
(1) बरमा इंजीनियर (वरिष्ठ)	रु० 3000-100-3500- 125-4500
(2) निदेशक (बरमा)	रु० 3700-125-4700- 150-5000
(3) उप-महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा)	रु० 5900-200-6700
(4) वरिष्ठ उप महानिदेशक	रु० 7300-100-7600
(ख) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'	रु० 2200-75-2500- रु० रो०-100-4000
(1) यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ)	रु० 3000-100-3500- 125-4500
(2) निदेशक (यांत्रिक इंजीनियरी)	रु० 3700-125-4700- 150-5000
(3) उप महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा)	रु० 5900-200-6700
(4) वरिष्ठ उप महानिदेशक	रु० 7300-100-7600

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में भर्ती किए गए अधिकारियों को भारत में या विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।



नोट :—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परि-  
बीक्षाधीन नियुक्ति से पहले स्थायीवत् हैसियत  
से किसी आरक्षक पद के अतिरिक्त स्थायी पद  
पर है, एफ० आर० 22-ख (1) के उपबंधों  
के अधीन विनियमित किया जाएगा ।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) से  
पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्व का स्वरूप

बरमा वाहनों और उपस्करों अनुसरण तथा मरम्मत,  
विभिन्न क्षेत्र के कर्तव्यों तथा कार्यों के लिए ड्राइवरों तथा  
वाहनों का आवंटन पी० ओ० एल० अंकों तथा अभिलेखों,  
लाग बुक, इति वृत्तियों की संवीक्षा तथा अनुमरण । ड्रिलिंग  
और विज्ञान अनुष्ठांगियों का संविरचना तथा विनिर्माण ।

बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ)

कोर रिकवरी का दृष्टतम प्रतिशत निर्दिष्ट करते हुए  
एक या अधिक ड्रिलिंग रिगों से खनिज अन्वेषण के सम्बद्ध में  
छेदन कार्य करना । सरकारी भंडारों और उसको सौंपे गए  
हम्प्रेष्ठ को ठीक प्रकार से सुरक्षा के लिए लगाई गई मशीनरी  
और वाहनों का समारक्षण । भंडारों तथा रोकड़ लेखों को  
रखना और अपने अधीन नियोजित कर्मचारी वर्ग को  
देखना ।

9. इंजीनियर ग्रुप-क वायरलेस योजना और समन्वय  
स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय (दूर संचार विभाग)

(क) वेतनमान रुपए 2200-75-2800-द० रो०-  
100-4000 ।

(ख) ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा करने के बाद इंजीनियरी  
के पदधारी सहायक वायरलेस सलाहकार, वायरलेस  
योजना और समन्वय । स्कन्धों इंजीनियर प्रभारी  
अनुश्रवण संगठन (वेतनमान रुपए 3000-100-  
3500-125-4500 तथा सहायक वायरलेस सलाह-  
कार के पद के लिए रुपए 200 - प्रतिमास विशेष  
वेतन) के ग्रेड में रिक्तियों पर 100 प्रतिशत पदो-  
न्नति के पात्र है । सहायक वायरलेस सलाहकार  
इंजीनियर प्रभार के ग्रेड में उनका पदोन्नति ग्रुप के  
पदों के लिए संगठित की गई विभागीय पदोन्नति  
समिति की अनुशंसाओं पर उनके चयन के आधार  
पर की जाएगी । सहायक वायरलेस सलाहकार/  
इंजीनियर प्रभारी ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले  
सभी सहायक वायरलेस सलाहकार और इंजीनियर  
प्रभारी उप वायरलेस सलाहकार उप निदेशक  
(वेतनमान रु० 3700-125-4700-150-5000)  
के पद पर पदोन्नति के लिए विचार किए जाने के  
पात्र है । उप वायरलेस सलाहकार उप निदेशक के  
ग्रेड में रिक्तियों ग्रुप के पदों के लिए गठित की  
गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं

पर चयन करने के आधार पर 100 प्रतिशत  
पदोन्नति द्वारा भरी जाती है ।

अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु तथा पूर्वोक्त  
अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की है और सम्बद्ध ग्रेड में  
पदोन्नति केवल रिक्ति की उपलब्धता पर होगी ।

(ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति क  
भारत में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है ।

(घ) यदि आवश्यकता हुई तो इंजीनियर के पद पर  
नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की  
रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई  
अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष  
की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की  
रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु  
उस व्यक्ति—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के  
बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य न करना होगा,  
और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के  
बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा ।

(ङ) पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप—

(1) डब्ल्यू० पी० सी० स्कन्ध वायरलेस मॉनिटरिंग  
संगठन के विभिन्न एककों के कर्मचारियों का  
पर्यवेक्षण, निर्देशन तथा प्रशिक्षण ।

(2) सम्बद्ध रेडियो आवृत्ति वर्गक्रमों तथा विभिन्न  
प्रकार के उत्सर्जन को आवृत्ति करने वाली रेडियो  
आवृत्ति मॉनीटरन में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिकी-  
करण के विभिन्न अंगों एंटीना तथा सहायक  
उपकरणों का प्रतिष्ठापन, अंशशोधन, परीक्षण  
तथा अनुरक्षण ।

(3) भिन्न-भिन्न प्रकार की रेडियो संचार सेवाओं  
के लिए विभिन्न प्रयोक्ता विभागों/संगठनों के  
वायरलेस प्रतिष्ठापनों का अनुशासन एवं निरीक्षण ।

(4) रेडियो आवृत्ति वर्णक्रम तथा तुर्यकाली उप-  
ग्रह कक्षा के उपयोग के राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय  
समन्वय से सम्बद्ध सभी पहलू जिसमें नियतन  
योजना का निर्माण, संगत तकनीकी मानकों  
की स्थापना-उपस्कर का प्रकार—अनुमोदन  
वैद्युत शुम्बकीय व्यवधान/संसर्गित आदि का  
अध्ययन सम्मिलित हो ।

(5) सम्बद्ध राष्ट्रीय नियमों तथा विनियमों के  
प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन सहित अन्तर्राष्ट्रीय  
रेडियो विनियमों का प्रवर्तन ।



- (6) प्रवीणता/रेडियो आवश्यकताओं प्रमाण-पत्र आदि के लिए परीक्षाओं का आयोजन करना तथा उनके लिए लाइसेंस जारी करना।
- (7) रेडियो आवृत्ति प्रबन्ध तथा मानीटरन से सम्बद्ध अनुसंधान तथा विकास कार्य करना।
- (8) अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार संध दूर संचार से संबंधित अन्य यथोचित अन्तर्राष्ट्रीय/क्षेत्रीय संगठनों की बैठकों तथा सम्मेलनों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रबंध करना।

**अधीक्षक इंजीनियर—**

र० 3800-125-4700-150-5000/-

**अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड)---**

र० 4500-150-4700 -

**मुख्य इंजीनियर (सड़क/पुल) यांत्रिक---**

र० 5900-200-6700/-

**अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क/पुल)---**

र० 7400-100-7600/-

**अतिरिक्त सचिव महानिदेशक (सड़क विकास)**

र० 7300-200-7500-250-8000/-

**10. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) (ग्रुप 'क')**

(क) चुने हुए उम्मीदवार सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर दो वर्ष के लिए परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे। परीक्षा अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हुईं और वे स्थायी नियुक्त के योग्य समझे जाते हैं तो उन्हें सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाएगा। सरकार दो वर्ष की परीक्षा अवधि को बढ़ा सकती है।

परीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के समाप्त होने पर यदि सरकार यह समझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर स्थायी नियोजक के योग्य नहीं है या ऐसी परीक्षा की बढ़ाई गई अवधि के दौरान वह इससे संतुष्ट है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर ऐसी अवधियों या बढ़ाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थायी नियुक्त के योग्य नहीं होगा तो वह उस सहायक कार्यकारी इंजीनियर को सेवा निवृत्त कर सकती है अथवा ऐन आदेश पास कर सकती है जो वह ठीक समझे।

(ख) यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति का भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई, अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को---

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पुर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पुर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

**(ग) निर्मालिखित वेतनमान देय है :---****सहायक कार्यकारी इंजीनियर---**

र० 2200-75-2800- र० री०-100-4000/-

**कार्यकारी इंजीनियर---**

र० 3000-100-3500-125-4500/-

टिप्पणी :--उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' ग्रुप 'ख' में परीक्षाधीन नियुक्ति से पहले मूल रूप में किसी अवधि पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर है (एफ० आर० 22-ख 1) के उपबन्धों के अधीन वितरित किया जाएगा।

(घ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) पुल ग्रुप 'क' के पद में संबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

**मिथिल इंजीनियरी पद**

सड़कों/पुलों के निर्माण के डिजाइनों की योजना बनाने उनके आकलन तैयार करने में भूतल परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कंध के मुकाबले में तथा क्षेत्रीय कार्यालयों आदि में वरिष्ठ अधिकारियों आदि की सहायता करना और राज्यों में ऐत निर्माणों के लिए प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करना।

**यांत्रिक इंजीनियरी पद**

सड़कों/पुलों के निर्माण उपकरणों के आयोजन, प्रापण, प्रचालन और अनुकरण में भूतल परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कंध के मुकाबले में तथा क्षेत्रीय कार्यालयों आदि में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सहायता करना, इस प्रकार के उपकरणों की मरम्मत तथा रख-रखाव के लिए आकलन तैयार करना और राज्यों में प्राप्त प्रस्तावों और आकलनों की समीक्षा करना।

**11. भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा, सूचना और प्रसारण मंत्रालय**

(क) उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान सीधे भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा नियुक्ति पर प्रत्येक अधिकारी दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेगा।

- (1) किन्तु शर्त यह है कि नियंत्रक अधिकारी परीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार घटा या बढ़ा सकता है।



(2) अगली शर्त यह है कि परिवीक्षा अवधि बढ़ाने हेतु कोई निर्णय परिवीक्षा की पहली अवधि के समापन के बाद आठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी को ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अन्दर लिखित रूप में सम्प्रेषित कर दिया जाएगा।

(3) परिवीक्षा अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समापन पर अधिकारी के स्थायी नियुक्ति हेतु उप-युक्त पाए जाने की स्थिति में अपनी नियुक्ति पर नियमित आधार पर बनाए रखा जाएगा और उसकी यथावधि उपलब्ध मूल रिक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा।

(4) यदि परिवीक्षा की बढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि जैसी भी स्थिति हो के दौरान सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी सरकार में स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसी पद पर वापस भेज सकती है जो वह उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले धारण कर रहा था, जैसी भी स्थिति हो, या और कोई उपयुक्त आदेश पारित कर सकती है।

(5) परिवीक्षा या बढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवार को परिवीक्षा के सफल समापन की शर्त के रूप में सरकार द्वारा यथासंर्पक्षित शिक्षण तथा प्रशिक्षण कोर्स पूरे करने होंगे और परीक्षा तथा परीक्षण (हिन्दी परीक्षा सहित) उत्तीर्ण करने होंगे।

(ख) सेवा में नियुक्ति—उक्त सेवा के विभिन्न ग्रेडों के सभी पदों पर सभी नियुक्तियाँ—चाहे वे “आकाश-वाणी” में हों या “दूरदर्शन” में हों—नियंत्रण प्राधिकारी द्वारा की जाएगी।

(4) भारत के किसी भाग में सेवा का दायित्व सेवा की अन्य शर्तें :—

(1) ऐसी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के किसी भाग में या बाहर सेवा करनी पड़ सकती है।

(2) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी रक्षा सेवा या पक्ष पर कम से कम 4 वर्ष तक कार्य करना पड़ सकता है जिसमें प्रशिक्षण की अवधि सम्मिलित है किन्तु ऐसी अधिकारी को :—

(1) ऐसी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के प्रारम्भिक गठन से पहले कार्य ग्रहण की तारीख में 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कोई कार्य नहीं करना पड़ेगा।

(2) सामान्य : 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद पुर्वांकित रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।

(घ) उक्त सेवा के संवेष्टों की सेवा वक्तों में उक्त मामलों पर केन्द्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों पर लागू होंगे जिनके सम्बन्ध में इन नियमों में कोई व्यवस्था नहीं है।

माह्य वेतनमान निम्न प्रकार है :—

(1) कनिष्ठ वेतनमान

रु० 2000-75-2800-६० रोजी 100-4000/-

(2) वरिष्ठ वेतनमान

रु० 3000-100-3500-125-4500/-

(3) जे० ए० जी०

रु० 3700-125-4700-150-5000/-

(4) जे० ए० जी० (चयन ग्रेड)

रु० 4500-150-5700/-

(5) एस० ए० जी०

रु० 5900-200-6700/-

(6) इंजीनियर-इन-चीफ

रु० 7300-100-7600/-

“भारतीय प्रसारण (अभियंता) सेवा (ग्रुप “क”) के कनिष्ठ वेतनमान से सम्बद्ध कार्य एवं दायित्वों की प्रकृति”

रेडियो तथा दूरदर्शन प्रसारण केन्द्रों का प्रचालन, रख-रखाव, प्रबंध, योजना, अभिकल्पन, संस्थापन तथा उसे चालू करना। सम्बद्ध क्षेत्र में अनुसंधान कार्य तथा स्टाफ को प्रशिक्षण देना। अधीनस्थ स्टाफ के कार्यों का पर्यवेक्षण करने का दायित्व।

12. भारतीय नौसेना आयुध सेवा

(क) पद पर नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन नियुक्त किया जाएगा और यह अवधि सक्षम प्राधिकारी की विवेक्षा पर बढ़ाई जा सकती है। सक्षम प्राधिकारी की राय में परिवीक्षा अवधि संतोषजनक रूप से पूरी न करने पर उन्हें सेवा-मुक्त किया जा सकेगा।

(ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा नोटिस की अपेक्षित अवधि (अस्थायी नियुक्ति के मामले में एक महीना और स्थायी नियुक्ति के मामले में तीन महीने) देकर किसी समय भी नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु सरकार को नियुक्त उम्मीदवारों की सेवाएं नोटिस की अवधि या इसके समाप्त न हुए भाग के लिए वेतन तथा भत्तों के बराबर की राशि का भुगतान करके तत्काल या नोटिस की निर्धारित अवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त करने का अधिकार होगा।



(ग) वे समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा प्राक्कलन से प्रदत्त सिविलियन सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू सेवा शर्तों के अधीन रहेंगे। वे समय-समय पर संशोधित फील्ड सर्विस दायित्व नियमावली 1957 के अधीन होंगे।

(घ) उनका भारत या विदेश में कहीं भी स्थानांतरण किया जा सकेगा।

(ङ) वेतनमान तथा वर्गीकरण—ग्रुप — राजपक्षित

(i) उप-आयुध आपूर्ति रु० 2200-75-2800/-  
अधिकारी ग्रेड-II रु० 100-100-4000/-

(ii) उप-आयुध आपूर्ति रु० 3000-100-3500-  
अधिकारी ग्रेड- I 125-4500/-

(iii) नौसेना आयुध रु० 3700-125-4700/-  
आपूर्ति अधिकारी 150-5000-  
(साधारण ग्रेड)

(iv) नौसेना आयुध रु० 4500-150-5700/-  
आपूर्ति अधिकारी  
(चयन ग्रेड)

(v) निदेशक आयुध रु० 5900-200-6700/-  
आपूर्ति

(च) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अक्षर—

(1) उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड—

पांच वर्ष की सेवा रखने वाले उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-2 विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं चयन के आधार पर रु० 3000-4500/- के वेतनमान में उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-1 के पद में पदोन्नति के पात्र हैं परन्तु केवल उन्हीं अधिकारियों की पदोन्नति के लिए विचार किया जाएगा जिन्होंने ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो जो तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स आई० आई० टी० किरकी या तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स नौसेना तकनीकी स्टाफ अधिकारी कोर्स के बाव ली गई हो।

(2) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड)

उप-आयुक्त पूर्ति अधिकारी (ग्रेड-1) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में पांच वर्ष की सेवा की हो उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन किए जाने के आधार पर रुपये 3700-5000/- के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(3) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड)

नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में 5 वर्ष की सेवा की हो उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर

रुपये 4500-5700/- के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) में पदोन्नति के पात्र हैं।

(4) आयुध पूर्ति निदेशक

संबद्ध ग्रेड (ग्रेडो) में तीन वर्ष की सेवा रखने वाले नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु० 5900-6700/- के वेतनमान में आयुध पूर्ति निदेशक के रूप में पदोन्नति के पात्र हैं।

अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु या पुर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की हैं और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

नोट :— उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो परीक्षाधीन नियुक्ति के तत्काल पहले किसी आवाधिक पद के अतिरिक्त मूल रूप अस्थायी पद धारण किए हुए थे एफ० आर० 22ख (1) के प्रावधानों तथा भारतीय नौसेना परीक्षाधीन व्यक्तियों को लागू सी० एस० के० और तदनुसूची अनुच्छेद के लागू सी० एस० के० और तदनुसूची अनुच्छेद के अधीन विनियमित किया जा सकता है।

(छ) भारतीय नौसेना रक्षा मंत्रालय में उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-2 के पद से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप।

(1) विविध यॉन्त्रिक इलैक्ट्रानिकी तथा वैद्युत साधनों तथा उत्पादन तथा उत्पादकता प्रणाली वाले आयुध सामग्री की मरम्मत, आशोधन तथा अनुरक्षण से सम्बद्ध कार्य का प्रस्तुतीकरण, आयोजन तथा निर्देशन।

(2) मरम्मत, अनुरक्षण और ओवरहाल के लिए इलैक्ट्रानिक तथा वैद्युत उपकरणों की मशीनरी का उपलब्ध कराना।

(3) आयात प्रतिस्थापना से सम्बद्ध विकासीय कार्य, स्वदेशी अभिकल्पन विशिष्टियां तैयार करना।

(4) आयुध के लिए यॉन्त्रिकी इलैक्ट्रानिक तथा वैद्युत अतिरिक्त पार्ट्स का उपलब्ध कराना।

(5) आयुध (मिसाइल्स टारपेटोज माइन्स तथा गन) मापने वाले यंत्रों आदि के यॉन्त्रिकी इलैक्ट्रानिक वैद्युत मकों के उप-समूह तथा समूहों का आवाधिक अंशकन परीक्षण/जांच।

(6) फ्लीट तथा नौसेना प्रतिष्ठानों को आयुध भंडारण सम्बन्धी संयन्त्र सहायता प्रदान करना।

(7) आयुधों के बारे में यॉन्त्रिक इलैक्ट्रानिक तथा वैद्युत इंजीनियरी से सम्बद्ध सभी मामलों में सम्बद्ध सेवा की तकनीकी सलाह देना।



### 13. डाक तार भवन निर्माण ग्रुप 'क' सेवा में सहायक कार्यकारी इंजीनियर

(क) उम्मीदवारों की नियुक्तियां परीक्षा आधार पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी। उन्हें यथानिर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा। यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसमें यह आभास हो कि उसके कार्यकुशल होने की संभावना नहीं है, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है। परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी बना सकती है और यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को जितना उचित समझे ओर बढ़ा सकती है।

अधिकारियों को ऐसी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो परीक्षा अवधि के दौरान निर्धारित की जाएं। उन्हें हिन्दी में एक परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त अधिकारी के अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई, यदि कोई हो, भी सम्मिलित है।

परन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्य वेतन दर निम्न प्रकार है :  
ग्रुप "क"

(1) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल विद्युत्)  
र० 2220-75-2800- र० 100-100-4000/-

(2) कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) निर्माण सर्वेक्षक (सिविल) कार्यपालक इंजीनियर (मुख्यालय)  
र० 3000-100-3500-125-4500/-

(3) अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (सिविल) अधीक्षक इंजीनियर (मुख्यालय)  
र० 3700-125-4700-150-5000/-

(4) अधीक्षक इंजीनियर निर्माण सर्वेक्षक अधीक्षक (सिविल/विद्युत्) (चयन ग्रेड)  
र० 4500-150-5700/-

(5) मुख्य इंजीनियर (सिविल विद्युत्) (वरिष्ठ) प्रशासनिक ग्रेड

र० 5900-200-6700/-

(6) वरिष्ठ उप महानिदेशक (भवन निर्माण)

र० 7300-100-7600/-

(घ) डाक-तार सिविल स्कंध में उक्त पदों में जो कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व सम्बद्ध है वे नीचे दिए गए हैं :—

इंजीनियर सेवा परीक्षा के माध्यम से डाक-तार सिविल स्कंध में भर्ती हुए उम्मीदवारों को डाक-तार विभाग के विभिन्न सिविल निर्माणों के तिनमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, दूरभाष केन्द्र भवन, डाकघर, भवन, कारखाने, भण्डार तथा प्रशिक्षण केन्द्र आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और अनुरक्षण पर लगाया जाता है। उम्मीदवार विभाग में अपने सेवा सहायक कार्यकारी इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और सेवा करते हुए विभाग के विभिन्न वरिष्ठ पदों पर पदोन्नति पा जाते हैं।

### 14. ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय में सहायक कार्यपालक इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के पद

(क) ई० एम० ई० कोर में सहायक कार्यपालक इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के पद पर भर्ती व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर होंगे।

(ख) उक्त पद पर नियुक्त उम्मीदवारों को भारत में कहीं भी काम होगा।

(ग) ग्राह्य वेतन की दरें निम्न प्रकार हैं :—

(i) सहायक इंजीनियर र० 2000-60-2300-  
ग्रुप 'ख' र० 100-75-3200-  
100-3500

(ii) सहायक कार्यपालक र० 2200-75-2800-  
इंजीनियर ग्रुप 'क' र० 100-100-4000

(iii) कार्यपालक र० 3000-100-3500-  
इंजीनियर 125-4500

(iv) अधीक्षक इंजीनियर र० 3700-125-4700-  
150-5000

(v) अतिरिक्त मुख्य र० 4100-125-4850-  
इंजीनियर 150-5300

(vi) मुख्य इंजीनियर र० 5100-150-  
5700।

(घ) कर्तव्य :—'ए', 'बी' और 'सी' बाहुनों, तोप, वायरलेस तथा रेडार उपकरण व उपकरणों का मरम्मत कार्य करने वाले अनुभाग के प्रभारी के रूप में कार्य करना। ई० एम० ई० आर्मी बेस



वर्कशाप/स्टेशन वर्कशाप में अधिकारी के रूप में कार्य करना और/या स्टाप ई० एम० ई० (रिजमेंट के अलावा) रोजगार नियुक्तियों में कैप्टन (ई० एम० ई०) के स्थान पर कार्य करना या ई० एम० ई० प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशामनीय कर्तव्यों के साथ-साथ अनुदेशक के रूप में कार्य करना होगा।

(ङ) प्रारम्भ में उक्त पद गैर-पेंशनी हैं लेकिन स्थायी होने पर पद पेंशनी हो जाएंगे। किन्तु यदि सरकार के अधीन स्थायी पद पर कार्यरत व्यक्ति इस पद पर नियुक्त किया जाता है तो उसे पेंशन के भागे लाभ मिलते रहेंगे।

(च) उक्त पद के लिए चुने गए उम्मीदवार फील्ड में सेवा के दायित्व से प्रतिबद्ध हैं, उनका स्वस्थता-स्तर वर्ग 1 (एक) होना चाहिए।

(छ) चुने गए उम्मीदवारों की दो वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न विषयों के विशेष अध्ययन जैसे रेडार, दूर-संचार, टैंकों तथा बंदूकों आदि तथा विदेशों में विभिन्न कोमों का अध्ययन करने का अवसर मिलता है।

#### 15. भारतीय आपूर्ति सेवा/भारतीय निरीक्षण सेवा :

(क) चुने गए उम्मीदवारों की दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर अधिकारियों को स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाने पर स्थायी पदों के उपलब्ध होने ही स्थायी कर दिया जाएगा। सरकार इस दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि को बढ़ा भी सकती है।

यदि परिवीक्षा की उक्त अवधि या उसकी बढ़ी हुई अवधि के समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थायी नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है तथा परिवीक्षा की अवधि या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो वह उस अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जो वह उचित समझे अधिकारियों को स्थायी होने से पहले हिन्दो में एक बिहित परीक्षा भी उत्तीर्ण करनी होगी।

(ख) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति की आवश्यकता पड़ने पर भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित, यदि कोई हो, कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए या किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा;

किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) ग्राह्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं :—

कनिष्ठ समय वेतनमान

सहायक निदेशक (ग्रेड-1)

वेतन रु० 2200-75-2800-द० रो०-100-4000

वरिष्ठ समय वेतनमान

उपनिदेशक

वेतन रु० 3000-100-3500-125-4500

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सामान्य)

निदेशक (साधारण)

वेतन रु० 3700-125-4700-150-5000।

निदेशक (नात-फंक्शनल चयन ग्रेड)

वेतन रु० 4500-100-5700।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

उप महानिदेशक

वेतन रु० 5900-200-6700।

उच्च प्रशासनिक ग्रेड

अपर महानिदेशक

वेतन रु० 7300-100-7600।

टिप्पणी :—जिन सरकारी कर्मचारियों ने इस परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले आवधिक पद से अन्यथा किसी स्थायी पद पर स्थायी हैतियत से काम किया है उनका वेतन एफ० ग्रा० 22-बी (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ख) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क'/भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' से संबद्ध कार्य तथा जिम्मेदारियों का स्वरूप।

भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क'

इस सेवा के अधिकारियों का मुख्य कार्य केन्द्रीय सरकार के विभिन्न भागों के लिए आमतौर पर आवर्ती आधार पर



अपेक्षित भंडार सामग्री प्राप्त करने के लिए दीर्घाविधि अनुबंधों को कार्यरूप देना है। ऐसी भंडार सामग्री से हाईवेयर की साधारण वस्तुओं से लेकर परिष्कृत और कीमती इंजीनियरी और इलेक्ट्रॉनिकी वस्तुओं जैसी बहुत सी किस्में शामिल हैं। आवश्यकतानुसार अनुरोध प्राप्त होने पर, इस सेवा के अधिकारियों को विभिन्न सरकारी संगठनों की तदर्थ आवश्यकता के लिए वस्तुएं खरीदने का प्रबंध भी करना होगा। इसके साथ-साथ उन्हें ऐसी प्रयत्न नीतियां भी तैयार करनी होंगी जो अन्य सरकारी विभागों द्वारा अपनाई जाती हैं और ऐसे मामलों में अन्य सरकारी विभागों के अनुरोध पर उनका मार्गदर्शन भी करना होगा। उनके कार्यों में कतिपय श्रेणी की अधिशेष रक्षा भंडार सामग्री का निपटान करना तथा अनुरोध प्राप्त होने पर भारतीय बन्दरगाहों पर सरकारी माल की निकासी करना भी शामिल है। इसलिए भारतीय आपूर्ति सेवा के अधिकारियों से ऐसे बहुविध प्रकृति के कार्यों से निपटने के लिए अपेक्षित तकनीकी पृष्ठाधारों की अपेक्षा की जाती है।

#### भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क'

इंजीनियरी वस्तुओं तथा सामग्रियों और समवर्ती भंडारों का निरीक्षण तथा परीक्षण, कनिष्ठ अधिकारियों के काम का पर्यवेक्षण करना तथा यह देखना कि उनके अपने कार्य तथा कर्तव्यों के संबंध में पर्याप्त निवेदन मिल गए हैं, महत्वपूर्ण। कार्य की ओर व्यक्तिगत ध्यान देना, तकनीकी रिपोर्ट, विनिर्दिष्टियों तथा आवश्यक सूचियां बनाना और इंजीनियरी भंडारों के मांग पत्र के तकनीकी विवरणों की जांच करना, विभाग की अन्य शाखाओं के अधिकारियों, मांग पत्र भेजने वालों तथा निर्माताओं को इंजीनियरी मामलों में तकनीकी सलाह तथा सहायता देना।

#### 16. सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

(1) चुना हुआ उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परीक्षाधीन व्यक्ति की परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निहित विभागीय परीक्षणों को उत्तीर्ण करना होगा। परीक्षा की अवधि के दौरान या इसकी समाप्ति पर किसी समय यदि सरकार की राय में उसका कार्य और आचरण असंतोषजनक रहा है, तो हो सकता है कि सरकार या तो उसे कार्यमुक्त कर दे या उसकी परीक्षा अवधि यथा अपेक्षित समय के लिए बढ़ा दे।

(2) चुने गए उम्मीदवारों को भारत के किसी भी भाग या विदेश में जिसमें युद्ध तथा शान्ति के क्षेत्र सम्मिलित हैं, कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिए निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(3) उन्हें निम्नलिखित वेतनमान देय है :—

(क) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल)

2200-75-2800-द० रो० 100-

4000 रुपए।

कार्यकारी इंजीनियर (सिविल)

3000-100-3500-125-4500 रुपए

अधीक्षक इंजीनियर (सिविल)

3700-125-4700-150-5000 रुपए

अधीक्षक इंजीनियर (सिविल)

4500-150-5700 रुपए (चयन ग्रेड)

मुख्य इंजीनियर (सिविल)

5900-200-6700 रुपए

अपर महानिदेशक सीमा सड़क

7300-1300-700 रुपए

(ख) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (ई० एण्ड एम०)

2200-75-2800-द० रो०

100-4000 रुपए

कार्यकारी इंजीनियर (ई० एण्ड एम०)

3000-100-3500-125-4500 रुपए

अधीक्षक इंजीनियर (ई० एण्ड एम०)

3700-125-4700-150-5000 रुपए

अधीक्षक इंजीनियर (ई० एण्ड एम०) (चयन ग्रेड)

4500-150-5700 रुपए।

मुख्य इंजीनियर (ई० एण्ड एम०)

5900-200-6700 रुपए (उचित समय में

सृजन किया जाना है)।

(4) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षक इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (केवल सिविल इंजीनियर के अधिकारियों के लिए लागू) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की प्रतीक्षा कर सकते हैं। अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथा-पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की हैं और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी। यांत्रिक इंजीनियरी में



इस समय मुख्य इंजीनियर का कोई पद नहीं है।

भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को :—

(5) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी कुछ विनिर्दिष्ट इलाकों में तैनात होने पर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों की यथाग्राह्य अन्य सामान्य भत्तों जैसे मकान किराया भत्ता तथा नागरिक प्रतिपूरक भत्ता आदि के अलावा विहित दर पर विशेष प्रतिपूरक भत्ता और मुक्त राशन के हकदार हैं। वे वर्दी के वास्ते परिसरगत भत्तों के भी हकदार हैं।

(6) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप "क" के पदों पर नियुक्त अधिकारियों पर अनुशासन के मामले में श्रम सेवा अधिनियम, 1950 लागू होगा।

(7) सशस्त्र सेना अधिनियम के भाग 12 के उपबंधों के सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप "क" पर लागू हो मुक्त राशन के हकदार हैं। वे वर्दी के वास्ते परिपत्र नहीं होगी।

17. डाक-तार, दूर-संचार कारखाना संगठन में सहायक प्रबंधक, कारखाना

ग्रुप 'क' के पद

(1) वेतनमान रुपए 2200-4000 में सहायक प्रबंधक (कारखाना) के पदों पर भेज दिए गए व्यक्त दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेंगे।

(2) परीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवारों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार ऐसा व्यवहारिक प्रशिक्षण जो समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए, प्राप्त करना होगा; व्यावसायिक परीक्षा तथा हिन्दी परीक्षा उत्तीर्ण करना होगा।

(3) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक प्रबंधक (कारखाना) के पद पर नियुक्त किसी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बितायी गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त राजपत्र में कार्य नहीं करना होगा और

(ख) सामान्य 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(4) उच्चतर क्षेत्रों में पदोन्नति के अवसर :—

(क) अपने ग्रेड में कम से कम पांच वर्ष की नियमित सेवा कर चुकने वाले सहायक प्रबंधक रु० 3000-4500 के वेतनमान में वरिष्ठ इंजीनियर (वरिष्ठ समय वेतनमान) के ग्रेड में पदोन्नति पात्र हैं।

(ख) अपने ग्रेड में कम से कम पांच वर्ष की सेवा कर चुकने वाले वरिष्ठ इंजीनियर रुपए 3700-5000 के वेतनमान में कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में उप-महाप्रबंधक प्रबंधक (कारखाना) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(ग) अपने ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप-महाप्रबंधक दूरसंचार कारखाना में 4500-5700 रु० के वेतनमान में उप-महाप्रबंधक प्रबंधक (चयन ग्रेड) के अकार्यात्मक (नान फंक्शनल) चयन ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(घ) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (इसमें अकार्यात्मक चयन ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) में 8 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप-महाप्रबंधक/प्रबंधक अथवा ग्रुप 'क' पद में, जिसमें कम से कम 4 वर्ष की सेवा कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में होनी चाहिए, 17 वर्ष के नियमित सेवा वाले (इसमें अकार्यात्मक चयन ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) 5900-6700 रु० (वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड) के वेतनमान में महाप्रबंधक, दूर-संचार कारखाना के ग्रेड पदोन्नति के पात्र हैं।



(5) उक्त पदों से सम्बद्ध कार्य और उत्तरदायित्वों का स्वरूप :

राष्ट्रीयक प्रबंधक :—दूर-संचार भंडार के उत्पादन क्षेत्र में दूर-संचार विभाग के दूर-संचार कारखानों का प्रबंधन तथा प्रबंध और औद्योगिक और गैर-औद्योगिक कर्मचारियों और स्टाफ की नियुक्तियों सहित सेवा मामलों पर कार्य करता ।

वरिष्ठ इंजीनियर :—उत्पादन, आयोग, विकास, अनुरक्षण और नार आदि में सम्बद्ध शाखा के प्रधान और दूर-संचार कारखानों में विभिन्न व्यवसायों/संवर्गों में नियुक्त अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य करता ।

उप-महाप्रबंधक/प्रबंधक :—सामान्य प्रशासन, उत्पादन, अनुशासन आयोग आदि में सम्बद्ध दैनिक कार्यों में महाप्रबंधक की सहायता करना, कारखाना या उत्पादन एकक/स्कंध कार्यप्रभारी ।

महाप्रबंधक :—दूरसंचार कारखाना के प्रधान कारखाना के सामान्य प्रशासन, उत्पादन, या सेवा अनुशासन परि के तहत नियंत्रण हेतु उत्तरदायी ।

#### 18. भारतीय सर्वेक्षण ग्रुप 'क' सेवा

नियुक्तियों दो वर्ष की अवधि के लिए, रिश्वत या गार पर होगी ।

किन्तु शर्त यह है कि इस संबंध में नियंत्रण प्राधिकारी परीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार बढ़ा सकता है ।

अगली शर्त यह है कि परीक्षा अवधि बढ़ाने हेतु कोई निर्णय परीक्षा की पहली अवधि के समाप्त के बाद सामान्यतः आठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और संबंधित अधिकारी को ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अंदर विद्वान रूप में सूचित कर दिया जाएगा ।

परीक्षा अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समाप्त पर, जैसी भी स्थिति हो, यदि सरकार का यह मन हो कि कोई अधिकारी स्थायी नियुक्ति हेतु उत्तुंग नहीं है तो इसके कारण निश्चित रूप में रिहाई किए जाएं और सरकार उस अधिकारी को कार्य-मुक्त कर सकती है या उस पद पर वापस भेज सकती है, जिसे वह उक्त सेवा में, जैसी भी स्थिति हो, नियुक्ति से पहले धारण कर रहा था । परीक्षा या वही हुई परीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण कोर्स पास करना होगा और अनुदेशों का पालन करना होगा तथा परीक्षाएं और परीक्षा पास (इसमें हिन्दी की परीक्षा भी शामिल है) करने

होंगे जो सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि को संतोषजनक ढंग से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित किए जाएंगे ।

2. नियुक्ति किए गए अधिकारियों को भारत और विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है ।

3. नियुक्ति किए गए अधिकारियों को सरकार द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्णयों के अनुसार भारत और विदेश में ऐसे प्रशिक्षण और अनुदेशों के विस्तृत कार्यक्रमों में जाना पड़ सकता है ।

4. यदि आवश्यकता हुई तो प्रतियोगिता परीक्षा में परिणाम के आधार पर नियुक्ति किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पदों पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोत्तर रूप से कार्य नहीं करना होगा ।

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

#### 5. ग्राह्य वेतनमान निम्न प्रकार हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान 2200-75-2800-६० रो०-100-4000/- रु० ।

वरिष्ठ वेतनमान 3000-100-3500-125-4500/- रु०

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 3700-125-4700-150-5000/- रु० ।

चयन ग्रेड 4500-150-5700/- रु० ।

(कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड)

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 5900-200-6700/- रु० ।

भारत का महासर्वेक्षक 7300-100-7600/- रु० ।

#### 6. पद से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप :

उप अधीनस्थ सर्वेक्षक :—भूगर्भित फोटोग्रामेट्रिक मानचित्र कला और अंकीय मानचित्रण के क्षेत्रों में अनुशासित/कैम्पों का पर्यवेक्षण करने के लिए सर्वेक्षण का कार्य अलग-अलग कार्यकर्ता के रूप में करने के साथ-साथ अनुभाग अधिकारियों के रूप में भी



करना। यूनिट के तकनीकी तथा प्रशासनिक दोनों कार्यों में प्रभारी अधिकारी (अधीक्षक सर्वेक्षक) की भी महायता करना।

**अधीक्षक सर्वेक्षक :—**पार्टी के प्रबंध करना और अनुशासन रखना, भंडारों की अभिरक्षा करना, रखरखाव और परिशुद्ध लेखा-जोखा रखना, अपने अधिकार में होने वाली निधि को क्रियायत से व्यय करना, अपने सभी अधिकारियों और तैनात व्यक्तियों के अपने कार्यों (ड्युटियों) और कार्यों के लिए सर्वोत्तम उपयुक्त सर्वेक्षण विधि में उचित प्रशिक्षण देना, समस्त तकनीकी कार्यों का निष्पादन और पर्यवेक्षण करना फील्ड प्रमाणन, फेयर मानचित्रण, फोटोग्राफिती और अंकीय मानचित्रण आदि करना।

**उपनिदेशक :—**निदेशालय का सुचारु और कुशल संचालन करने में क्रियाशील निदेशक की सहायता करना, व्यावसायिक परीक्षणों सचिव की विभागीय पदोन्नति समितियों की बैठकों का आयोजन करने हेतु सभी तकनीकी, प्रशासनिक तथा वित्तीय प्रतिवेदनों तथा विवरणियों की समीक्षा करने, उनको पूरा करने और उन पर निगरानी रखने आदि का दायित्व संभालना, बसूली बोर्डों की बैठकों की अध्यक्षता करना, निविदाओं तथा सविदाओं को अंतिम रूप देना और निदेशक द्वारा सौंपे गए अन्य सभी कार्यों को सम्पन्न करना।

**निदेशक/उपनिदेशक चयन ग्रेड :—**सभी दायित्वों को संभालना, ग्रुप 'ग' के सभी कर्मचारियों की नियुक्त अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य करना, सर्वेक्षण तथा मानचित्रण कार्यों से संबंधित तकनीकी समन्वय करना, निदेशन करना, उनकी देख-रेख करना और उन पर निगरानी रखना जिसमें राज्य सरकारों केन्द्रीय परियोजना प्राधिकारियों आदि को सलाह देना भी शामिल है, वित्तीय प्रबंध करना, बजट कार्य करना, निदेशालय के समस्त व्यय पर निगरानी और नियंत्रण रखना।

**अपर महा सर्वेक्षक :—**अपने प्रभार के अधीन आने वाले सचिवों के तकनीकी, वैज्ञानिक, प्रशासनिक, वित्त एवं लेखा कार्यों को दक्षतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु समग्र दायित्व संभालना। अपने प्रभार के अधीन आने वाले सभी सचिवों के फील्ड और फेयर मानचित्रण कार्यक्रमों तथा मुद्रण-कार्य को अंतिम रूप देना, निर्धारित मानकों के अनुसार तकनीकी कार्य की प्रगति पर निगरानी रखना तथा प्रत्येक अवस्था पर परिशुद्धि के अपने शिक्षित स्तर को सुनिश्चित करना, कार्य की नवीन तकनीकी विधि को विकास करने/उसको अपनाने का दायित्व संभालना, अपने जोन में आने वाले सभी सर्वेक्षण मामलों पर राज्य सरकार को परामर्श देना।

## MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS

New Delhi-3, the 24th December 1996

### RESOLUTION

No. 6-1/91 WL I.—The Government of India has decided to reconstitute the Indian Board for Wildlife as follows :

#### Chairman

- Prime Minister of India.

#### Vice Chairman

- Union Minister of State for Environment and Forests.

#### Members

- Three members representing the Parliament of India—Two from Lok Sabha and one from Rajya Sabha.
- Five Non-Governmental Organisations to be nominated by the Government of India,

- Ten Non-officials to be nominated by the Government from amongst eminent conservationists, ecologists and environmentalists.
- Chief of Army Staff.

- Secretary to Government of India, Ministry of Environment and Forests.

- Secretary to Government of India, Ministry of Defence.

- Secretary to Government of India, Department of Expenditure, Ministry of Finance.

- Secretary to Government of India, Ministry of Commerce.

- Secretary to Government of India, Department of Education.

- Secretary to Government of India, Ministry of Information and Broadcasting.

- Inspector General of Forests, Ministry of Environment and Forests,



— Director General of Tourism,  
Government of India.

— Director General,  
Indian Council of Forest Research & Education,  
Dehra Dun.

— Director,  
Wildlife Institute of India,  
Dehra Dun.

— Director,  
Zoological Survey of India.

— Director,  
Botanical Survey of India.

— Director,  
Indian Veterinary Research Institute.

— Chairman,  
Animal Welfare Board.

— President,  
Board of Trustees,  
World Wide Fund for Nature, India.

— A member of Central Zoo Authority.

— One representative each from 10 states and Union Territories by rotation, as may be decided by Government of India from time to time. Such representative would be nominated by the concerned State Government/Union Territory Administration and would represent the Wildlife Organisation in the State/Union Territory.

#### Member Secretary

— Addl. Inspector General of Forests,  
Ministry of Environment and Forests,  
Government of India.

#### 2. The functions of the Board shall be :

- (i) To advise the Central and State Governments on ways and means of promoting conservation and effectively controlling poaching of wildlife through coordinated legislative and administrative measures;
- (ii) to advise on the setting up of national parks, sanctuaries and zoological gardens;
- (iii) to advise the Government on policy regarding export of living animals, trophies, skins, furs, feathers and other products of wildlife;
- (iv) to review from time to time the progress in the field of wildlife conservation in the country and suggest such measures for improvement as are considered necessary;

(v) to promote public interest in wildlife and on the need for its preservation in harmony with natural and human environment;

(vi) to assist and encourage the formation of wildlife societies and to act as a Central Coordinating Agency for all such bodies;

(vii) to perform such other functions as are germane to the purposes for which the Board is constituted;

(viii) to advise the Central Government on any matter that it may refer to the Board, provided the subject matter of the reference falls within the prescribed functions of the Board; and

(ix) to do all such other things either alone or in conjunction with others or on the direction of the Government of India, which the Board may consider necessary, advisable or conducive to the preservation and conservation of wildlife or for other similar purposes for which it is constituted, including those mentioned herein.

#### DURATION OF MEMBERSHIP :

(i) The term of the Board shall be for a period of four years after which it will be reconstituted, unless otherwise ordered.

(ii) The term of members, other than ex-officio members, shall be co-terminous with that of the Board. Members of Parliament nominated to the Board shall cease to be Members of the Board on their having ceased to be Members of Parliament.

#### 4. MEETINGS OF THE BOARD :

The Board shall ordinarily meet once a year and its meetings may be held in rotation in each of the four regions of the country as well as at the Centre.

5. The Board shall appoint a Standing Committee to :

- (i) Watch the implementation of the recommendations of the Board and to aid and advise the Central and State Governments on any matter arising therefrom;
- (ii) carry out all such functions of the Board as the Board may, from time to time, delegate to it, as well as to take action on behalf of the Board while it is not in session; and
- (iii) constitute specialised Committee, Sub-Committees and Study Groups as may be necessary, from time to time, for the proper discharge of the functions of the Board.

6. Travelling allowance and daily allowance will be payable to non-official members of the Board as admissible to Group A Officers of the Government of India, as and when meetings of the Board are held.



7. Government of India, Ministry of Environment and Forests (Department of Environment, Forests and Wildlife) Resolution No. 6-1/91-WL I dated the 28th January, 1991 regarding the Indian Board for Wildlife are hereby repealed.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

T. K. A. NAIR  
Secy.

#### ORDER

No. 6-1/91 WL I.—With reference to and in pursuance of this Ministry's Resolution No. 6-1/91 WL I dated the 24th December, 1996, reconstituting the Indian Board for Wildlife, it has been decided that the following 10 States/Union Territories would be represented on the Board for next two years :

1. Goa.
2. Gujarat.
3. Madhya Pradesh.
4. Manipur.
5. Meghalaya.
6. Punjab.
7. Tamil Nadu.
8. West Bengal.
9. Delhi.
10. Andaman & Nicobar Islands.

One representative from each of the above States/Union Territories would be nominated by the concerned State Governments/Union Territory Administration to represent the Wildlife Organisation in the State/Union Territory.

T. K. A. NAIR  
Secy.

#### ORDER

No. 6-1/91 WL I.—With reference to and in pursuance of this Ministry's Resolution No. 6-1/91 WL I, dated the 24th December, 1996, reconstituting the Indian Board for Wildlife, the following 5 Non Government Organisations have been nominated to the Board, until further orders :

1. President,  
Bombay Natural History Society.
2. Representative of CAT Specialist Group of IUCN's SSC—Shri Brijendra Singh.
3. Chairman, INTACH, New Delhi.
4. President,  
Centre of Wildlife Studies,  
Bangalore—Shri Ulhas Karanth.
5. Chairman,  
Ranthambore Foundation, New Delhi—  
Shri Valmik Thapar.

T. K. A. NAIR  
Secy.

#### ORDER

No. 6-1/91 WL I.—With reference to and in pursuance of this Ministry's Resolution No. 6-1/91 WL I, dated the 24th December, 1996, reconstituting the Indian Board for

Wildlife, the following three Members of Parliament, representing the Parliament of India have been nominated to the Board :

1. Shri V. Kishore Chandra S. Deo,  
MP, Rajya Sabha.
2. Smt. Maneka Gandhi,  
MP, Lok Sabha.
3. Smt. Rajkumari Ratna Singh,  
MP, Lok Sabha.

The members are entitled to get TA/DA for attending the meeting of the Board in accordance with the provisions of the Salary, Allowances and Pension of Members of Parliament Act, 1954 as amended from time to time and the rules made thereunder.

T. K. A. NAIR  
Secy.

#### ORDER

No. 6-1/91 WL I.—With reference to and in pursuance of this Ministry's Resolution No. 6-1/91 WL I, dated the 24th December, 1996 reconstituting the Indian Board for Wildlife, the following 10 Non-officials are nominated to the Board, until further orders :

1. Shri S. Deb Roy,  
Ex-Addl. IGF (Wildlife), New Delhi.
2. Shri Bittu Sehgal,  
Journalist & Environmentalist, Bombay.
3. Dr. L. M. Nath,  
Retired, Director, AIIMS.
4. Dr. M. K. Ranjitsinh,  
Ex-Director General, CAPART.
5. Ms. Usha Rai,  
Journalist, Delhi.
6. Shri J. C. Daniel,  
Naturalist, BNHS.
7. Shri Hashim Tayabji,  
Hyderabad.
8. Shri Claude Alvarez,  
Goa.
9. Dr. R. Sukumar,  
Chairman, IUCN Asian Elephant Specialist Group.

T. K. A. NAIR  
Secy.

#### MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES

New Delhi the 30th December 1996

#### RESOLUTION

No. 11015(5)/93-Hindi.—In partial modification of the Ministry of Non-Conventional Energy Sources Resolution No. 11015 (5)/93-Hindi dated 24th March, 1995, the following entry/substitution is hereby made in the composition of the Hindi Salahkar Samiti :—

- (i) The following entry is substituted at Sl. No. 1.  
"Shri C. Narain Swami,  
Member of Parliament (Lok Sabha) Member"
- (ii) The following entry is substituted at Sl. No. 5.  
"Dr. D. Mastan,  
Member of Parliament (Rajya Sabha) Member"
- (iii) The following entry is substituted at Sl. No. 6.  
"Shri Sat Mahajan,  
Member of Parliament (Lok Sabha) Member"



## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the members of the Samiti, all State Governments and Union Territory Administrations, President's Sectt., Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Sectt., Comptroller and Auditor General of India, Accountant General, Commerce, Works and Misc. Planning Commission and all Ministries and Departments of the Govt. of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

U. N. PANJIAR  
Jt. Secy.

## MINISTRY OF RAILWAYS

## (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 25th January 1997

## RULES

No. 96/E(GR)/18/2.—The Rules for a combined competitive Engineering Services Examination to be held by the Union Public Service Commission in 1997 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are, with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, published for general information.

## CATEGORY I—CIVIL ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts).
- (iii) Central Engineering Service.
- (iv) Military Engineer Service (IDSE) (Building and Roads Cadre).
- (v) Military Engineer Service (Surveyor of Works Cadre).
- (vi) Survey of India Service Group-A (Civil Engineering Posts).
- (vii) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts).
- (viii) Assistant Executive Engineer (Civil) in P&T Building Works (Group 'A') Service.
- (ix) Central Engineering Service (Roads) Group-A.
- (x) Assistant Executive Engineer (Civil) in Border Roads Engineering Service Group-A.
- (xi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Civil Engineering Posts).

## CATEGORY II—MECHANICAL ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts).
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).
- (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts).

- (vi) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts).
- (vii) Military Engineer Service (IDSE) (Electrical and Mechanical Cadre) (Mechanical Engineering Posts).
- (viii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).
- (ix) Assistant Executive Engineer (Elect. & Mech.) (Mechanical Engineering Posts), Border Roads (Engineering Service, Group-A).
- (x) Drilling Engineer (Junior) Group A in G.S.I.
- (xi) Mechanical Engineer (Junior) Group A in G.S.I.
- (xii) Assistant Manager (Factories), Department of Telecom. (Telecom Factories Organisation).
- (xiii) Central Engineering Service (Roads) Group 'A' (Mechanical Engineering Posts).
- (xiv) Assistant Executive Engineer Group 'A' (Mechanical Engineering Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.
- (xv) Indian Inspector Service, Group 'A' (Mech. Engineering Posts).
- (xvi) Indian Supply Service Group-A (Mechanical Engg. Posts).

*Group B Services/Posts*

- (xvii) Assistant Engineer, Group-B (Mechanical Engineering Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.

## CATEGORY III—ELECTRICAL ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts).
- (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts).
- (iv) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Posts).
- (v) Indian Naval Armament Service (Electrical Engineering Posts).
- (vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts).
- (vii) Assistant Executive Engineer (Electrical) in P&T Building Works (Group 'A') Service.
- (viii) Military Engineer Service (IDSE) (Electrical and Mechanical Cadre) (Electrical Engineering Posts).
- (ix) Assistant Manager (Factories), Department of Telecom. (Telecom Factories Organisation).
- (x) Assistant Executive Engineer (Electrical Engineering Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.
- (xi) Indian Inspector Service Group 'A' (Electrical Engineering Posts).
- (xii) Indian Supply Service Group 'A' (Electrical Engineering Posts). *Group B Services/Posts.*
- (xiii) Assistant Engineer Group 'B' (Electrical Engineering Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.



# CATEGORY IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

## Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/Electronics Engineering Posts).
- (iii) Indian Telecommunication Service.
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation; Ministry of Communications (Department of Telecommunication).
- (v) Indian Broadcasting (Engineers) Service.
- (vi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts).
- (vii) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts).
- (viii) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts).
- (ix) Survey of India Service Group 'A' (Electronics and Telecom Engineering Posts).
- (x) Assistant Manager (Factories), Department of Telecom. (Telecom Factories Organisation).
- (xi) Indian Inspector Service Group 'A' (Electronics Engineering Posts).
- (xii) Indian Supply Service Group 'A' (Electronics Engineering Posts).
- (xiii) Assistant Executive Engineer Group 'A' (Electronics Engineering Posts) in the Corps of E.M.E. Ministry of Defence.

## Group B Services/Posts

- (xiv) Assistant Engineer Group B (Electronics Engineering Posts) in the Corps of E.M.E. Ministry of Defence.

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix-I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services/ Posts mentioned above. A candidate who qualifies on the result of the written part of the examination will be required to indicate clearly in the detailed application form the Services/Posts for which he wishes to be considered in the order of preferences. The candidate is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointment.

N.B. (i)—Candidates are advised to indicate all the Services/Posts for which they are eligible in terms of the Rules in the order of preference in their detailed application form. In case a candidate does not give any preference for any Service/Post or does not include certain Services/Posts in his application form it will be assumed that he has no specific preference for those Services/Posts, and in that event he shall be allocated to any of the remaining Services, Posts in the order as appearing in the notification and in which there are vacancies after allocation of candidate according to the Services/Posts of their preference. In making such allocation the candidate shall be considered first for Group 'A' Services/Posts and then for Group 'B' Services/Posts.

N.B. (ii)—No request for addition/alteration in the preferences indicated by a candidate in his detailed application form will be entertained by the Commission.

N.B. (iii)—Candidates should give their preferences only for the Services and Posts for which they are eligible in terms

of the Rules and for which they have qualified in the written part of the examination. Preference given for Services and Posts for which they are not eligible and for Services and Posts in respect of which they have not qualified at the written part of the examination will be ignored.

N.B. (iv)—DEPARTMENTAL CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION UNDER AGE RELAXATION [VIDE RULE 5(b)] MAY GIVE THEIR PREFERENCES FOR THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ALSO. THEY WILL HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

N. B. (v)—Candidates admitted to the examination under the proviso to Rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso and their preference for other Services and Posts, if any, will be ignored.

N.B. (vi)—The candidates will be allotted to various Services/Posts strictly in accordance with their merit position, preference exercised by them and number of vacancies, subject to their medical fitness.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary, may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility Certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 28 years on the 1st August 1997 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1959 and not later than the 1st August, 1976.

(b) Subject to condition mentioned in N.B. (iv) below Rule 2, the upper age-limit of 28 years will be relaxable up to 33 years in the case of the Government servants of the following categories, if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned in column 1 below and apply for admission to the examination for all or any of the Service(s)/Post(s) mentioned in column 2, for which they are otherwise eligible.



- (i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.
- (ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August, 1997.

Column 1	Column 2
Railway Department	I.R.S.E. I.R.S.M.E. I.R.S.E.E. I.R.S.S.E. I.R.S.S.
Central Public Works Department	C.E.S.—Group 'A' C.E. & M.E.S. Group 'A'
Engineer in Chief Army Headquarters	M.E.S., Group 'A' (I.D.S.E.—B & R Cadre) and Surveyer of Works Cadre MES Group (I.D.S.E.—E & M Cadre)
Directorate General Ordnance Factories	I.O.F.S. Group 'A'
Central Water Commission	C.W.E. Service (Group 'A')
Central Electricity Authority	C.P.E. Service (Group 'A')
Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation	Engineer (Group A)
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service
All India Radio/Doordarshan	Junior Scale of Indian Broadcasting (Engineer) Service.
Indian Navy	Indian Naval Armament Service.
Ministry of Communication, Department of Telecommunication & Deptt. of Posts	Indian Telecommunication Service Group A. Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) in P & T Building Works (Group A) Service, Assistant Manager (Factories) Group A, P & T Telecom, Factories Organisation.
Deptt. of Science & Technology	Survey of India Service Group 'A'.
Directorate General of Supplies and Disposals	I. S. S. Group 'A', I. I. S. Group 'A'
Geological Survey of India	Mechanical Engineers (Junior) Group 'A', Drilling Engineer (Junior) Group 'A'.

NOTE.—The period of apprenticeship if followed by appointment against a working post on the Railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concessions.

(c) The upper age limit prescribed above will be further relaxable :

- (i) Upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.

(i) Upto a maximum of three years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence hereof;

(ii) Upto a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(iv) Upto a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs, who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1997 and have been released (i) on completion of assignment including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August 1997 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment.

(v) Upto a maximum of ten years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers, and ECOs/SSCOs who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1997 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August, 1997 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment.

(vi) Upto a maximum of five years in the case of Ex'Os/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1997 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment;

(vii) Upto a maximum of ten years in the case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes who are also ECOs/SSCOs and have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1997 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

(viii) Upto a maximum of three years in the case of candidates belonging to Other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.

Note : (I) The term ex-servicemen will apply to the persons who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules 1979, as amended from time to time.

Note : (II) Candidates falling under rule 5(c) (ii) to (viii) who do not belong to Scheduled Castes and Scheduled Tribes are not eligible for age concession if they have already joined any Government job on civil side after availing of the age concession. The Ex-Servicemen who have already secured regular employment under the Central Government in a civil post are, however, permitted the benefit of age relaxation as admissible to Ex-Servicemen for securing another employment in any higher post or Service under the Central Government.

Note : (III) Candidates belonging to Other Backward Classes who are also covered under any other clauses of



Rule 5(c) above, viz. those coming under the category of Ex-Servicemen etc. will be eligible for grant of cumulative age-relaxation under both the categories.

N.B.—The Candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled if, after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application to the department is transferred to other department/office will be eligible to complete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer provided his application has been forwarded by his parent department.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.**

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by the Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, Service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the Instruction include the alternative certificate mentioned above.

**NOTE 1 :** Candidates should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission, and no subsequent request for its change will be considered or granted.

**NOTE 2 :** Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the Commission for the purpose of admission to an Examination, no change will be allowed subsequently or at any other Examination of the Commission

**6. A candidate must have—**

- (a) obtained a Degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other Educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (b) passed Sections A and B of the Institution Examination of the Institution of Engineers (India); or
- (c) obtained a Degree/Diploma in Engineering from such foreign University/College/Institution and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or
- (d) passed Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Tele-communication Engineers (India); or
- (e) passed Associate Membership Examination, Parts II and III/Sections A and B of the Aeronautical Society of India; or
- (f) passed Associate Membership Examination (Sections A and B) of the Institution of Mechanical Engineers (India); or

(g) passed Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November 1959.

Provided that a candidate for the posts of Engineer Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service and Indian Naval Armament Service (Electronics Engg. Posts) may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below namely :—

M.Sc. degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics or Radio Engineering as a special subject.

**Note 1.**—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the requisite qualifying examination alongwith the detailed applications which will be required to be submitted by the candidates who qualify on the result of the written part of the examination.

**Note 2.**—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

**Note 3.**—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee-prescribed in the Commission's Notice.

8. All Candidates in Government service, whether in permanent or in temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the acceptance of the application of a candidate and his eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the Examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission viz. written Examination and Interview Test will be purely provisional subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after the written Examination or Interview Test it is found that they do not fulfil one of the eligibility conditions their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or



- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under the Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation if any submitted by the candidate, within the period allowed to him; into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may be summoned for an interview for a Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interviews the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the result of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may to the extent of the number of vacancies reserved for the

Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes be recommended by the Commission by a relaxed standard subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/Posts at the time of their application.

DEPARTMENTAL CANDIDATES WILL HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS, THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless the Government is satisfied after such an enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturdays, Sundays and closed holidays). For this purpose the successful candidates will be required to present themselves before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses they should take with them the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examinations or in its venue would ordinarily be acceded to.

*The candidates should note that no requests for grant of exemption from the medical examination will be entertained under any circumstances.*

The attention of the candidates is invited to the Regulations relating to the Physical Examination published herewith. It will be seen therefrom that the physical standards prescribed vary for different services. The candidates are therefore, advised to keep these standards in view with specific reference to services for which they have competed/expressed preferences to the UPSC.

The candidates may also please note that:

- (i) A sum of Rs. 30 (Rupees Thirty only) in cash is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and



### 1 (a) FLUID MECHANICS, OPEN CHANNEL FLOW, PIPE FLOW :

Fluid Properties, Pressure, Thrust, Buoyancy; Flow kinematics; Integration of flow equations; Flow measurement; Relative motion; Moment of momentum; Viscosity, Boundary layer and Control, Drag, Lift; Dimensional Analysis, Modelling; Cavitation; Flow oscillations; Momentum and Energy principles in open channel flow, Flow controls, Hydraulic jump, Flow sections and properties; Normal flow, Gradually varied flow; Surges; Flow development and losses in pipe flows; Measurements; Siphons; Surges and Water hammer; Delivery of Power; Pipe networks.

### (b) HYDRAULIC MACHINES AND HYDROPOWER :

Centrifugal pumps, types, performance parameters, scaling, pumps in parallel; Reciprocating pumps, air vessels, performance parameters; Hydraulic ram; Hydraulic turbines types, performance parameters, controls, choice; Power houses, classification and layout, storage, pondage, control of supply.

### 2 (a) HYDROLOGY :

Hydrological cycle, precipitation and related data analysis, PMP, unit and synthetic hydrographs; Evaporation and transpiration; Floods and their management, PMF; Streams and their gauging; River morphology; Routing of floods; Capacity of Reservoirs.

### (b) WATER RESOURCES ENGINEERING :

Water resources of the globe; Multipurpose uses of Water; Soil Plant-Water relationships, irrigation systems, water demand assessment; Storages and their yields, groundwater yield and well hydraulics; Water-logging, drainage design; Irrigation revenue; Design of rigid boundary canals, Lacey's and Tractive force concepts in canal design, lining of canals; Sediment transport in canals; Non-overflow and overflow sections of gravity dams and their design, Energy dissipators and tailwater rating; Design of headworks, distribution works, falls, cross-drainage works, outlets; River training.

### ENVIRONMENTAL ENGINEERING

#### 3 (a) WATER SUPPLY ENGINEERING :

Sources of supply, yields, design of intakes and conductors; Estimation of demand; Water quality standards; Control of Water-borne diseases; Primary and secondary treatment, detailing and maintenance of treatment units; Conveyance and distribution systems of treated water, leakages and control; Rural water supply; Institutional and industrial water supply.

#### (b) WASTE WATER ENGINEERING :

Urban rain water disposal; Systems of sewage collection and disposal; Design of sewers and sewerage systems; pumping; Characteristics of sewage and its treatment, Disposal of products of sewage treatment, streamflow rejuvenation; Institutional and industrial sewage management; Plumbing Systems; Rural and semi-urban sanitation.

#### (c) SOLID WASTE MANAGEMENT :

Sources, classification, collection and disposal; Design and Management of landfills.

#### (d) AIR AND NOISE POLLUTION AND ECOLOGY :

Sources and effects of air pollution, monitoring of air pollution; Noise pollution and standards; Ecological chain and balance, Environmental assessment.

#### 4 (a) SOIL MECHANICS :

Properties of soils, classification and interrelationship; Compaction behaviour, methods of compaction and their choice; Permeability and seepage, flownets, Inverted filters; Compressibility and consolidation; Shearing resistance, stresses and failure; Soil testing in laboratory and in-situ;

Stress path and applications; Earth pressure theories, Stress distribution in soils; Soil exploration, samplers, load tests, penetration tests.

#### (b) FOUNDATION ENGINEERING :

Types of foundations, Selection criteria, bearing capacity, settlement, laboratory and field tests; Types of piles and their design and layout, Foundations on expansive soils, swelling and its prevention, foundations on swelling soils.

#### 5 (a) SURVEYING :

Classification of surveys, scales, accuracy; Measurement of distances—direct and indirect methods; optical and electronic devices; Measurement of directions, prismatic compass, local attraction; Theodolites-types; Measurement of elevations—Spirit and trigonometric levelling; Relief representation; Contours; Digital elevation modelling concept; Establishment of control by triangulation and traversing—measurements and adjustment of observations, computation of coordinates; Field astronomy, Concept of global positioning system; Map preparation by plane tabling and by photogrammetry; Remote sensing concepts, map substitutes.

#### (b) TRANSPORTATION ENGINEERING :

Planning of highway systems, alignment and geometric design, horizontal and vertical curves, grade separation; Materials and construction methods for different surfaces and maintenance; Principles of pavement design; Drainage, Traffic Surveys; Intersections, signalling; Mass transit systems, accessibility, networking.

Tunnelling, alignment, methods of construction, disposal of muck, drainage, lighting and ventilation, traffic control, emergency management.

Planning of railway systems terminology and designs relating to gauge, track, controls, transits, rolling stock, tractive power and track modernisation; Maintenance; Appurtenant works; Containerisation.

Harbours—layouts, shipping lanes, anchoring, location identification; Littoral transport with erosion and deposition; Sounding methods; Dry and wet docks, components and operations; Tidal data and analyses.

Airports—layout and orientation; Runway and taxiway design and drainage management; Zoning laws; Visual aids and air traffic control; Helipads, hangers, service equipment.

### MECHANICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

PAPER-I (Code No. 21 for objective type paper and 23 for conventional paper)

1. Thermodynamics, Cycles and IC Engines, Basic concepts, Open and Closed systems. Heat and work. Zeroth, First and Second Law, Application to non-Flow and Flow processes. Entropy, Availability, Irreversibility and Tds relations. Clapeyron and real gas equations, Properties of ideal gases and vapours. Standard vapour, Gas power and Refrigeration cycles. Two stage compressor. C. I. and S. I. Engines. Pre-ignition, Detonation and Diesel-knock, Fuel injection and Carburation, Supercharging Turbo-prop and Rocket engines, Engine Cooling, Emission & Control, Flue gas analysis, Measurement of Calorific values. Conventional and Nuclear fuels, Elements of Nuclear power production.

2. Heat Transfer and Refrigeration and Airconditioning. Modes of heat transfer. One dimensional steady and unsteady conduction, Composite slab and Equivalent Resistance. Heat dissipation from extended surfaces, Heat exchangers, Overall heat transfer coefficient, Empirical correlations for heat transfer in laminar and turbulent flows and for free and forced Convection Thermal boundary layer over a flat plate. Fundamentals of diffusive and convective mass transfer, Black body and basic concepts in Radiation, Enclosure theory,



Shape factor, Net work analysis. Heat pump and Refrigeration cycles and systems, Refrigerants, Condensers, Evaporators and Expansion devices, Psychrometry, Charts and application to air conditioning, Sensible heating and cooling, Effective temperature, Comfort indices, Load calculations, Solar refrigeration, Controls, Duct design.

### 3. FLUID MECHANICS

Properties and classification of fluids, Manometry, Forces on immersed surfaces, Center of pressure, Buoyancy, Elements of stability of floating bodies. Kinematics and Dynamics. Irrotational and incompressible, inviscid flow, Velocity potential, Pressure field and Forces on immersed bodies. Bernoulli's equation, Fully developed flow through pipes, Pressure drop calculations, Measurement of flow rate and Pressure drop. Elements of boundary layer theory, Integral approach, Laminar and turbulent flows, Separations, Flow over weirs and notches. Open channel flows, Hydraulic jump. Dimensionless numbers, Dimensional analysis, Similitude and modelling. One-dimensional isentropic flow, Normal shock wave, Flow through convergent-divergent ducts, Oblique shock-wave, Rayleigh and Fanno lines.

### 4. FLUID MACHINERY AND STREAM GENERATORS.

Performance, Operation and control of hydraulic Pump and impulse and reaction Turbines, Specific speed, Classification, Energy transfer, Coupling, Power transmission. Steam generators, Fire-tube and water-tube boilers. Flow of steam through Nozzles and Diffusers, Wetness and condensation. Various types of steam and gas Turbines, Velocity diagrams, Partial admission, Reciprocating, Centrifugal and axial flow Compressors, Multi-stage compression, role of Mach Number, Reheat, Regeneration, Efficiency, Governance.

Paper-II (Code No. 22 for objective type paper and 24 for conventional paper)

#### 5. Theory of Machines :

Kinematic and dynamic analysis of planer mechanisms. Cams, Gears and gear trains. Flywheels, Governors, Balancing of rigid rotors and field balancing, Balancing of single and multicylinder engines. Linear vibration analysis of mechanical systems. Critical speeds and whirling of shafts. Automatic Controls.

#### 6. Machine Design :

Design of Joints : cotters, keys, splines, welded joints, threaded fasteners, joints formed by interference fits.

Design of friction drives : couplings and clutches, belt and chain drives, power screws.

Design of Power transmission systems : gears and gear drives, shaft and axle, wire ropes.

Design of bearings : Hydrodynamic bearings and rolling element bearings.

#### 7. Strength of Materials :

Stress and strain in two dimensions, Principal stresses and strains, Mohr's construction, linear elastic materials, isotropy and anisotropy, stress-strain relations, uniaxial loading, thermal stresses. Beams : Bending moment and shear force diagram, bending stresses and deflection of beams. Shear stress distribution. Torsion of shafts, helical springs. Combined stresses, thick and thin-walled pressure vessels. Struts and columns. Strain energy concepts and theories of failure.

#### 8. Engineering Materials :

Basic concepts on structure of solids. Crystalline materials. Defects in crystalline materials. Alloys and binary phase diagrams. Structure and properties of common engineering materials. Heat treatment of steels. Plastics, Ceramics and composite materials. Common applications of various materials

#### 9. Production Engineering :

Metal Forming : Basic Principles of Forging, drawing and extrusion; High energy rate forming; Powder metallurgy.

Metal Casting : Die casting, investment casting, Shell Moulding, Centrifugal Casting, Gating & Rising design; melting furnaces.

Fabrication Processes : Principles of Gas, Arc, Shielded arc Welding; Advanced Welding Processes. Weldability; Metallurgy of Welding.

Metal Cutting : Turning, Methods of Screw Production, Drilling, Boring, Milling, Gear Manufacturing, Production of flat surfaces, Grinding & Finishing Processes. Computer Controlled Manufacturing Systems—CNC, DNC, FMS, Automation and Robotics.

Cutting Tool Materials, Tool Geometry, Mechanism of Tool Wear, Tool Life & Machinability; Measurement of cutting forces Economics of Machining. Unconventional Machining Processes. Jigs and Fixtures. Fits and tolerances. Measurement of surface texture, Comparators, Alignment tests and reconditioning of Machine Tools.

#### 10. Industrial Engineering :

Production Planning and Control : Forecasting—Moving average, exponential smoothing, Operations scheduling; assembly line balancing, Product development, Break-even analysis, Capacity planning, PERT and CPM.

Control Operations : Inventory control—ABC analysis, EOQ model, Materials requirement planning, Job design, Job standards, Work measurement, Quality Management—Quality analysis and control.

Operations Research : Linear programming—Graphical and Simplex methods, Transportation and assignment models. Single server queuing model.

Value Engineering : Value analysis for cost/value.

#### 11. Elements of Computation :

Computer Organisation, Flow charting, Features of Common Computer Languages—FORTRAN, d Base III, Lotus 1-2-3, C and elementary programming.

## ELECTRICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

PAPER -I (Code No. 41 for objective type paper and 43 for conventional paper)

#### 1. KM Theory

Electric and magnetic fields. Gauss's Law and Ampere's Law. Fields in dielectrics, conductors and magnetic materials. Maxwell's equations. Time varying fields. Plane-Wave propagation in dielectric and conducting media. Transmission lines.

#### 2. Electrical Materials

Band Theory. Conductors, Semi-conductors and Insulators. Super-Conductivity. Insulators for electrical and electronic applications. Magnetic materials. Ferro and ferri magnetism. Ceramics, properties and applications. Hall effect and its applications. Special semiconductors.

#### 3. Electrical Circuits

Circuit elements. Kirchoff's Laws. Mesh and nodal analysis. Network Theorems and applications. Natural response and forced response. Transient response and steady-state response for arbitrary inputs. Properties of networks in terms of poles and zeros. Transfer function. Resonant circuits. Three-phase circuits. Two-port networks. Elements of two-element network synthesis.

#### 4. Measurements and Instrumentation

Units and Standards. Error analysis. Measurement of current, Voltage, Power, Power-factor and energy. Indicating instruments. Measurement of resistance, inductance, Capacitance and frequency Bridge measurements. Electronics measuring instruments. Digital Voltmeter and frequency counters Transducers and their applications to the measurement of non-electrical quantities like temperature, pressure, low-rate displacement, acceleration, noise level etc. Data acquisition systems. A/D and D/A Converters.



The minimum height prescribed is relaxable in case of candidate belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes, etc. whose average height is distinctly lower.

(c) For the Indian Ordnance Factories Service Group A a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

4. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidly and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be repressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetres to halves.

5. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulders blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 83—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fraction of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

6. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms—fraction of a kilogram should not be noted.

7. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) General.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eye, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for Service.

(ii) Visual Acuity.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests—one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the conditions of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Service	Distant Vision		Near Vision	
	Better eye (corrected Vision)	Worse eye	Better eye (corrected Vision)	Worse eye
1	2	3	4	5
A. Technical				
1. Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal)	6/6 OR 6/9	6/12  6/9	J/I	J/II

1	2	3	4	5
2. Central Engineering Service Group A	6/6	6/12	J/I	J/II
Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A Indian Inspection Service Group 'A' Central Water Engineering Service Group A. Central Power Engineering Service Group A, Central Engineering Service (Roads) Group A and Indian Telecommunication Service Group A Assistant Executive Engineer (Civil or Electrical) in P & T Building Works (Group 'A') Service. Post of Engineer, Group A in WP & C Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service, Indian Naval Armament Service, Indian Ordnance Factories Service Group A Border Road Engineering Service Group "A"	6/9	6/9		
3. Military Engineer Service Group 'A'. Assistant Executive Engineer (Group A) and Assistant Engineer (Group 'B') in the corps of EME Assistant Manager (Factories) Group 'A'. P & T Telecommunication Factories Organisation B. Non-Technical	6/6 OR 6/9	6/18  6/9	J/I	J/II
4. Indian Railway Stores Service and Mechanical Engineer (Junior) Group 'A' Drilling Engineer (Jr.) Group A in G.S.I. Indian Supply Service Group 'A'	6/9	6/12	J/I	J/II

NOTE (1)

(a) In respect of the Technical Services mentioned at A above, the total amount of myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed + 4.00D.



Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special boards of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is Pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

#### NOTE (2)

The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned at A above except the Indian Telecommunication Service Group A.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :

Grade	Higher Grade of colour perception	Lower Grade of colour perception
1. Distance between the and the candidate	16'	16'
2. Size of aperture	1.3 mm	13 mm
3. Times of exposures	5 seconds	5 seconds

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other service connected with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Service/posts which require higher or lower grade colour perception are as indicated below :—

Technical Services or posts requiring higher grade colour Perception

- (i) Railway Engineering Services.
- (ii) Military Engineering Service (IDSE and Surveyor Cadre).
- (iii) Survey of India Group 'A' Service.
- (iv) Central Engineering Service (Roads).
- (v) Central Power Engineering Service.
- (vi) Assistant Manager (Factories) Group 'A' (P&T) Telecom. Factories Organisation.
- (vii) Border Roads Engineering Service, Group 'A'.
- (viii) Assistant Executive Engineer (Group A) and Assistant Engineer (Group B) in the Corps of EME.
- (ix) Indian Inspection Service.

Technical Services or posts requiring lower grade colour perception

- (i) Central Engineering Service.
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service.
- (iv) Indian Ordnance Factory Service.
- (v) Central Water Engineering Service.
- (vi) Assistant Executive Engineer (Civil & Electrical) in P&T Building Works (Group 'A') Service.
- (vii) Junior Scale in Indian Broadcasting (Engineers) Service.

—421 GI/96

- (viii) Engineer Group 'A' in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edrings Green's lantern shall be used for testing colour vision.

NOTE (3) Field of vision—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (4) For Night Blindness.—Night blindness need not be tested as a routine but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

NOTE (5) For Central Engineering Services the Candidates may be required to pass the colour vision test and undergo test for night blindness when considered necessary by the Medical Board. For Survey of India Group 'A' Service the candidate may be required to pass a 'stereoscopic fusion' test.

NOTE (6) Ocular conditions, other than visual acuity—

(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) Squint.—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential, squint even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has sub-normal vision the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has—

- (i) 6/6 distant vision and J/I near vision with or without glasses provided the errors in any meridian is not more than 4 dipters for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for Post/Services classified as "TECHNICAL".

NOTE (7) Contact Lenses :—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed.

NOTE (8) It is necessary that when conducting eye test the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE (9) It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

#### 8. Blood pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal, maximum, systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus age.

- (ii) With subject over 25 years of age general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.



N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

#### Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise of excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be free from cloths to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to above 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stand when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

9. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion fit or unfit. The candidates will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain candidate for several days in hospital under strict supervision.

10. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

11. The following additional points should be observed:—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist. Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Services, the Military Engineer Services, the

Indian Telecommunication Service Group A, Central Engineering Service Group A, Central Electrical Engineering Service Group 'A' and the Border Roads Engineering Service Group 'A'. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard:—

1	2	3
(1) Marked or total deafness in one year other being normal	Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in higher frequency.	
(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid	Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in speech frequencies of 1000 to 4000.	
(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.	<p>(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other Perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.</p> <p>(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.</p> <p>(iii) Central Perforation both ear—Temporarily unfit.</p>	
(4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides	<p>(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.</p> <p>(ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.</p>	
(5) Persistently discharge ear operated/unoperated	Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.	
(6) Chronic Inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.	<p>(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.</p> <p>(ii) If deviated nasal septum is present with Symptoms Temporarily Unfit.</p>	
(7) Chronic inflammatory condition of tonsils and or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.	



1	2	3
		(ii) Hoarseness of Voice of severe degree if present then Temporarily Unfit.
(8) Benign or locally malignant tumours of the E. N. T.		(i) Benign Tumours—Temporarily Unfit.
		(ii) Malignant Tumours—Unfit.
(9) Otosclerosis		If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of a hearing aid—Fit.
(10) Congenital defects of ear, nose or throat.		(i) If non-interfering with functions—Fit.
		(ii) Stuttering severe degree—Unfit.
(11) Nasal Poly		Temporarily Unfit.

(b) that his/her speech is without impediment;

(c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth) will be considered as sound;

(d) that the chest is well formed and his chest expansion is sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, varicose, veins or piles;

(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination;

(m) that he is free from communicable disease.

12. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration; the Chairman of the Board may consult a Hospital psychiatrist/psychologist etc.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

13. The Candidates who desire to file an appeal against the decision of the Medical Board are required to deposit an appeal fee of Rs. 50/- in such a manner as may be prescribed by the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board) in this behalf. This fee will be refundable only to those candidates who are declared fit by

the Appellate Medical Board whereas in the case of others it will be forfeited. Along with appeal the Candidates must submit a medical certificate by a registered doctor specifically mentioning that he is aware of the candidate having been declared unfit by a Medical Board. Candidates must have a copy of this certificate when they present themselves before the Medical Board. The appeals should be submitted within 21 days of the date of communication in which the decision of the first Medical Board is conveyed to the candidate; otherwise request for medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board will be arranged only at candidate's own cost. No travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journey performed in connection with the medical examination of the Appellate Medical Board. Necessary action to arrange medical examination by the Appellate Medical Board will be taken by the Ministry of Railways (Railway Board) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee within the stipulated time.

14. The decision of the Appellate Medical Board will be final and no appeal shall lie against the same.

#### Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical examiner:

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance of the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy.

Government, or the appointing authority as the case may be that he has no disease constitutional affliction or bodily injury unfitness him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service the ground for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.



The Medical re-examination shall be deemed to be part of the 1st Medical Examination and candidates may, if they so desire, appeal against its decision.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the declaration 'appended thereto'. Their attention is specially directed to the warning contained in the Note below—

1. State your name in full (block letters)

.....  
.....  
.....

2. State your age and birth place .....

2. (a) Do you belong to races such as Gorakhs, Garhwalis, Assamese Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes', state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood asthma, heart disease, lungs disease, fainting, attacks, rheumatism appendicitis;

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

.....  
.....  
.....

4. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause.

.....  
.....  
.....

5. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
(1)	(2)	(3)	(4)


Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
(5)	(6)	(7)	(8)


6. Have you been examined by a Medical Board before ?

.....  
.....

7. If answer to the above is 'Yes' please state what Service(s)/post(s) you were examined for ?

8. Who was the examining authority ?

9. When and where was the Medical Board held ?

.....  
.....  
.....

10. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or it known .....

.....  
.....

I declare all the above answers to be true and correct to the best of my belief.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence .....

Signature of Chairman of the Board

Note—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed of for feiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate) Physical examination. ....

1. General development .....  
Good ..... Fair ..... Poor ..... Nutrition  
Thin ..... average ..... Obese ..... Height  
(without shoes) ..... weight ..... Best Weight

When ? ..... Any recent change in weight . ....  
temperature .....

Girth of chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin Any obvious disease .....

3. Eyes

(1) Any disease .....

(2) Night Blindness .....

(3) Defect in colour vision .....

(4) Field of vision .....

(5) Visual acuity .....

(6) Fundus Examination .....

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses		
			SPh	Cyl	Axis
Distant vision		R.E. L.E.			
Near vision		R.E. L.E.			
Hypermetropia		R.E. L.E.			
Manifest					







confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respect.

(c) Scales of pay :—

- (i) Junior Scale—Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.
- (ii) Senior Scale—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
- (iii) Junior Administrative Grade II—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.
- (iv) Senior Administrative Grade II—Rs. 5900-200-6700/-.

In addition there are supertime scale posts carrying pay between Rs. 5900/- and Rs. 8000/- to which the officers of the above Services are eligible.

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent in probation to wards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.

Failure to pass the departmental and other examination during the period of probation may result in stoppage or postponement of increment.

(f) Refund of the cost of training :—If for any reasons which in the opinion of the Government, are not beyond the control of the probationer, a probationer wishes to withdraw from training or probation, he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other money paid to him during the period of his probation. For this purpose probationers will be required to furnish a Bond a copy of which will be enclosed alongwith their orders of appointment. The probationers permitted to apply for examination for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not however, be required to refund the cost of the training.

(g) Leave :—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) Medical Attendance :—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) Passes and Privilege Ticket Orders :—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) Provident Fund and Pensions :—Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(k) Candidates recruited to the Services/Posts are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

(l) Liability to serve in Defence Service :—The probationers appointed shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :—

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

## 2. CENTRAL ENGINEERING SERVICE GROUP A AND CENTRAL ELECTRICAL AND MECHANICAL ENGINEERING SERVICE GROUP A.

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they would be considered for confirmation or continuance in

their appointment. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Services Group 'A' are eligible for promotion to the next higher grade viz., Executive Engineer after completion of five years service in the grade of Assistant Executive Engineer, subject to availability of vacancies and on condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if, so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence, of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

- (i) J.T.S. (A.E.E.) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-
- (ii) S.T.S. (E.E.) Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
- (iii) Junior Administrative Grade (S.E.) :
  - (a) Ordinary Grade Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.
  - (b) Selection Grade Rs. 4500-150-5700/-.
- (iv) Senior Administrative Grade (C.E.) Rs. 5900-200-6700/-.
- (v) Super time Scale.

Additional DG (W) D.G.R. Rs. 7300—7600—These Posts are common to Rs. 8000/- fixed all the three disciplines i.e. Civil, Electrical and Mechanical and Architectural.

Note—The pay of a Government servant who held a permanent posts other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).

(i) Central Engineering Service Group A.

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes, highway and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Civil) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

(ii) Central Electrical and Mechanical/Engineering Service Group A.

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electric substations and power houses, air-conditioning and refrigeration runway lighting of aerodromes, operation



of mechanical workshops, procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

### 3. MILITARY ENGINEER SERVICE GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. A probationer during his probationary period may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient or if the probationer fails to pass the prescribed tests during the period Government may discharge him. On the conclusion of the period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further periods as Government may consider fit.

Probationers will be required to pass the MES Procedure Suodts. (B/R & E/M) Grade I Examination and Hindi Test during their probationary period of two years. The standard for Hindi Test should be "PRAGYA" (equivalent to Matriculation standard).

(b) (i) The selected candidates shall if so required be liable to serve as commissioned officers in the Armed Forces for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any,

Provided that such a candidate—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilian in Defence Service (Field Liability) Rules of 1957 published under SRO No. 92, dated 9th March 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) the following are the rates of pay:—

- (a) Assistant Executive Engineer/Assistant Surveyor of Works—Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.
- (b) Executive Engineer/Surveyor of Works—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
- (c) Superintending Engineer (Ordinary Grade)/Superintending Surveyor of Works (Ordinary Grade).—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.
- (d) Superintending Engineer (Selection Grade)/Superintending Surveyor of Works (Selection Grade).—4500-50-5700/-.
- (e) Additional Chief Engineer—Rs. 4500-50-5700/- plus Special pay of Rs. 400/-.
- (f) Chief Engineer/Chief Surveyor of Works—Rs. 5900-200-6700/-.
- (g) Additional Director General (Works)—Rs. 7300-100-7600/-.

### 4. INDIAN ORDNANCE FACTORY SERVICE GROUP A

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 2 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of Director General Ordnance Factories/Chairman, O.F. Board. Probationer will undergo such practical training as shall be provided by the Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language test will be a test in Hindi.

On the conclusion of the period of his probation Government will confirm the officer in his appointment. If however, during or at the end of the period of probation his

work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidate shall also be subject to Civilian in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under SRO No. 92 dated 9th March, 1957, published medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the Scales of Pay admissible;—

Jr. Time Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
Sr. Time Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
Jr. Admin. Grade (OG)	Rs. 3700-125-4700-150-5000
Jr. Admin. Grade (SG)	Rs. 4500-150-5700.
Sr. Admin. Gr.	Rs. 5900-200-6700.
Sr. General Manager	Rs. 7300-100-7600.
Addl. DDGO/Member OFB	Rs. 7300-200-7500-250-8000.
DDGO/Chairman OFB	Rs. 8000.

Note:—The pay of Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 15(6)/64/D(Appts) 105 'D' (Civ. I) dated the 25th November, 1965 as amended from time to time.

(d) Probationers are required to undergo Foundational course at Mussoorie/Nagpur.

(e) A probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

### 5. INDIAN TELECOMMUNICATION SERVICE

#### GROUP-A

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith on the conclusion of his period of probation. Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officer will be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass tests in Hindi before confirmation.

(b) Officers will also be required to pass professional and language test.

(c) Any person appointed on the results of this Competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person:—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.



(d) the following are the scales of pay admissible:—

- (i) Junior Time Scale : Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.
- (ii) Senior Time Scale : Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
- (iii) Junior Administrative Grade : Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.
- (iv) Selection Grade JAG : Rs. 4500-150-5700/-.
- (v) Senior Administrative Grade : 5900-200-6700/-.
- (vi) C.G.M. Grade : Rs. 7300-100-7600/-.
- (vii) Advisers Grade : Rs. 7300-200-7500-250-8000/-.
- (viii) The Officers shall also be eligible for consideration for the posts of Members of the Telecom. Commission which is equivalent to Secretary to Govt. of India—Rs. 8000/-.

Note : The pay of a Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22B(I).

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 2350 an officer in the Junior Scale of Indian Telecommunications Service, Group A will not draw any increment till he passes the departmental examinations.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the post in the Indian Telecommunication Service (Group A).

#### *Assistant Divisional Engineer*

Assistant Divisional Engineers will be Incharge of a Telegraphs/Telephones Engineering Sub-Division. Incharge of Carrier VFT Coaxial Microwave. Long Distance Electrical and Wireless Station and will work generally under a Divisional Engineer. They may also be attached to project Organisation to carry out installation/construction job of various Telecommunication net work.

#### *Divisional Engineer*

Divisional Engineers are placed Incharge of Telegraphs/Telephones Engineering Division including Long Distance, Coaxial Microwave maintenance Division and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in the charge and will also execute work within their Division. When Divisional Engineers are attached to Project Organisations they will be required to do construction/installation job in the unit.

#### *Junior Administrative Grade*

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephones Districts and administration and planning of Telecommunication installations, research and development in Telecommunication system etc. Overall incharge of management and administration of Minor Telephone District. Telecommunication Circle etc.

#### *Senior Administrative Grade and CGM Grade*

Head of Telecommunications Circle/Telephones District/Project Circle/Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. Deputy Director General, Telecom Commission provides the top level assistance to the Telecom Commission in framing policy and in overall administration. Sr. DDG Telecom Engineering Centre and DDGs Telecom Engineering Centre are responsible for overall research activities of the Telecommunication/Engineering Centre.

#### *Advisor Grade*

In the rank of Additional Secretary to the Government of India primarily responsible for formulating the personnel policies: Operations and maintenance of the telecom networks—both local and long distance; ensuring Annual Plan Implementation by the field units by ensuring timely approval of projects and production/supply of necessary

equipment to the field units; and assessment and induction of the new technologies into the telecom network.

### 6. CENTRAL WATER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Water Commission shall be on probation for a period of two years.

Provided that the Government may, where necessary extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person :—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) The officers appointed to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can take forward for promotion to higher grade of Deputy Director/Executive Engineer/Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade)/Chief Engineer/Member/Chairman, CWC after fulfilling the prescribed conditions.

(iv) The scales of pay for Group 'A' Engineering post in Central Water Commission are as follows :—

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Commission).

1. Assistant Director/ Assistant Executive Engineer	Rs. 2220-75-2800-EB-4500-100-4000.
2. Deputy Director/ Executive Engineer	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
3. Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
4. Director/Superintending Engineer/Selection Grade).	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer	Rs. 5900-200-6700.
6. Member CWC/ Chairman GFCC.	Rs. 7300-100-7600.
7. Chairman CWC	Rs. 8000 (fixed)

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group A) Service.

#### *Assistant Director (Civil and Mechanical)*

Planning, Surveys investigation and design of projects, including preparation of estimates, reports etc., for the conservation and regulation, of water resources for the development of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood control and other purposes.



*Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical)*

Responsible for the Sub-Division or other units of works allotted to him. He is required to maintain accounts records of cash and stores under his charge as well as work abstracts with certain accompaniments for each work as process in the Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc.

**7. CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE***(i) Description of the Organisation*

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong, adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission, Distribution and Utilisation of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility, technical analysis, economic viability, etc. to ensure that the schemes would fit into the overall development of the States as well as the Region and will conform to the overall context of National Economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy power providing its main motive force.

*(ii) Description of the grade to which the recruitment is made through the Engineering Services Examination held by Union Public Service Commission.*

Fifty per cent of vacancies in the grade of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer in the scale of Rs. 2200-4000/- are filled by direct recruitment on the results of the Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission annually.

Persons appointed to the posts of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer of the Central Power Engineering (Group A) shall be on probation for a period of two years provided that the Government may, where necessary extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof, as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation, the candidate may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any, provided that such persons—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

*(iii) Promotion to higher grades*

The officers appointed to the posts of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer are eligible for promotion to higher grade viz. Deputy Director/Executive Engineer/Director, Superintending Engineer (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade) and Chief Engineer subject to availability of vacancies in the grade concerned, after fulfilling the conditions laid down in the Central Power Engineering (Group A) Service Rules 1965 as amended from time to time.

*(iv) Scale of pay*

The scale of pay for the posts of Central Power Engineering (Group A) Services in the Central Electricity Authority are as follows :—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority :—

Name of the Post	Pay Scale
1. Assistant Director (Grade-I)/ Assistant Ex-Engineer	Rs. 2200-75-2800-EB-100 4000.
2. Dy. Director/ Ex-Engineer	Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500.
3. Director/Supd. Engineer (Ordinary Grade)	Rs. 3700-125-4700-EB-150-5000.
4. Director/Supd. Engineer (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer/ Member-Secretary	Rs. 5900-200-6700.

*(v) Duties and responsibilities*

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director (Grade I)/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical data required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including creation; operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution Power Systems, studying project reports, providing assistance in preparation of power plans, designs or projects etc. While working in field Units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him.

**8. POSTS IN THE GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Persons recruited to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) (Group A posts) in the Geological Survey of India in a temporary capacity will be on probation for a period of two years. Retention in service for a further period over two years will depend on assessment of their work during the period of probation. This period may be extended at the discretion of the Government. They will receive pay in time scale of Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-. On completion of their period of probation satisfactorily, if they are considered fit for permanent appointment they will be considered for confirmation according to rules subjects to the availability of substantive vacancies.

The persons appointed to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India, shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period of training, if any

Provided that such a person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as Drilling Engineer (Junior) or Mechanical Engineer (Junior) Geological Survey of India; and
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The following is the field of promotion open to those found fit according to the rules and instruction on the subject :—

A—For Drilling Engineer (Junior) (Group 'A')—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-.

- (i) Drilling Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
- (ii) Director (Drilling)—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.



(iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-.

(iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600/-.

**B—For Mechanical Engineer (Junior) Group A—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-.**

(i) Mechanical Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.

(ii) Director (Mechanical Engineering)—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.

(iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-.

(iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600/-.

The Officers recruited in the Geological Survey of India will be required to serve anywhere in India or outside the country.

**NOTE :—**The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provisions of F.R., 22-B(I).

*Nature of duties & responsibilities attached to the posts in Geological Survey of India Mechanical Engineer (Junior)*

Maintenance & repairs of drills, vehicles & other equipment, allotment of drivers & vehicles for various field duties and assignment, scrutiny and maintenance of P.O.L. issues and records, log books, history sheets etc. Fabrication and Manufacturing of Drilling & Scientific accessories.

*Drilling Engineer (Junior)*

Carrying out drilling operation in connection with mineral exploration with one or more drilling rigs, ensuring optimum percentage of ore recovery, upkeeping of machinery and vehicles deployed in good order, security of Government Stores and imprest placed at his disposal, maintenance of stores and cash accounts and looking after the welfare of staff employed under him.

**9. ENGINEERS (GROUP A) IN THE WIRELESS PLANNING AND COORDINATION WING/MONITORING ORGANISATION, MINISTRY OF COMMUNICATIONS DEPARTMENT OF TELECOMMUNICATIONS).**

(a) Scale of pay Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.

(b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser. Wireless Planning and Coordination Wing/Engineer-in-Charge, Monitoring Organisation (Scale of Pay Rs. 3000-100-3500-125-4500/- plus Rs. 200/- per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

All Assistant Wireless Adviser and Engineer-in-Charge with 5 years service in the Grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser/Deputy Director (Scale Rs. 3700-125-4700-150-5000/-). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser/Deputy Director are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for Group A posts.

The requirements for promotion to the next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.

(d) Any person appointed to the post of Engineer shall if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than 4 years including the period spent on training if any.

Provided that such a person :—

(i) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(ii) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(e) Nature of Duties and Responsibilities Attached to the Post.

(i) Supervision, guidance and training of staff in the different units of the WPC Wing/Wireless Monitoring Organisation.

(ii) Installation, calibration, testing and maintenance of various categories of electronic equipment, antennae and ancillaries employed in radio frequency monitoring, covering the entire radio frequency spectrum and various types of commissions.

(iii) Licensing and inspection of wireless installations of the various user departments/Organisations for different types of the radio communication services.

(iv) All aspects relating to national and international co-ordination for the use of radio frequency spectrum and geostationary satellite orbit, including preparation of allocation plans, establishment of relevant technical standards, type-approved of equipment, studies of electromagnetic interference compatibility etc.

(v) Administration of Internal Radio Regulations including formulation and implementation of corresponding national rules and regulations.

(vi) Conducting of examination for Certificate of Proficiency/Radio Armatures etc. and issuing of respective Licenses :

(vii) Research and development work relevant to radio frequency management and monitoring.

(viii) National level preparation for the conference and meeting of International Telecommunication Union, and as appropriate, or other international/regional organisations dealing with telecommunications.

**10. CENTRAL ENGINEERING SERVICE (ROADS), GROUP A**

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation if they are considered fit for permanent appointments, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if at any time during such period of probation on extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods of extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person —

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.



(c) The following are the scale of pay admissible :

Assistant Executive Engineer Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.

Executive Engineer Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.

Superintending Engineer Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.  
Superintending Engineer (Selection Grade) Rs. 4500-150-5700/-.

Chief Engineer Rs. 5900-200-6700/-.

Additional Director General (Road/Bridges) Rs. 7300-100-7600/-.

Director General (Roads Development) and Additional Secretary Rs. 7300-200-7500-250-8000/-.

Note : The pay of Government servant who held a permanent post other than a tenure post in substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services, Group A/Group B will be regulated subject to the provision of P.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

(i) Civil Engineering Posts :—

To assist the Senior Technical Officers at Hqrs. and in the Regional Offices etc. of the Roads Wing, Ministry of Surface Transport in planning, preparing designs and estimates of Roads/Bridges work and scrutiny of proposals for such work received from the States.

(ii) Mechanical Engineering Posts :—

To assist the Senior Technical Officers at Hqrs. and in the Regional Offices etc. of the Roads Wing, Ministry of Surface Transport in planning, procurement, operation and maintenance of Roads/Bridges constructions equipments to prepare estimates for repairs and maintenance of such equipments and scrutiny of proposals and estimates received from the States.

#### 11. INDIAN BROADCASTING (ENGINEERS) SERVICE, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

(a) Every officer on appointment to the Service either by direct recruitment or by promotion in Junior scale shall be on probation for a period of two years :

(i) Provided that the Controlling Authority may extend or curtail the period of probation in accordance with the instruction issued by Government from time to time.

(ii) Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing with the said period.

(iii) On completion of the period of probation or any extension thereof Officers shall, if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointments on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies as the case may be.

(iv) If, during the period of probation or any extension thereof, as the case may be Govt. is of the opinion that an officer is not fit for permanent appointment in Government it may discharge or revert the candidate to the post held by him prior to his appointment in the Service, as the case may be or pass such orders as they deem fit.

(v) During the period of probation or any extension thereof candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instruction

and to pass such examination and tests (including examination in Hindi) as Govt. may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

(b) Appointment to the Service.—All appointments to the service shall be made by the Controlling Authority for all the posts in various grades of the Service whether in 'Akashvani' or in 'Doordarshan'.

(c) Liability for service in any part of India and other conditions of service :—

(i) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

(ii) Any officer appointed to the Service, if so required, shall be liable to serve in any Defence Service or a post connected with the defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any.

Provided that such officers :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of his appointment to the Service or from the date of his joining prior to the initial constitution of the Services.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid if he has attained the age of 40 years.

(d) The conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are applicable from time to time, to officers of Central Civil Services in general

The following are the scales of pay admissible :—

1. Junior Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
2. Senior Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500
3. Junior Administrative Grade	Rs. 3700-125-4700-150-5000
4. Junior Administrative Grade (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700
5. Senior Administrative Grade	Rs. 5900-200-6700.
6. Engineer-in-Chief	Rs. 7300-100-7600

Nature of Duties and responsibilities attached to the Post of Junior Scale of Indian Broadcasting (Engineers) Service (Group A) : Operation maintenance; management; planning; design; Installation and commissioning of radio and Television broadcast stations, Research and training of staff in the associated fields. Responsibility for the supervision of the work of subordinate staff.

#### 12. INDIAN NAVAL ARMAMENT SERVICE

(a) Candidates selected for appointment to the service will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service.

(b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment by competent authority). The Government, however, reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion thereof.



- (c) They will be subject to terms and conditions of the Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time. They will be subjected to Field Service Liability Rules 1957 as amended from time to time.
- (d) They will be liable for transfer anywhere in India or abroad.
- (e) Scale of pay and classification—Group A Gazetted.
- (i) Deputy Armament Supply Officer, Grade-II—Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.
  - (ii) Deputy Armament Supply Officer, Grade-I—Rs. 3000—100—3500—125—4500.
  - (iii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) Rs. 3700—125—4700—150—5000.
  - (iv) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)—Rs. 4500—150—5700.
  - (v) Director of Armament Supply—Rs. 5900—200—6700.
- (f) Prospects of Promotion to higher grades :—

(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade I DASOs Grade II with 5 years service are eligible for promotion to the grade of DASO Grade I in the scale of pay of Rs. 3000—4500/- on the basis of selection on the recommendations of DPC provided that only those officers will be considered for promotion who have passed the departmental examination which may be held after technical training course or the naval Technical Staff Officers Course at the I.A.T., Kirkee.

(ii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade).

Deputy Armament Supply Officer, Grade I with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) in the pay scale of Rs. 3700—5000 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iii) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade).

Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament supply Officer (Selection Grade) in the pay scale of Rs. 4500—5700 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iv) Director of Armament Supply.

Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) with 3 years service in the grade(s) are eligible for promotion to the grade of Director of Armament Supply in the pay scale of Rs. 5900—6700 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

The requirements for promotion to next higher grade as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

The pay of the Government servant who held a permanent post other than tenure post in a substantive capacity immediately prior to his appointment as a probationer may be regulated subject to the provision of P.R. 22B(I) and the Corresponding article in CSR applicable to probationer in the Indian Navy.

(c) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Armament Supply Officer Grade II in the Indian Navy, Ministry of Defence.

( ) Production, planning and direction of work relating to repair, modification and maintenance

of armaments, incorporating various mechanical, electronics and electrical devices and system production and productivity.

(ii) Provision of machinery, electronic and electrical equipment for repair, maintenance and overhaul.

(ii) Development work to establish import substitutes, preparation of indigenous design specifications.

(iv) Providing of mechanical, electronics and electrical spares for armaments.

(v) Periodical calibration testing/examination of sub-assemblies and assemblies of mechanical electronics and electrical items of armaments (missiles, torpedos, mines and guns) measuring instruments etc.

(vi) Providing logistic support in respect of armament stores to fleet and Naval Establishments.

(vii) Rendering of technical advice to the service in all matters relating to mechanical, electronic and electrical engineering in respect of armaments.

### 13. ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEERS IN P&T BUILDING WORKS (GROUP 'A') SERVICE

(a) The candidates will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo a training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment. If his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may, either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

(b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(i) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the scales of pay admissible :—

Group A

(i) Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(ii) Executive Engineer (Civil) Surveyor of Works (Civil) Executive Engineer (Head Quarter) Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) Superintending Engineer (Civil)/Superintending Surveyor of Works (Civil)/Superintending Engineer (Head Quarter) Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(iv) Superintending Engineer/Superintending Surveyor of Works (Civil/Electrical) (Selection Grade) Rs. 4500-150-5700.

(v) Chief Engineer (Civil/Electrical) (Senior Administrative Grade) Rs. 5900-200-6700/-.

(vi) Senior Deputy Director General (Building Works) Rs. 7300-100-7600.

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in P&T Civil Wing are as follows :—

Candidates recruited to P&T Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning,



Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P&T Department comprising of Residential Buildings, Office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Buildings, Factories, Store and training centres etc. The candidates start their service in the department as Asstt. Executive Engineers/and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the department.

#### 14. POSTS OF ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEER/ ASSISTANT ENGINEER IN THE CORPS OF EME, MINISTRY OF DEFENCE :—

- (a) Persons recruited to the post of Assistant Executive Engineer/Assistant Engineer in the Corps of EME will be on probation for a period of two years.
- (b) Candidates appointed to the post will be liable to serve any where in India.
- (c) The following are the rates of pay admissible :—
  - (i) Assistant Engineer—Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-3500.
  - (ii) Assistant Executive Engineer—Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
  - (iii) Executive Engineer—Rs. 3000-100-3400-125-4500.
  - (iv) Superintending Engineer—Rs. 3700-125-4700-150-5000.
  - (v) Additional Chief Engineer—Rs. 4500-150-5700.
  - (vi) Chief Engineer—Rs. 5100-150-5700.
- (d) Duties.—To function as an incharge of a section undertaking repairs of 'A', 'B' and 'C' Vehicles, Guns, Wireless and Radar Equipment and instruments, will be required to work as Workshop Officer in EME Army Base Workshop/Station Workshops and/or Staff EME (Extra-Regimental Employment) appointments in lieu of captain (EME) or as Instructor in EME Training Establishments including administrative duties.
- (e) The posts are non-pensionable in the initial stage but become pensionable if and when made permanent. However, if a person holding a permanent pensionable post under Government is appointed he will continue to enjoy his pensionary status.
- (f) Candidates selected for the post are bound for field service liability and should possess medical category 1 (one).
- (g) The officers have chances of further studies like M. Tech. specialization in various discipline viz. Radar, communication, tanks and guns etc. and various courses in foreign countries :—

#### 15. INDIAN SUPPLY SERVICE INDIAN INSPECTION SERVICE :—

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. On completion of the period of probation the officers, if considered fit for permanent appointment, will be confirmed in their appointments subject to availability of permanent posts. The Government may extend the period of two years of probation.

If on the expiry of the period of probation or any extension thereof, the Government are of the opinion that an officer is not fit for permanent employment, or if at any time during such period of probation or extends on thereof they are satisfied that any officer will not be fit for permanent appointment on the expiry of such period or extension thereof they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

The officer will also be required to pass a prescribed test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the result of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the defence of

India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

#### Junior Time Scale

Assistant Director (Grade-1) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

#### Senior Time Scale

Deputy Director Rs. 3000-100-3500-125-4500.

#### Jr. Administrative Grade

Director (Ordinary) Rs. 3700-125-4700-150-5000.

Director (Non-Functional Selection Grade) Rs. 4500-150-5700.

#### Sr. Administrative Grade

Deputy Director General Rs. 5900-200-6700.

#### Higher Administrative Grade

Additional Director General Rs. 7300-100-7600.

NOTE :—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to this appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Indian Supply Service Group 'A'/Indian Inspection Service Group 'A' :—

#### INDIAN SUPPLY SERVICE GROUP 'A'

The main item of work of the officers of this Service is to conclude long term contracts for procurement of stores which are commonly required by various Central Government Departments on recurring basis. Such stores cover a wide variety of items starting from simple hardware items to sophisticated and costly engineering and electronic items. As and when requested, the officers of this Service are also to arrange purchase of ad-hoc requirements of stores of different Government organisations. In addition, they are to frame purchase policies which are adopted by other Government Departments also and, when requested, guide other Government Departments in such matters. Their duties also include disposal of certain categories of surplus Defence stores and clearance of Government cargoes at the Indian ports of entry on request. The officers of the Indian Supply Service are therefore, expected to possess the requisite technical backgrounds to deal with such diversified nature of duties.

#### INDIAN INSPECTION SERVICE GROUP 'A'

Inspection and testing of Engineering articles and materials and stores of allied nature, supervision of Junior Officers work and ensuring that they are adequately instructed on their work and duties, personal attention to work of importance, drafting of technical reports, specifications and Schedules of requirements and checking of the technical particulars of indents for engineering stores rendering of technical advice and assistance in engineering matters to offices of other branches of the Department indentors and manufacturers.

#### 16. BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE GROUP 'A'

- (i) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during the probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. At any time during the period of probation or on conclusion thereof, if his work and conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend



the period of probation for such further period as Government may consider fit

- (ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.

- (iii) The following are scales of pay admissible to them :—

(a) AGE(Civil)	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
Executive Engineer (Civil)	Rs. 3000-100-3500-125-4500
Superintending Engineer (Civil)	Rs. 3700-125-4700-150-5000
Superintending Engineer (Civil) (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700
Chief Engineer (Civil)	Rs. 5900-200-6700
Addl DGBR.	Rs. 7300-100-7600
(b) AEE (E&M)	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
Executive Engineer (E&M)	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
Superintending Engineer (E&M)	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
Superintending Engineer (E&M) (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700.
Chief Engineer (E&M) Proposed to be created in due course!	Rs. 5900-200-6700.

- (iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.

No post of Chief Engineer exists at present on the Mechanical Engineering side.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

- (v) The Officers appointed to the service are entitled to special compensatory allowance and free ration at prescribed scales when employed in certain specified area besides the other usual allowances such as H.R.A. and C.C.A. etc., as admissible to Central Government Servants. They are also entitled to outfit allowances for the uniform.
- (vi) The Officers appointed to the Border Roads Engineering Service Group 'A' post would also be subject to Army Act, 1950 for the purpose of discipline.
- (vii) Ladies are ineligible for appointment in Border Roads Engineering Service Group A in view of the extension of the provisions of Section 12 of the Army Act to this Service.

#### 17. POSTS OF ASSISTANT MANAGER (FACTORIES) GROUP A IN THE P & T TELECOM FACTORIES ORGANISATION :—

- (i) persons recruited to the post of Assistant Manager (Factories) in the scale of pay Rs. 2200—4000/- shall be on probation for a period of 2 years.

- (ii) During the period of probation, the candidate shall be required to undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed by the Central Government from time to time and are required to pass a professional examination and a test in Hindi.

- (iii) Any person appointed to the post of Assistant Manager, (Factories) shall, if so required be liable to serve in the Defence Services or posts connected with the Defence of India, for a period not less than four years including the period spent on training if any.

Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (iv) Prospects of promotion to higher grades :
- (a) Assistant Managers with a minimum of 5 years of a regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Engineer (Sr. Time Scale) in the scale of Rs. 3000—4500/-.
- (b) Senior Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy General Manager/Manager (Factories) in Junior Admn. Grade in the scale of pay of Rs. 3700—5000/-.
- (c) Deputy General Manager/Manager with 5 years regular service rendered in the grade are eligible for promotion to the Non-Functional Selection Grade of Deputy General Manager/Manager (Selection Grade), Telecom Factory in the scale of Rs. 4500—5700/-.
- (d) Dy. General Manager/Manager with 8 years regular service in Junior Administrative Grade (including service, if any, in the Non-functional Selection Grade) or 17 years of regular service in Group 'A' Post, out of which at least 4 years regular service should be in the JAG Grade (including service, if any, in the Non-functional selection Grade) are eligible for promotion to the Grade of Chief General Manager, Telecom Factory in the scale of Rs. 5900—6700/- (Senior Administrative Grade).
- (v) Nature of duties and responsibilities attached to the post :

Assistant Manager—Supervision and management of Telecom Factories of Department of Telecom in the areas of production of Telecom stores and to deal with service matters of industrial and non-industrial workers and staff including their appointments.

Senior Engineer—Head of a branch viz., production planning, Development, Maintenance, Tools etc. and to work as Appointing and Disciplinary Authority for various trades/cadres in Telecom Factories.

Deputy General Manager/Manager (Selection Grade) and Deputy General Manager/Manager—To assist the Chief General Manager in day-to-day work of general administration, production discipline, planning etc. Incharge of a Factory or production unit/Wing.

Chief General Manager—Head of the Telecom Factory, Responsible for overall control, of general administration, production, planning, discipline, etc. in the Factory.

#### 18. SURVEY OF INDIA GROUP 'A' SERVICE

1. Appointments will be made on probation for a period of two years.



Provided that the Controlling Authority may extend the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time in this regard.

Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken ordinarily within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

On completion of the period of probation or any extension thereof, as the case may be, if the Government is of the opinion that an officer is not fit for permanent appointment, for reasons to be recorded in writing, may discharge or revert the officer to the post held by him prior to his appointment in the service, as the case may be.

During the period of probation, or any extension thereof, candidates may be required by Government to undergo such courses of training and instructions and to pass examinations and tests (including examination in Hindi) as Government may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

2. Officers appointed shall be liable to serve anywhere in India and abroad.

3. Officers appointed shall be liable to undergo such training and be detailed on courses of instruction in India or abroad as the Government may decide from time to time.

4. Any person appointed on the result of competitive examination shall if so required be liable to serve in any defence services or posts connected with defence of India for a period not less than 4 years including the period spent on training, if any, provided that such persons shall not be required:—

(i) to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of appointment;

(ii) ordinarily to serve as aforesaid after attaining the age of 40 years.

5. The following are the scales of pay admissible:—

Junior Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
Senior Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
Junior Administrative Grade	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
Selection Grade	Rs. 4500-150-5700
(Junior Administrative Grade)	
Senior Administrative Grade	Rs. 5900-200-6700
Surveyor General of India	Rs. 7300-100-7600

6. Nature of duties and responsibilities attached to the various posts.

**Deputy Superintending Surveyor**—Required to carry out Survey work in the fields of geodesy, photogrammetry, cartography and digital mapping as an individual worker, as well as Section Officer/Camp Officer to supervise Sections/Camps. He will also assist Officer-in-Charge (Superintending Surveyor) in—both technical & administrative work of the unit.

**Superintending Surveyor**—Responsible for the organisation and discipline of the Party, custody, maintenance and accurate accounting of stores, economical expenditure of funds at his disposal, proper training of all his Officers and men in their duties and in the method of Survey best suited to the work, execution and supervision of all technical work—field verification, fair mapping, photogrammetry and digital mapping etc.

**Deputy Director**—Assist the functional Director in smooth and efficient functioning of the Directorate, responsible for scrutinising, completion and monitoring of all technical, administrative and financial reports and returns, for arranging trade, tests, circle DPCs, presiding over procurement boards, finalising of tender and contract and all other matter delegated by the Director.

**Director/Deputy Director Selection Grade**—Responsible for all surveys and mapping, appointing and disciplinary authority for all Group 'C' staff, technical coordinating guidance, supervision and monitoring of Surveying & Mapping operations including advice to State Govt. Central project Authorities etc. etc., financial management, budgeting, monitoring and control of entire expenditure of the Directorate.

**Additional Surveyor General**—Complete overall responsibility for the efficient performance of the Circles under his charge in respect of technical, scientific, administration, finance and accounts, finalising the field and fair mapping programmes and printing work for all circles under his charge, monitoring progress of technical work according to the prescribed norms and ensure requisite standard of accuracy at every stage, responsible for development/adoption of new technical methods of work, advice to State Governments on all surveying matters falling in his Zone.



